सुविचार
किसी का भला करके
देखो हमेशा लाभ में रहोगे
किसी पर दया करके देखो
हमेशा याद में रहोगे।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 03 July 2023 ● Year : 01 ● Issue : 167 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com | E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
रेड कार्पेट पर अप्सरा बनकर उतरी दिशा...

SHARE

सेंसेक्स	:	64,718.56
निफ्टी	:	19,189.05

SARAFA

सोना	:	5,560
चांदी	:	75.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

महाराष्ट्र में शरद पवार को भतीजे अजीत ने दिया भारी झटका, NDA में गए, डिप्टी CM बने

शिंदे सरकार में छगन भुजबल सहित आठ और एनसीपी नेताओं ने मंत्री पद की ली शपथ

AGENCY MUMBAI : महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार को शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) टूटने के साथ ही अचानक बड़ा उलटफेर हो गया। एनसीपी नेता अजीत पवार ने एक बैठक बुलाकर शिंदे सरकार में शामिल होने का फैसला लिया और अपने समर्थक विधायकों के साथ राजभवन पहुंच गए। आनन-फानन में शपथ ग्रहण आयोजित करके अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री समेत अन्य 8 एनसीपी नेताओं को मंत्री पद की शपथ दिला दी गई। एनसीपी नेता अजीत पवार ने दावा किया है कि पार्टी के 36 विधायकों ने शिंदे सरकार को समर्थन दिया है। राजभवन में सादे समारोह में राज्यपाल रमेश बैस ने राकांपा नेता अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके अलावा वरिष्ठ राकांपा नेता छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे, धर्मराव बाबा अत्राम, अदिति तटकरे, संजय बंसोड़े और अनिल पाटिल को ने मंत्री पद की शपथ ली है। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, राकांपा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल उपस्थित थे। इस उलटफेर पर पूरे राजनीतिक महकमे में सरगर्मी रही।

डिप्टी सीएम अजीत पवार को शपथ दिलाते राज्यपाल रमेश बैस ● एजेंसी

राज्यपाल को सौंपी 36 विधायकों की सूची

राकांपा नेता अजीत पवार ने रविवार सुबह अपने शासकीय बंगले देवगिरी पर समर्थक विधायकों की बैठक बुलाई। इस बैठक में दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ, छगन भुजबल, किरण लहमाटे, नीलेश लंका, धनंजय मुंडे, रामराजे निंबालकर, दौलत दरोदा, मकरंद पाटिल, एनुल बेनके, सुनील टिंगरे, अमोल मिटकारी, अदिति तटकरे, शेखर निकम, निलय नाइक, अशोक पवार, अनिल पाटिल, सरोज अहिरे उपस्थित थे। बैठक के बाद अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों सहित राजभवन पहुंचे और विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद अजीत पवार ने राज्यपाल को अपने 36 समर्थक विधायकों की सूची राज्यपाल को सौंपी। इसके बाद राजभवन में स्थित सादे समारोह में राज्यपाल रमेश बैस ने राकांपा के 9 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। अजीत पवार ने आज पिछले साढ़े तीन साल में तीसरी बार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। अजीत पवार तथा अन्य राकांपा नेताओं के शपथ ग्रहण को शरद पवार ने अमान्य किया है। एनसीपी प्रमुख पवार ने कहा कि मुझे ठीक से पता नहीं है कि अजीत पवार ने यह बैठक क्यों बुलाई थी, लेकिन उनके पास बैठक बुलाने का अधिकार है। शरद पवार ने कहा कि जो लोग गए हैं, उनमें से 80 फीसदी विधायक वापस राकांपा में लौट आएंगे। इसलिए कयास लगाया जा रहा है कि राकांपा में इन सभी विधायकों पर पार्टी के अंतर्गत कार्रवाई की जा सकती है। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे का कहना है कि अब हमारे पास 1 मुख्यमंत्री और 2 उपमुख्यमंत्री हैं। डबल इंजन सरकार अब ट्रिपल इंजन बन गई है। महाराष्ट्र के विकास के लिए मैं अजीत पवार और उनके नेताओं का स्वागत करता हूं।

संकट की घड़ी में पवार के साथ आए खरगे और राहुल गांधी

एकनाथ शिंदे

मल्लिकार्जुन खरगे

राहुल गांधी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार के भतीजे अजित पवार और आठ अन्य नेताओं के बगावत कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के नेता राहुल गांधी ने शरद पवार से रविवार को बात की और उन्हें समर्थन का भरोसा जताया। कांग्रेस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की धुलाई मशीन ने अपना अभियान शुरू कर दिया है और क्योंकि इनमें से कई नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं और अब उन्हें क्लीनचिट मिल गई है। आश्चर्यजनक कदम के तहत अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि उनकी राकांपा के आठ विधायकों ने दिन में शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने ट्विटर पर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी ने राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से बात की और उन्हें अपना समर्थन जताया। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया, भाजपा का गंदी चाल चलने वाला विभाग जोर-शोर से काम कर रहा है। यह वैध रूप से चुनी गई सरकार नहीं है, बल्कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)-शक्ति प्राप्त सत्ता हथियाने वाली सरकार है। महाराष्ट्र सरकार भ्रष्टाचार और पाप की उपज है। उन्होंने कहा, जनता महाराष्ट्र के गद्दार, भ्रष्ट और समझौतावादी नेताओं को अच्छी तरह से पहचानती है और अगले चुनाव में उनमें से प्रत्येक को सबक सिखाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 जून को भ्रष्टाचार के बारे में बात की थी और ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने धुलाई मशीन को चालू कर दिया है और अब शपथ ग्रहण समारोह के बाद इन नेताओं के सारे दाग धुल गए हैं।

BRIEF NEWS

आज मंत्री बनेंगी बेबी देवी, पति के सपनों को करेंगी पूरा

BOKARO : राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन के लगभग दो महीने बाद उनकी पत्नी बेबी देवी को मंत्री बनाने की घोषणा कर दी गयी। वे सोमवार को राजभवन में मंत्री पद की शपथ लेंगी। इससे डुमरी विधानसभा क्षेत्र में उनके समर्थकों के बीच खुशी है। बेबी देवी ने मंत्री बनाये जाने पर कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जो भी आदेश होगा वह उनका पालन करेंगी। साथ ही क्षेत्र की जनता की सेवा करेंगी और पति के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए लगातार काम करेंगी।

हजारीबाग : श्रद्धालुओं से भरी बस पलटने से एक की मौत

HAZARIBAGH : जिले के चौपारण के जीटी रोड के पिपरा के पास रविवार तड़के 3.30 बजे बिहार के जहानाबाद से श्रद्धालुओं को लेकर रजरप्पा मंदिर जा रही थी बस पलट गई, जिसमें एक की मौत हो गई जबकि 12 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर है। बस में 30 श्रद्धालु सवार थे। बताया गया है कि जहानाबाद जिले के घोसी थाना क्षेत्र अंतर्गत धामकपुर गांव से सभी श्रद्धालु बस (बीआर 25 पीएस 1455) में सवार रजरप्पा मंदिर में पूजा करने जा रहे थे। इस बीच चौपारण के जीटी रोड के पिपरा के पास बस पलट गयी। हादसे में सिकंदर कुमार (20) की मौत हो गयी जबकि 12 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन लोगों की हालत गंभीर बतायी जा रही है।

पाकिस्तानी कनेक्शन को लेकर एनआईए ने बरेली में मारा छापा

BAREILLY : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने रविवार को बरेली जिले के कस्बा आंवला में रहने वाले पेंटर के घर पर छापेमारी की। आरोप है कि पेंटर पाकिस्तान के नंबर से काफी दिनों से बातचीत कर रहा है। एनआईए ने पेंटर के मोबाइल को कब्जे में लिया है। लखनऊ मुख्यालय से एनआईए की एक टीम ने रविवार की सुबह पांच बजे बरेली में आंवला के ग्वालटोली पक्का कटरा निवासी पेंटर तौहीद के घर पर छापेमारी की है। इस दौरान स्थानीय पुलिस भी मौजूद रही।

झारखंड में भी अगले 24 घंटे में भारी बारिश

गुजरात के सात जिलों में बाढ़ जैसे हालात

AGENCY NEW DELHI : आईएमडी ने इस हफ्ते लगभग सभी राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे में बिहार-झारखंड समेत 13 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। राज्यों की बात करें तो गुजरात में पिछले 30 घंटों से भारी बारिश के चलते 10 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के जूनागढ़, कच्छ, जामनगर, वलसाड, मेहसाणा, सूरत और नवसारी जिले में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। यहां एसडीआरएफ और एयरफोर्स को रेस्क्यू और रिलीफ ऑपरेशन में लगाया गया है। उत्तराखंड के लंबागढ़ में बद्रीनाथ हाईवे (एनएच-7) पिछले 13 घंटे से बंद है। खाचड़ा नाले में पानी बढ़ने के चलते इसे बंद किया गया है। हाईवे पर दोनों तरफ बड़ी संख्या में टूरिस्ट फंसे हुए हैं। ये हाईवे पिछले एक हफ्ते में तीसरी बार बंद हुआ है। इससे पहले यहां 29 जून और शनिवार सुबह लैंडस्लाइड की घटना हुई थी।

रांची में अगले चार दिनों तक छाए रहेंगे बादल

RANCHI : सूबे में बारिश और मॉनसून की लुकाछिपी जारी है, जो जुलाई के पहले सप्ताह तक जारी रहने की संभावना है। रांची के मौसम की बात करें तो अगले चार दिनों तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और वर्षा होने की संभावना है। हालांकि राज्य भर के पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में कुछेक स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा हुई है। जबकि कहीं कहीं भारी वर्षा हुई है।

आईआईटी कैंपस में लगी आग, मचा हड़कंप

KHARAGPUR : आईआईटी खड़गपुर के लाल बहादुर शास्त्री हॉल में रविवार तड़के आग लग गई। दमकल की दो गाड़ियों ने जाकर स्थिति पर काबू पाया क यह हादसा संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ है क सबसे पहले पहली मंजिल पर बने स्टोर रूम में आग लगी। वहां से फायर ब्रिगेड ने आग को दूसरी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही काबू कर लिया। आग की तपिश से लाल बहादुर शास्त्री हॉल की चौथी मंजिल तक की दीवार काली हो गई। दमकल की गाड़ियों ने आईआईटी कैंपस में जाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की की। बजे लाल बहादुर शास्त्री हॉल ऑफ रेजिडेंस के कॉमन रूम में आग लग गई। सूचना सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को दी गई। नियंत्रण कक्ष ने तुरंत प्रशासन और खड़गपुर अग्निशमन सेवा कार्यालय के साथ-साथ सलुआ में स्थित एयर फोर्स स्टेशन के अग्निशमन सेवा कार्यालय को आवश्यक सहायता के लिए सूचित किया।

बिरसा मुंडा जेल अधीक्षक के खिलाफ मुकदमा चलाने के पर्याप्त सबूत मिले

ईडी ने हाई प्रोफाइल आरोपियों से संबंध बताकर तैयार की रिपोर्ट

CRIME REPORTER RANCHI : बिरसा मुंडा जेल अधीक्षक हामिद अख्तर पर अब ईडी कार्रवाई के मूड में नजर आ रही है। ईडी ने शनिवार को बिरसा मुंडा जेल अधीक्षक के हाई प्रोफाइल आरोपियों के साथ संदिग्ध संबंध को लेकर मुख्यालय को एक रिपोर्ट भेजी है। जिसमें अधीक्षक पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत होने की बात कही गई है। बताते चलें कि हामिद अख्तर शुक्रवार को ईडी के सामने पेश हुए थे। सूत्रों ने इस बात के संकेत दिए कि रिपोर्ट में कई आपत्तिजनक साक्ष्य शामिल हैं, जो सुझाव देते हैं कि हामिद अख्तर ने एक आपराधिक साजिश के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपियों के खिलाफ महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को नष्ट कर दिया। इसके अलावा उन्होंने जानबूझकर तथ्यों को दबाने और मनी लॉन्ड्रिंग में आरोपी व्यक्तियों की मदद की है। जेल अधीक्षक पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार बताए जा रहे हैं, हालांकि

कई बार भेजा गया है समन

जेल की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने के लिए ईडी के बार-बार अनुरोध को नजर अंदाज किया जा रहा है। एजेंसी की ओर से उन्हें कई बार समन भेजा गया था। वह या तो समन से बचते रहे या मामले को अदालत में घसीटते रहे। यहां तक कि अगर वह एजेंसी के सामने पेश भी हुए तो उन्होंने सहयोग नहीं किया और जानकारी छिपायी।

आज PLFI सुप्रीमो दिनेश गोप से जेल में पूछताछ करेगा ED

RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सोमवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में पीएलएफआइ सुप्रीमो दिनेश गोप से पूछताछ करेगी। दिनेश गोप को गत 21 मई को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। एनआईए की पूछताछ में दिनेश गोप ने लेवी से मिले पैसों को लेकर कई अहम जानकारियां दी थीं। उसने एनआईए के अधिकारियों को बताया था कि रांची और उसके आसपास उसने जमीन से लेकर व्यापार तक में करोड़ों रुपये का निवेश किया है। इसमें काम में कई लोगों ने उसका सहयोग किया। आतंक के बल पर अकूत संपत्ति खड़ा करने वाले दिनेश गोप द्वारा मनी लांड्रिंग की आशंका को देखते हुए अब ईडी उससे पूछताछ करेगी।

भोले बाबा की नगरी काशी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देंगे 3000 करोड़ रुपये की सौगात

सावन में बनारस में होगी 'विकास' की बारिश

AGENCY VARANASI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी 7-8 जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान पीएम लगभग 28 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। पीएम रिंग रोड किनारे जनसभा को भी संबोधित करेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी काशी के लोगों को 3000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दे सकते हैं। पीएम यूपी के दूसरे सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रो केमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट) का लोकार्पण करेंगे।तीन रेलवे ब्रिज का शिलान्यास भी करेंगे। पीएम के हाथों लोकार्पित व शिलान्यास वाली प्रस्तावित विकास परियोजनाओं की सूची बनाई जा रही है। पीएम मोदी ने ही किया था सिपेट का शिलान्यास सुल्तानपुर वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सिपेट के स्कीलिंग एंड टेक्निकल सपोर्ट सेंटर (सीएसटीसी) सहित करीब 18 परियोजनाओं का लोकार्पण होगा।इनकी लागत 1073 करोड़ रुपये है। पीएम मोदी ने ही 15 जुलाई 2021 को 10 एकड़ में बने सिपेट का शिलान्यास किया था। इसकी लागत 40.1 करोड़ रुपये है। यह संस्थान रोजगार प्रशिक्षण का प्रमुख माध्यम बनेगा।

इन योजनाओं का होगा शिलान्यास

- बाबतपुर चौबेपुर रोड कादीपुर स्टेशन के पास दो लेन का रेलवे ओवरब्रिज
- वाराणसी प्रयागराज के बीच हरदत्तपुर और राजातालाब में रेलवे ओवरब्रिज
- जंसा रामेश्वर रोड पर लोहता चौखंडी स्टेशन के पास रेलवे ओवरब्रिज
- रामनगर के शास्त्री घाट, सामने घाट व चंद्रप्रभु जैन मंदिर के पास चंद्रावती जैन घाट का पुनर्निमाण
- हरिश्चंद्र घाट और मणिकर्णिका घाट का सुंदरीकरण
- छह घाटों पर फ्लोटिंग जेटी और चेंजिंग रूम, 32 सड़कों का निर्माण और मरम्मत

इधर, रांची के पहाड़ी मंदिर में अरघा सिस्टम से होगा जलाभिषेक

RANCHI : पहाड़ी मंदिर प्रबंधन श्रावणी मेले की तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटा है। चार जुलाई से सावन माह शुरू हो जा रहा है। इस दौरान पहाड़ी मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटेगी। हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। इसे देखते हुए मंदिर प्रबंधन और प्रशासन की ओर से तैयारी की जा रही है। बताया गया कि इस वर्ष भी शिवलिंग पर श्रद्धालु अरघा सिस्टम से जल अर्पित करेंगे। वहीं सोमवार को भक्तों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए व उनकी सुरक्षा को लेकर बैरिकेडिंग लगाने की तैयारी है। जिला प्रशासन की ओर से पुलिस और मंदिर प्रबंधन की तरफ से वॉलिंटियर्स की तैनाती की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे से भी पूरे मंदिर परिसर में पैनी नजर रखी जाएगी। बताया गया कि इस बार दान के लिए पहाड़ी मंदिर में अलग तैयारी की गई है।

गढ़वा में पीएलएफआई के दो उग्रवादी गिरफ्तार

GARHWA : पुलिस ने भौवराहा जंगल से पीएलएफआई के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एक उग्रवादी फरार होने में सफल रहा। उग्रवादियों की निशानदेही पर दो देशी राइफल, कट्टा, पिठू बैग, पीएलएफआई का पर्चा और वर्दी सहित दैनिक उपयोग के समान बरामद किये गये हैं। गिरफ्तार उग्रवादियों में पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के करसो निवासी परदेशी यादव उर्फ प्रदीप यादव और गढ़वा जिला के डंडा थाना क्षेत्र स्थित भिखही निवासी सीताराम चौधरी शामिल हैं। फरार उग्रवादी की पहचान कमलेश यादव के रूप में की गई है, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

ISRO की टीम को नौसेना ने दी पहली TRAINING

मिशन गगनयान की टीम में मिलेगी जगह

AGENCY NEW DELHI : इसरो के मिशन गगनयान की क्रू रिकवरी टीम के पहले बैच को भारतीय नौसेना की टीम ने पहले चरण का प्रशिक्षण दिया है। कोच्चि में नौसेना की जल जीवन रक्षा प्रशिक्षण सुविधा (डब्ल्यूएसटीएफ) में यह प्रशिक्षण दिया गया है। नौसेना के गोताखोरों और समुद्री कमांडो की एक टीम ने विभिन्न समुद्री परिस्थितियों में क्रू मॉड्यूल को प्रशिक्षित किया। यह प्रशिक्षित टीम अब आने वाले महीनों में इसरो के मिशन गगनयान की लॉन्चिंग टीम में शामिल होगी। कोच्चि स्थित डब्ल्यूएसटीएफ भारतीय नौसेना की एक जल जीवन रक्षा परीक्षण सुविधा है, जहां विमान चालक दल को कई दुर्घटना परिदृश्यों और मौसम की स्थिति के तहत फंसी हुई उड़ान से बचने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसमें किसी भी

प्रकार की समुद्री या पर्यावरणीय परिस्थितियों के लिए प्रशिक्षित किये जाने की क्षमता है, ताकि चालक दल को हर परिस्थिति के लिए अच्छी तरह से तैयार किया जा सके। मिशन गगनयान की क्रू रिकवरी टीम के पहले बैच ने डब्ल्यूएसटीएफ में प्रशिक्षण का पहला चरण पूरा किया है। यह प्रशिक्षित टीम अब आने वाले महीनों में इसरो के मिशन गगनयान की लॉन्चिंग टीम में शामिल होगी। मिशन गगनयान की क्रू रिकवरी टीम के पहले बैच ने भारतीय नौसेना के गोताखोरों और समुद्री कमांडो की टीम से विभिन्न समुद्री परिस्थितियों में क्रू मॉड्यूल का प्रशिक्षण लिया।

BRIEF NEWS

उपराष्ट्रपति धनखड़ कल असम का दौरा करेंगे

NEW DELHI : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ चार जुलाई को असम का दौरा करेंगे, जहां वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के 25वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। गुवाहाटी पहुंचने पर उपराष्ट्रपति कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन करेंगे। अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति आईआईटी गुवाहाटी में छात्रों के साथ बातचीत भी करेंगे।

सीएम ने पत्रकार पूरन चंद्र के निधन पर शोक जताया

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने वरिष्ठ पत्रकार पूरन चंद्र के निधन पर गहरा शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा कि वे अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में सामाजिक सरोकारों से भी सदैव जुड़े रहे। उनके निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में जगह दे और परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद ने भी पूरन चंद्र के निधन पर गहरी संवेदना जताई और कहा - उनके निधन से पत्रकारिता जगत में जो खालीपन आया है, उसकी भरपाई नहीं हो सकती है।

शहीद कुलदीप उरांव को दी गई श्रद्धांजलि

SAHIBGANJ : जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में दो जुलाई 2020 को आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल कुलदीप उरांव को उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। जैप 9 परिसर से सटे समाधि स्थल पर रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर मौजूद भाजपा विधायक अनंत ओझा, उपायुक्त रामनिवास यादव, एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा, शहीद के पिता घनश्याम उरांव समेत कई अन्य लोगों ने उपस्थित होकर समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

हार से जीतने की मिलती है प्रेरणा : कोचे मुंडा

KHUNTI : राजकला के खिलाड़ी बल्लू की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत राजकला इलेवन ने तोरपा सुपर किंग को 63 रन से पराजित कर तोरपा प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। तोरपा के सागवान मैदान में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में टॉस जीत कर राजकला इलेवन की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 218 रन बनाकर तोरपा सुपर किंग को विशाल लक्ष्य दे दिया। जवाबी पारी खेलने उतरी तोरपा सुपर किंग की टीम 18 ओवर में सभी विकेट खोकर मात्र 155 रन ही बना सकी। पहले खेलते हुए राजकला इलेवन की टीम के प्रवीण कुमार उर्फ बल्लू ने 49 गेंद में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 12 चौके और आठ छक्के की मदद से 113 रन बनाए। के बदौलत 218 रन बना लिया था। सुपर किंग की ओर से अनीश होरो एकमात्र सफल खिलड़ी रहे जिन्होंने 72 रन बनाऐ।

UCC पर सियासत, सत्ता पक्ष ने इसे विभाजनकारी करार दिया

बोले झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य- यह मोदी का चुनावी एजेंडा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में भी यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) का मुद्दा गरमा गया है। सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने देश में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों को विभाजनकारी करार दिया है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने यूसीसी लागू करने के मोदी सरकार के प्रयासों को विभाजनकारी बताता। उन्होंने कहा कि देश इसे स्वीकार नहीं करेगा। साथ ही कहा कि यह मोदी सरकार का सिर्फ चुनावी एजेंडा भर है और बेहद गंभीर मुद्दा भी है। सुप्रियो ने कहा कि जब भाजपा और उसके नेता यूसीसी की बात करते हैं तो उन्हें बताना चाहिए कि आदिवासी समुदाय को लेकर उनकी सोच क्या है। उन्होंने जनजातीय समुदायों के रीति रिवाजों को संविधान के आर्टिकल 5 और आर्टिकल 6 का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान से उसे प्रोटेक्शन मिला हुआ है, उसे कैसे चेंज करेंगे? क्या आदिवासी और मूलवासियों को बाहर निकाल दिया जाएगा, यह आज एक बड़ा सवाल है। साथ ही कहा कि ट्राइबल सोसाइटी को लेकर भाजपा की सोच क्या है, यह उन्हें सार्वजनिक करना चाहिए। सरना धर्म कोड का क्या हुआ, यह बताना चाहिए। सुप्रियो ने कहा कि

यूसीसी एक मनुवादी सोच भर है और देश उसे स्वीकार नहीं करेगा।

चुनावी लाभ लेने की कोशिश कर रही भाजपा : कांग्रेस

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने यूसीसी लागू किए जाने के प्रयासों को चुनावी लाभ लेने की भाजपा की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि जब मणिपुर जल रहा था, तब प्रधानमंत्री अपना बूथ मजबूत कर रहे थे और गृहमंत्री का कहीं अता पता नहीं था। ऐसे में जब भोपाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूसीसी की बात अपने कार्यकताओं से कही, तब देशवासी समझ गए कि कहीं ना कहीं चुनाव होने वाला है। राकेश ने कहा कि अभी यूसीसी को लेकर देशवासियों से राय मांगी गई है। उन्होंने कहा कि राय आने दीजिए। कांग्रेस सही समय पर अपनी बात देश की जनता के सामने रख देगी।

सबके लिए एक कानून सही नहीं : राजद

राष्ट्रीय जनता दल की प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता यादव ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने बहुत सोच समझ कर संविधान की रचना की थी। उन्होंने सभी धर्म और पंथ के लोगों को अपने-अपने तरीके से रहने की आजादी दी थी। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच क्या है, यह तो वहीं जानते हैं लेकिन राजद की राय में सबके लिए एक कानून सही नहीं है। उधर, भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने यूसीसी को लेकर कहा कि एक घर में दो अलग-अलग कानून होगा तो कैसे चलेगा। इसलिए एक देश में एक ही कानून चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब देश में क्रिमिनल लॉ एक है, तो सिविल लॉ भी एक होना चाहिए। इसमें कांग्रेस को आखिर क्या परेशानी है। यह तो 75 साल पहले हो जाना चाहिए था। क्योंकि, संविधान के पैरा 44 में इसका स्पष्ट उल्लेख है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट भी सरकार को कई बार कह चुकी है। उन्होंने कहा कि इस लॉ के लागू हो जाने से देश की आधी आबादी खुश होगी। इससे महिलाओं को अपना हक मिलेगा और खास कर मुस्लिम महिलाओं को उनका अधिकार मिलेगा।

एक समान कानून लागू होने से देश मजबूत होगा : मायावती

LUCKNOW : बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि विशाल आबादी वाले भारत देश में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। जिनके जीवन जीने की शैली के अलग अलग तौर तरीके एवं रस्म रिवाज हैं । वहीं दूसरी तरफ यह बात भी सोचने वाली है कि यहां प्रत्येक धर्म को मानने वाले लोगों पर हर मामले में एक समान कानून लागू होता है तो उससे देश कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत ही होगा। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि इससे आपसी भाईचारा, सौहार्द माहौल पैदा होगा। भारतीय संविधान की धारा 44 में यूनिफार्म सिविल कोड अर्थात यूसीसी को बनाने का प्रयास वर्णित है। इसे जबरन थोपने का प्रावधान बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के बनाये संविधान में

निहित नहीं है। इसके लिए जागरुकता और आम सहमति को श्रेष्ठ माना गया है, जिस पर अमल नहीं करके संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करना देशहित में सही नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान की धारा 44 में समान सिविल संहिता बनाने का प्रयास तो वर्णित है लेकिन इसे थोपने का नहीं है। इस सभी को ध्यान में रखकर भाजपा को यूनिफार्म सिविल कोड को लागू करते हुए ध्यान देना चाहिए। हमारी पार्टी यूनिफार्म सिविल कोड से असहमत नहीं है बल्कि इसे लागू करने के भाजपा

मोदी सरकार ने पिछड़ा समाज को दी संवैधानिक मान्यता : शाह

लखनऊ में सोनेलाल पटेल की जयंती पर कार्यक्रम

AGENCY LUCKNOW : वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि आजादी के बाद कभी भी किसी ने पिछड़ा समाज को संवैधानिक मान्यता नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग गठित कर पिछड़ा समाज को संवैधानिक मान्यता दी है। राजधानी लखनऊ के इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में अपना दल के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद भजपा के नेतृत्व में एनडीए का मंत्रिमंडल है, जिसमें सबसे ज्यादा 27 केंद्रीय मंत्री पिछड़े समाज से हैं। सबसे ज्यादा दलित और पिछड़ा समाज के सांसद चुनकर मोदी के नेतृत्व में आये हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछड़ी समाज के लोगों को आरक्षण देने का काम किया है। ओबीसी बच्चों के खाते में डीबीटी के माध्यम से पैसा भेजने का काम नरेंद्र मोदी सरकार ने किया है। सुहेलदेव राजभर के नाम पर विश्वविद्यालय और सोने लाल पटेल के नाम पर मेडिकल कॉलेज बना है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले चारों चुनाव भाजपा और अपना दल ने मिलकर लड़े हैं। मिलकर जीते हैं। सपा, बसपा के विघटनकारी नीतियों का जवाब दिया है। 24 में भी अपना दल और निषाद पार्टी के साथ मिलकर भाजपा चुनाव लड़ेगी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया। 9 साल में 3 करोड़ से अधिक आवास बनाकर दिया। करीब 10 करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन दिया। अमित शाह ने केंद्र की मोदी सरकार की अन्य योजनाओं को भी गिनाया। कहा कि सरकार ने 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज दिया।

सोनेलाल पटेल का सपना अब हो रहा पूरा : योगी

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपना दल संस्थापक सोनेलाल पटेल ने समाजिक न्याय का जो सपना देखा था, वह देश में पिछले नौ वर्षों से पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रतापगढ़ में सोनेलाल पटेल के नाम पर मेडिकल कालेज स्थापित कर रही है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर को मुख्य धारा से जोड़ा गया है। 70 से अधिक जनपद नक्सलवाद से पीड़ित थे। आज छह से सात जनपद बचे हैं। जल्द ही वे जिले भी नक्सल से मुक्त हो जाएंगे। पूर्व में समारोह को प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने भी संबोधित किया।

सोनाहातू में विधायक सुदेश महतो ने किया कई योजनाओं का शिलान्यास

- सिल्ली क्षेत्र के हर युवा को हुनरवान बनाने के लिए किया जाएगा स्किल ट्रेनिंग कार्यक्रम का संचालन, पढ़ाई के लिए शुरू की गई बस सेवा

PHOTON NEWS RANCHI : बुंडू अनुमंडल के सोनाहातू क्षेत्र में शनिवार को सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने अपने विधानसभा क्षेत्र के गांवों में सड़क पुल सहित कई योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि सिल्ली क्षेत्र के हर युवा हुनरवान हो इसको लेकर सिल्ली में स्किल ट्रेनिंग के कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के बुंडू, सोनाहातू, राहे, सिल्ली के युवाओं के लिए व रांची पढ़ाई करने वालों के लिए स्टूडेंट एक्सप्रेस बस की शुरूआत की जा रही है, जिसमें पढ़ने लिखने वाले बच्चों के लिए रविवार से रजिस्ट्रेशन करवाने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि इस बस में वाईफाई से लेकर महिला गार्ड तक की व्यवस्था होगी ताकि विधानसभा क्षेत्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कोई असुविधा ना झेलना पड़े। उन्होंने छात्रों के पढ़ाई को लेकर क्षेत्र में बच्चों के लिए पुस्तकालय खोले जाने की बात कही है। राज्य सरकार को घेरे में लेकर कहा कि राज्य सरकार अब तक मैट्रिक पास किए हुए बच्चों के लिए इंटर कॉलेजों की व्यवस्था नहीं करा पाई है और ना ही ग्यारहवीं क्लास के बच्चों के लिए पुस्तक की व्यवस्था कर पाई है।

योजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम में सुदेश महतो व अन्य ● फोटोन न्यूज

झारखंड पार्टी के फिर केंद्रीय अध्यक्ष बने पूर्व मंत्री एनोस एक्का, अशोक भगत बने प्रधान महासचिव

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड पार्टी (झापा) का रांची में चला दो दिवसीय महाधिवेशन रविवार को संपन्न हो गया। समापन से पूर्व इसके तीसरे सत्र में कार्यकारिणी समिति के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू की गयी। इसके संचालन का जिम्मा पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार और पार्टी के सीनियर लीडर रिजवान अहमद को दिया गया। रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व राज्यमंत्री अशोक कुमार भगत ने बताया कि चुनाव में पार्टी के लिए केंद्रीय अध्यक्ष सहित 21 लोगों को केंद्रीय समिति में शामिल किया गया। इसके अलावा 10 अन्य का मनोनयन किया गया। अध्यक्ष पद के लिए फिर से पूर्व मंत्री एनोस एक्का निर्वाचित हुए, पूर्व राज्य मंत्री अशोक कुमार भगत प्रधान महासचिव निर्वाचित हुए। अजीत कुमार (पूर्व महाधिवक्ता) सहित चित्रसेन सिन्कू (पूर्व सांसद), किरण आइन्द और रिजवान अहमद कार्यकारी अध्यक्ष चुने गये। उपाध्यक्ष के तौर पर एनुल हक अंसारी, अर्पणा हंस और ओमप्रकाश अग्रवाल चुने गये जबकि उमेश कुमार पांडेय और ललित समद महासचिव। अंशु लकड़ा, आनंद पॉल तिर्की, महेंद्र जामुदा और संतोष महतो को सचिव सह प्रवक्ता का जिम्मा मिला। कुमार कामेश को प्रवक्ता पद की जवाबदेही मिली। संगठन सचिव के तौर पर पार्टी के चार नेताओं, 7 को कार्यकारिणी सदस्य और विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर पूर्व सांसद दुर्गा प्रसाद जामुदा, संदेश एक्का, सभी अनुषंगी ईकाइयों के अध्यक्ष और महासचिव तथा सभी नगर अध्यक्ष को शामिल किया गया। मौके पर एनोस एक्का ने कहा कि भाजपा और झामुमो जैसी पार्टियों और इसके गठबंधन से जनता का भरोसा हट चुका है। झारखंड पार्टी से जुड़े लोग पुराने तेवर और नयी सोच के साथ क्षेत्र में जाएं।

दो दिवसीय महाअधिवेशन के समापन कार्यक्रम में एकजुटता प्रदर्शित करते झारखंड पार्टी के नेता ● फोटोन न्यूज

पंचायत व बूथ स्तर तक कमेटी का सत्यापन करें : राजेश ठाकुर

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने रविवार को संगठन सशक्तिकरण अभियान की समीक्षा की। साथ ही वर्चुअल बैठक में प्रखंड, पंचायत एवं बूथ स्तर तक की गठित कमेटी की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सभी महासचिव प्रभारियों और जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया कि अविलंब प्रखंड अध्यक्षों और विधानसभा प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पंचायत एवं बूथ स्तर तक की कमेटी का सत्यापन करें। क्योंकि, पंचायत और बूथ कमेटी के जरिए हम आने वाले लोकसभा के चुनावों में मजबूती के साथ चुनाव लड़ने का काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश, देश में बढ़ती नफरत का वातावरण को हम तभी खत्म कर सकते हैं जब हम बूथ स्तर के एक-एक व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, शहजादा अनवर सहित सभी जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारी उपस्थित थे।

गुमला के आंजन धाम सहित सभी धार्मिक स्थलों का विकास सरकार की प्राथमिकता : बंधु तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि गुमला के सुप्रसिद्ध आंजन धाम सहित राज्य के प्रत्येक धार्मिक स्थल का विकास, पुनरुद्धार और उसका आधुनिकीकरण करने के साथ ही वहाँ उपलब्ध सुविधायें बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने इस दायित्व को पूरा कर रही है। सावन के उपलक्ष्य में आज अपने आवास पर आंजन धाम से आयी हुई साधवियों के एक दल के साथ हुई मुलाकात में बंधु तिर्की ने कहा कि यदि राज्य के सभी पवित्र धार्मिक स्थलों का व्यापक स्तर पर विकास एवं पुनरुद्धार किया जाना न केवल झारखंड की आम जनता की पवित्र श्रद्धा एवं आस्था के लिये आवश्यक है बल्कि इससे राज्य के पर्यटन क्षेत्रों का भी विकास होगा और विशेष रूप से धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा।

लोहरदगा में तीस धूमकुरिया भवन का हुआ शिलान्यास

PHOTON NEWS RANCHI : मंत्री रामेश्वर उरांव एवं राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने भंडरा प्रखंड परिसर में आयोजित समारोह में 06 करोड़ 01 लाख 26 हजार की लागत से 30 धूमकुरिया भवन के निर्माण की आधारशिला रखी। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि आदिवासियों की धर्म, संस्कृति, परंपरा को बचाने के लिए धूमकुरिया भवन की आवश्यकता है। धूमकुरिया भवन बनने से आदिवासियों को धर्म, संस्कृति, परंपरा को बचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी गांव एवं टोलों में आदिवासी आखरा का निर्माण विधायक कोष से कराया जा रहा है। जहां भी धूमकुरिया भवन या अखरा की आवश्यकता महसूस होती है वहां के ग्रामीण आवेदन दें। राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि क्षेत्र के आदिवासियों की धर्म, संस्कृति, सभ्यता, भाषा, परंपरा की रक्षा करने के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित है। क्षेत्र में धूमकुरिया भवन के निर्माण में स्थानीय विधायक रामेश्वर उरांव की महत्वपूर्ण भूमिका है।

देवघर के दुम्मा बार्डर पर राज्य के AGRICULTURE MINISTER बादल पत्रलेख करेंगे उद्घाटन

राजकीय श्रावणी मेले का आज होगा उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : श्रावणी मेले को लेकर देवघर सज-धज कर तैयार हो गया है। कल तीन जुलाई को झारखंड सरकार के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख झारखंड के प्रवेश द्वार दुम्मा बॉर्डर पर श्रावणी मेले का उद्घाटन करेंगे। श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन ने दुम्मा बॉर्डर से लेकर बाबा मंदिर तक कांवरियों के लिए छावनी की व्यवस्था की है। साथ ही गंगा से लाए रेत को कांवरियों की सुविधा के लिए जगह-जगह बिछाया गया है। इस बार जिला प्रशासन ने पैदल कांवरियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। मलमास के कारण इस बार सावन दो माह का होगा। इस साल श्रावण मास में वीआईपीगिरी नहीं चलेगी। आम श्रद्धालु की तरह लोग अर्घा से जलार्पण करेंगे। कांवरियों की सुविधा के लिए जगह-जगह कांउटर बनाए गए हैं। इस संबंध में देवघर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन ने जगह जगह पर कांवरियों की सुविधा के लिए सेल काउंटर बनाया है। वहीं मेला के सफल संचालन के लिए 21 ओपी में मेला क्षेत्र को बांटा गया है। इन ओपी क्षेत्र में मेला व्यवस्था के कार्यों जैसे पंडाल निर्माण, पथ प्रकाश, कांवरियों के लिए पेयजल, शौचालय, वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था आदि सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उपायुक्त ने कहा की मेले के दौरान विधि-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और अपराध नियंत्रण के साथ-साथ यातायात की व्यवस्था के लिए पुख्ता तैयारी कर ली गई है। मेला क्षेत्र में 1200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे एक्टिव रहेंगे।कांवरिया पथ पर 10 हजार से ज्यादा क्षमता वाले आध्यात्मिक भवन में कांवरियों को सस्ते दर पर भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं कांवरियों की कतार लगने वाले रूट लाइन में वाटरप्रूफ पंडाल बनाए गए हैं। मेले में शिवभक्तों की सुविधा के लिए और भीड़ नियंत्रित करने के लिए नई व्यवस्था की गई है। पहली बार मिस्ट कूलिंग सिस्टम और कतार में बदलाव देखने को भी मिलेगा।

सेवा नियमितीकरण को लेकर CM आवास का घेराव करेंगे मनरेगाकर्मी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ की बैठक रविवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित की गयी। इसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष जॉन पीटर बागे ने की। मंच संचालन सचिव विकास पांडेय ने किया। इस दौरान संघ से जुड़े पदाधिकारियों, कर्मियों ने उनके मामले में राज्य सरकार के रवैये पर निराशा जतायी।

23 जुलाई से शुरू होगा अभियान

जॉन पीटर बागे ने कहा कि अब अपनी मांगों को लेकर संघ चरणबध्द आंदोलन करेगा। सरकार 2024 के चुनाव की तैयारी कर रही है। हम भी 2024 की तैयारी कर रहे हैं। अब हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा है। 16 वर्ष सेवा हमने ग्रामीण विकास विभाग को दिया। जवानी से बुढ़ापे तक पहुंच गए पर हमारा भविष्य सुरक्षित नहीं है। ऐसे में अब पूरे प्रदेश में सरकार की बेरुखी और वादाखिलाफी का पर्चा आम जनता तक पहुंचाने का काम किया जायेगा। जिला मुख्यालय में 23 जुलाई 31 जुलाई तक एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। 20 अगस्त से सभी विधायकों, सभी कैबिनेट मंत्रियों का आवास घेराव कर अपना मांग पत्र सौंपा जाएगा। 18 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास घेराव भी किया जायेगा। 10 अक्टूबर से ग्रामीण विकास मंत्री के आवास पर घेरा डालो, डेरा डालो कार्यक्रम चलाया जायेगा। इसके बाद भी यदि मांगे पूरी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर सभी मनरेगाकर्मी चले जाएंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि हमेशा से सरकार ने मनरेगा कर्मियों को छलने का काम किया है। हमलोगों ने कई बार अपनी मांगों को सरकार के पास रखने का प्रयास किया।

BRIEF NEWS

घर में सो रही महिला पर फायरिंग, बाल-बाल बची

RANCHI : बरियातू थाना क्षेत्र के एदलहातू स्थित शिवशक्ति नगर में घर में सो रही महिला पर अपराधियों के गोली चलाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 1.50 बजे घर में सो रही पिंकी सिंह नाम की महिला पर फायरिंग की गई है। हालांकि इस हमले में महिला बाल-बाल बच गई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ज्ञानरंजन मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। थाना प्रभारी ने बताया कि एस्बेस्टस के ऊपर से गोली चलाई गई थी। महिला को गोली नहीं लगी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

रांची में युवक की पत्थर से कूचकर हत्या

RANCHI : सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित पहाड़ टोली तालाब के समीप से पत्थर से कूचकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने शनिवार देर रात पुलिस को दी। आशंका जताई जा रही है कि पीने के विवाद में हत्या कर दी गई। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने रविवार को बताया कि आसपास के लोगों से शिनाख्त कराने पर किसी ने भी युवक की पहचान नहीं की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

जमीन दिलाने के नाम पर 8 लाख की ठगी, एफआईआर दर्ज

RANCHI : जमीन के नाम पर आठ लाख रुपये की ठगी का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में कोकर निवासी स्नेहलता ,पति नीरज कुमार सिंह ने सदर थाने में पूर्णेन्दु प्रमाणिक और अब्दुल हलीम पर जमीन दिलाने के नाम पर आठ लाख रुपये ठगी करने का मामला दर्ज कराया है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार जमीन खरीदने के लिए स्नेहलता और उनके पति नीरज एक परिचित पूर्णेन्दु प्रमाणिक से बात की। पूर्णेन्दु प्रमाणिक जमीन खरीद बिक्री करने वाले एक व्यक्ति अब्दुल हलीम से हमारा परिचय करवाया। अब्दुल हलीम ने जमीन बिक्री करने के लिए एकरनामा किया। इसी क्रम में अब्दुल हलीम ने एक बार पांच लाख और दूसरे बार तीन लाख रुपये लिया। जमीन नहीं देने पर पैसा मांगने पर हलीम ने काफी टालमटोल किया। काफी दबाव देने पर चार लाख का चेक दिया। लेकिन चेक बाउंस कर गया।

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर होगी पेपरलेस इंट्री

RANCHI : देश के कई एयरपोर्ट की तर्ज पर रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भी फेशियल रिकग्निशन तकनीक (एफआरटी) आधारित नयी प्रणाली लगेगी। इसमें यात्रियों की पहचान उनके चेहरे से होगी और वे डिजि-यात्रा मोबाइल ऐप के जरिये हवाई अड्डा पर पेपरलेस इंट्री कर सकेंगे। एफआरटी तकनीक से सुरक्षा जांच और अन्य चेक प्वाइंट पर यात्रियों का यात्रा संबंधी डाटा खुद-ब-खुद प्रोसेस हो जायेगा।

लायंस क्लब ने गोशाला में लगाए 101 पौधे

RANCHI : वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत रविवार को लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट ने रुक्का डैम के समीप हूटप गोशाला में मेगा ट्री प्लांटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। क्लब के सदस्यों ने गो सेवा के साथ 101 पौधे लगाकर पर्यावरण सरंक्षण का संकल्प किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन कमल जैन के निर्देश पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हरमू में हुई मारपीट मामले में 30 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज

स्कूटी में बाइक से टक्कर मारने पर बढ़ा विवाद, दोनों पक्षों ने दर्ज कराया मामला

CRIME REPORTER RANCHI : अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू बाजार में स्कूटी से बाइक में हुई टक्कर के बाद मारपीट की घटना में दोनों पक्षों की ओर से 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया है। एक पक्ष से आशीष ने कुछ नामजद और अज्ञात सहित 15 और दूसरे पक्ष से हरमू बाजार हिंद नगर निवासी सुहैल खान की पत्नी रकीबा खातून ने भी कुछ नामजद और अज्ञात सहित कुल 15 के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बताया जाता है कि शनिवार रात अरगोड़ा थाना के हरमू बाजार स्थित आशीष स्टूडियो के संचालक आशीष कुमार के बाइक में स्कूटी से धक्का मारने के बाद जुमार्ना मांगने पर मारपीट हुई थी। रविवार को घटना के विरोध में हरमू बाजार बंद रहा। आक्रोशित लोगों को शांत कराने के लिए उनका पक्ष जानने के लिए हटिया विधायक नवीन जायसवाल, डीएसपी राजा मित्रा सहित अन्य अधिकारी भी पहुंचे। घटना के विरोध में हरमू बाजार समिति के व्यवसायी, मुहल्ले के गणमान्य लोगों ने पंच मंदिर हरमू के प्रांगण में बैठक की। उस बैठक में विधायक नवीन जायसवाल भी शामिल हुए। लोगों ने बैठक के बाद मांग की कि व्यवसायियों को सुरक्षा दी जाये, आरोपियों पर कार्रवाई हो, मंदिर से सटे सभी मीट-मछली के दुकान को हटाया जाये, सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी पूरे बाजार में लगाया जाये, शाम के समय पैदल गश्त लगातार हो, हरमू बाजार में फोर्स की तैनाती हो। बैठक के दौरान हरमू पंच मंदिर प्रांगण में काफी संख्या में लोग जूटे थे। बैठक में विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि घटना के बाद आरोपियों पर उचित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

हरमू बाजार में घटना को लेकर चर्चा करते लोग और मारपीट की घटना के विरोध में दुकानें बंद रहने से पसरा सन्नाटा ● फोटोन न्यूज

अतिसंवेदनशील इलाके में फोर्स की तैनाती

घटना के बाद से एहतियात के तौर पर हरमू बाजार और उस इलाके के अतिसंवेदनशील इलाका में फोर्स की तैनाती कर दी गयी थी। रविवार को पंच मंदिर में बैठक के बाद हरमू बाजार के व्यवसायियों ने शाम चार बजे एसएसपी के साथ अलग से बैठक की। एसएसपी ने सुरक्षा का भरोसा दिलाया, साथ ही आशीष कुमार बलराम ओझा के साथ मारपीट करने वाले पर कार्रवाई करने का भी आश्वासन दिया है। इस घटना में मारपीट में धारदार हथियार के हमले से घायल बलराम ओझा के सिर पर छह टांके लगे हैं. जबकि आशीष कुमारका भी इलाज कराया जा रहा है।

पॉक्सो व SC/ST एक्ट में 8744 केस हुए दर्ज

सिर्फ 6197 मामलों में ही हुई चार्जशीट

SUHAIB ANSARI, RANCHI : झारखंड में साल 2019 से 31 मई 2023 तक पॉक्सो एक्ट और एससी एसटी एक्ट में 8744 मामले दर्ज हुए हैं। जिनमें झारखंड पुलिस द्वारा सिर्फ 6197 मामलों में चार्जशीट दाखिल किया गया है। जिनमें पॉस्को एक्ट के 4578 मामलों में 3834 केस में चार्जशीट दाखिल किया गया, जबकि एससी एसटी एक्ट में 4196 मामले दर्ज हुए और 2363 मामलों में ही चार्जशीट दाखिल किया गया है।

चार्जशीट दाखिल करने के लिए मिलता 90 या 60 दिनों का वक्त

बता दें कि पुलिस को चार्जशीट दाखिल करने के लिए 90 या 60 दिनों का एक निर्धारित समय दिया जाता है। देखा जाता है कि कुछ मामलों में पुलिस जान बूझकर किसी आरोपी की चार्जशीट समय पर दाखिल नहीं करती। क्योंकि चार्जशीट दाखिल होने के बाद ही न्यायालय आरोपी की जमानत पर विचार करती है। इसलिए पुलिस कभी-कभी आरोपी की जमानत को रोकने के लिए भी ऐसा करती है।

2023 में पॉक्सो एक्ट में धनबाद में सबसे ज्यादा मामले हुए दर्ज

- धनबाद: 76
- हजारीबाग: 59
- रांची: 45
- गढ़वा: 26
- पलामू: 25

2023 में एससी/एसटी एक्ट में हजारीबाग में सबसे अधिक मामले

- हजारीबाग: 79
- गढ़वा: 54
- रांची: 41
- गिरिडीह: 39
- पलामू: 32

दो दिवसीय FASHION POINT EXHIBITION का हुआ आगाज

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में फैशन प्वाइंट वेडिंग एंड लाइफ स्टाइल लग्जरियस एग्जीबिशन का आगाज होटल कैपिटल हिल में रविवार को हुआ। यह एग्जीबिशन दो दिनों तक चलेगा। इस प्रीमियम शो का उद्घाटन राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो की धर्म पत्नी नेहा महतो ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेले की जितनी सराहना की जाए कम है। एक छत के नीचे महिला उद्यमियों और उनके हुनर को देख कर बहुत खुशी हो रही है। उद्घाटन समारोह में लायंस क्लब ऑफ समर्पण एवं ख्याति बुटीक के सौजन्य से चिकित्सा के क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले 14 प्रतिष्ठित डॉक्टर्स को सम्मानित किया गया। मौके पर आयोजक रीना अग्रवाल ने कहा कि तीज त्यौहार और वेडिंग सीजन को देखते हुए रांची वासियों के लिए इस प्रीमियम शो का आयोजन किया गया। जहां देश भर के प्रसिद्ध डिजाइनरों के एक्सक्लुसिव कलेक्शन प्रदर्शित किये गए हैं। एक ही छत के नीचे मेट्रो सिटी के लेटेस्ट कलेक्शन उपलब्ध हैं। जिनमें एथनिक वियर, वेस्टर्न वियर, इंडो वेस्टर्न, वेडिंग कलेक्शन,डिजाइनर राखी, हैंड मैड ज्वेलरी, लक्जरी होम डेकोर, और बहुत कुछ शामिल हैं। साथ हीं यहां कला निकेतन की तंजोर पेंटिंग भी देखी जा सकती है। कश्मीर, दिल्ली-मुंबई, बैंगलोर, गुजरात बनारस राजस्थान, लखनऊ के कलेक्शन खास आपके लिए यहां बनारस की एक्सक्लुसिव, प्योर और स्पेशल साडियां आपको आकर्षित कर सकती हैं। वहीं लखनऊ की ऑल रेंज की चिकेनकारी स्पेशल ड्रेस, साड़ी पार्टी वियर, सेमी पार्टी वियर, किट्टी पार्टी वियर, कोकटेल पार्टी वियर आपका दिल जीत लेगी। दिल्ली की द विना कलेक्शन, बैंगलोर के डिजाइनर साड़ी, ड्रेस, गाउन, को ऑर्ड सेट, कोलकाता के फैशन सेंस और पाकिस्तान शरारा गारारा से अपने वार्डरॉब को नया टच दे सकतें हैं।

होटल कैपिटल हिल में एग्जीबिशन का उद्घाटन करतीं महुआ माजी।

शूटिंग में देवघर के तीन निशानेबाजों ने जीता मेडल

RANCHI : रांची के खेलगांव में आयोजित 13वीं झारखंड स्टेट राइफल शूटिंग चैंपियनशिप में देवघर जिला राइफल शूटिंग संघ के तीन निशानेबाजों ने मेडल जीतकर देवघर जिले का नाम रोशन किया। प्रथम बार 50 मीटर फायर आर्म्स राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में लड़कियों के ग्रुप में अष्टी को ब्रोंज मेडल झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह के हाथों प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं शेल्या देव ने इंटर स्कूल एयर राइफल शूटिंग में ब्रोंज मेडल प्राप्त किया। साथ ही फायर पिस्टल 25 मीटर में अविनाश दास ने सिल्वर मेडल लाकर देवघर जिला का नाम रौशन किया। देवघर आने के बाद सभी खेल प्रेमियों खुशी की लहर है और बधाई देने के लिए तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में राइफल शूटिंग संघ के अध्यक्ष कृष्ण मोहन चौबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश श्रृंगारी, बाबा मंदिर प्रबंधक रमेश परिहस्त, देवघर जिला ओलंपिक संघ के सचिव आशीष झा, सुरेशानंद झा, शेख इफ्तकार, मंटू सिंह, सुमित कुमार सिंह, डॉ

सांसद संजय सेठ का बनाया फर्जी फेसबुक अकाउंट, मांगे जा रहे पैसे

पुलिस को ट्वीट कर दी जानकारी, जांच कर कार्रवाई की मांग

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड में साइबर अपराधी लगातार बड़े हस्तियों का फर्जी फेसबुक अकांट बना ले रहे हैं। अकाउंट बनाकर ये साइबर अपराधी लोगों से पैसे की मांग करते हैं। इधर, रांची के सांसद संजय सेठ का फर्जी फेसबुक अकाउंट बना, पैसे की मांग करने का ताजा मामाला सामने आया है। साइबर अपराधियों ने रांची के सांसद संजय सेठ का फर्जी फेसबुक अकाउंट बना लिया है। इतना ही नहीं उनके फर्जी अकाउंट से जरिए पैसे भी मांगे जा रहे हैं। साइबर अपराधियों के इस कृत्य की शिकायत उन्होंने पुलिस से की है। रांची के सांसद संजय सेठ ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट में तीन स्क्रिन शॉर्ट शेयर किए हैं। इन स्क्रिन शॉर्ट को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है कि मेरे नाम का इस्तेमाल करते हुए फेसबुक पर फर्जी अकाउंट बनाया गया है। इस फर्जी अकाउंट के जरिए पैसे की मांग की जा रही है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि ऐसे किसी भी अकाउंट पर विश्वास और लेन-देन नहीं करें। उन्होंने जानकारी दी है कि इस मामले में मैंने प्रशासन से कार्रवाई करने को कहा है। झारखंड पुलिस को टैग करते हुए अविलंब संज्ञान लेने को कहा है।

कॉल कर लोगों ने दी जानकारी

सांसद संजय सेठ ने कहा कि मैं सुबह से ओरमांझी के विभिन्न गांव में जनसंपर्क अभियान में हूं। यहीं मुझे कई लोगों के फोन आए। उन्होंने बताया कि आपके फेसबुक अकाउंट से पैसे की मांग की जा रही है। इसके बाद संज्ञान लेते हुए मैंने इसकी शिकायत पुलिस से की है। जनसंपर्क अभियान से लौटते ही पुलिस से लिखित शिकायत करूंगा। अभी झारखंड पुलिस के फेसबुक पेज और ट्वीटर पर टैग करते हुए लिखा है। उन्होंने बताया कि सोमवार को दिल्ली में आईटी कमिटी की एक अहम बैठक होने वाली है। इस बैठक में इस बात को रखूंगा।

एनटीपीसी ने कोयला उत्पादन व प्रेषण में दर्ज की उल्लेखनीय वृद्धि

PHOTON NEWS RANCHI : भारत के अग्रणी एकीकृत बिजली उत्पादक एनटीपीसी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024 की पहली तिमाही के दौरान इसी अवधि की तुलना में अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन में 99 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष कंपनी ने क्यू1 एफवाई24 के दौरान 8.48 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) का प्रभावशाली कोयला उत्पादन किया, जबकि क्यू1 एफवाई23 में यह 4.27 एमएमटी था। इसके अलावा, एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 8.82 एमएमटी का कोयला प्रेषण भी हासिल किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 112 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन एनटीपीसी की अपनी कैप्टिव खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

एनटीपीसी राष्ट्र को विश्वसनीय और टिकाऊ बिजली प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोयला उत्पादन और प्रेषण में यह

2023-24 की पहली तिमाही में भी होल्डिंग टैक्स वसूली में टॉप पर रांची नगर निगम

PHOTON NEWS RANCHI : इस वर्ष भी होल्डिंग टैक्स वसूली में राज्यभर के नगर निकायों में रांची नगर निगम का प्रदर्शन सबसे बेहतर दिखा है। निगम के प्रशासक शशि रंजन और उप प्रशासक रजनीश कुमार तथा टीम की टीम टैक्स कलेक्शन टीम ने इस साबित कर दिखाया है। रांची नगर निगम के मुताबिक अब तक के इस वित्तीय वर्ष (2023-24) में 1 अप्रैल 2023 से 30 जून 2023 तक की अवधि में 72435 करदाताओं से निगम ने 270473281 रुपये होल्डिंग टैक्स के मद में वसूला है। इस तरह से इस वित्तीय वर्ष के पहले क्वार्टर की समाप्ति पर रांची नगर निगम इस टैक्स की वसूली में सभी निकायों से आगे रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष (2022-23) में 55181 करदाताओं से 21.90 करोड़ रुपये की वसूली हुई थी। इस बार के टैक्स कलेक्शन में 175328503 रुपये डोर टू डोर कलेक्शन के जरिये प्राप्त किया गया। 33267204 रुपये की राशि रांची नगर निगम कार्यालय और डोरंडा अंचल में अवस्थित जन सुविधा केंद्र के माध्यम से प्राप्त की गयी। डिजिटल पेमेंट के माध्यम से 16482 करदाताओं के द्वारा 61877574 रुपये की राशि ऑनलाइन माध्यम से सीधे निगम के खाते में प्राप्त हुई। यह पूरे राज्य में सर्वाधिक डिजिटल कलेक्शन है।

सीनियर खो-खो प्रतियोगिता के लिए रांची टीम का चयन

PHOTON NEWS RANCHI : 17 वीं सीनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए रांची जिला खो-खो एसोसिएशन के तत्वावधान में रांची जिला पुरूष-महिला टीम का चयन 5 जुलाई को लीची बागान प्रांगण सेक्टर-2 में आयोजित की जाएगी। अजय झा ने बताया कि चयनित रांची जिला पुरूष- महिला खो-खो टीम 13 जुलाई को रांची से प्रस्थान करेगी। 17वीं झारखंड राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता 14 जुलाई से 16 जुलाई तक माघी बालिका उच्च विद्यालय गुमला में होगी। इस चयन में रांची जिला के इच्छुक कोई भी खिलाड़ी भाग ले सकता है। खिलाड़ियों को अपने साथ पंजीयन हेतु आधार कार्ड की छाया प्रति, जन्म प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं दो पासपोर्ट साइज कलर फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। इस खुली चयन प्रतियोगिता में पंजीकृत होने के लिए रांची जिला खो-खो एसोसिएशन के प्रशिक्षक विवेक कुमार (7004818036) , संजय कुमार (8210862416), एवं सुभाष गांगुली (8260884220) से संपर्क कर सकते हैं।

नामकुम स्थित होटल से बच्ची को बाल श्रम से कराया गया मुक्त

RANCHI : बाल मजदूरी की सूचना के मद्देनजर रांची जिला प्रशासन द्वारा नामकुम स्टेशन स्थित सुमन भोजनालय से सात वर्षीय बच्ची को बाल श्रम से मुक्त कराया गया। विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच करने पर पाया गया कि दुकानदार द्वारा पीड़ित बच्ची से होटल में काम करवाया जाता था। बच्ची के रेस्क्यू के बाद उसे प्रेमाश्रय बालिका गृह में अवासित किया गया है। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा दुकानदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही बालिका को विद्यालय से जोड़ने एवं योजनाओं से लिंक करने और आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के दल ने किया कार्यों का आकलन, फसलों की बोआई शुरू करने की योजना तैयार

BAU ने शुरू की खरीफ शोध की तैयारी

PHOTON NEWS RANCHI : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह के निर्देश पर कृषि वैज्ञानिकों ने खरीफ फसल शोध कार्यक्रमों की तैयारी शुरू कर दी है। निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह एवं डीन एग्रीकल्चर डॉ डीके शाही के नेतृत्व में कृषि वैज्ञानिकों के दल ने वेस्टर्न सेक्शन फार्म के खेतों में खरीफ शोध से सबंधित कार्यो का आकलन किया। पौधा प्रजनक वैज्ञानिकों के दल ने पिछले 4-5 दिनों की बारिश को देखते हुए अगले एक-दो दिनों में टांड़ एवं मध्यम भूमि की तैयारी पूरी करने और खरीफ फसलों की बोआई शुरू करने की योजना बनायीं। मौके पर निदेशक अनुसंधान डॉ पीके सिंह ने वैज्ञानिकों को करीब 55 एकड़ में फैले इस शोध फार्म में खरीफ शोध से जुड़ी फसलों में मड़ुआ, मकई, अरहर, उरद, मूंग, सरगुजा, मूंगफली एवं सोयाबीन आदि का बोवाई कार्य को एक सप्ताह में पूरी करने को कहा। शोध कार्य में बीएयू द्वारा विकसित एवं हाल में विकसित किस्मों के गुणात्मक बढ़ोतरी को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने पौधा प्रजनक वैज्ञानिकों को राज्य के तीन कृषि पारिस्थितिकी में अवस्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, दुमका, चियांकी (पलामू) एवं दारीसाई (पुर्वी सिंहभूम) का दौरा करने और विकसित किस्मों तथा शोध कार्यक्रमों को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। डॉ सिंह ने वैज्ञानिकों को विभिन्न आईसीएआर परियोजना के अधीन संचालित अनुसंधान कार्यक्रमों के तहत किसानों के खेतों में खरीफ फसलों का अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण (एफएलडी) ससमय शुरू करने का निर्देश दिया। साथ ही बीजोत्पादन एवं अन्य कार्यक्रमों में राज्य के कृषि विज्ञान केन्द्रों की सहभागिता एवं सहयोग पर बल दिया। मौके पर डीन एग्रीकल्चर डॉ डीके शाही ने बोवाई से पूर्व खेतों में खाद एवं उर्वरक प्रबंधन तथा दलहनी एवं तेलहनी फसलों में राइजोबियम कल्चर के उपयोग पर प्रकाश डाला। आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग की अध्यक्षा डॉ मणिगोप्पा चक्रवर्ती ने बताया कि वेस्टर्न सेक्शन फार्म में 8 आईसीएआर-अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाओं एवं 12 राज्य योजनाओं से सबंधित खरीफ शोध कार्यक्रम होंगे।

वेस्टर्न सेक्शन फार्म में निरीक्षण करता वैज्ञानिकों का दल ● फोटोन न्यूज

चार महिला कांवरियों को बस ने कुचला, एक की मौत, एक गंभीर

RANCHI : रांची की चार महिला कांवरियों को बस ने कुचल दिया। जिसमें एक महिला की मौत हो गई। यह हादसा पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र के कोणदी सकसोहरा रोड एनएच-30ए के लदमा गांव की है। जहां शनिवार की देर एक तेज रफ्तार एक बस ने रांची की चार महिला कांवरियों को कुचल दिया। हादसे में एक महिला कांवरिया की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। जबकि तीन महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। वहीं घायलों में एक महिला की हालत गंभीर है। उसका नाम लीलावती देवी (30साल) है, उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। जबकि दो अन्य महिलाएं घटना में मामूली रूप से घायल हुई हैं।

BRIEF NEWS

श्री श्री नाथ धाम मंदिर के 50 फीट गुंबद की ढलाई का कार्य प्रारंभ

RAMGARH : श्री श्री नाथ धाम मंदिर सौदागर न्यू कॉलोनी की दो मंजिला से 50 फीट गुंबद की ढलाई कि शुभारंभ किया गया जिसमें विधिवत पूजा का शुभारंभ से ढलाई का कार्य की शुरूआत की है ढलाई के कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुरेश वर्मा सचिव राजेश ठाकुर ने ढलाई का कार्य पहला कढ़ाई सीमेंट की डालकर शुरूआत किया गया इस डाला कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष रामचंद्र वर्मा पूर्व सचिव राजू रजक समाजसेवी नीलू रजक विपिन साहू कोषाध्यक्ष अनिल रजक रामदेव पांडे राजेश मुंडा रवि रजक राजू गुप्ता पूर्व कोषाध्यक्ष अशोक रजक सुधीर अग्रवाल प्रकाश कुमार मनोज सोनी किशोर जैस्वाल कृष्णा पांडे छोटू सिंह गणेश महतो परकाश मुंडा यजमान श्री नंदलाल पांडे मिस्टीरि नवीन कुमार पुजारी श्रीकांत पांडे ने किया।

हैसला रेलवे ओवरब्रिज के नीचे जलजमाव से परेशानी

RAMGARH : हैसला रेलवे ओवर ब्रिज के के नीचे पानी का जमावड़ा इतना तेजी से हो जा रहा है उसका निकलने का कोई साधन नहीं है यात्रियों को आने जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पानी का जमावड़ा 1 फीट से 2 फीट का हो जा रहा है। अरगड्डा से रामगढ़ आने के क्रम में विनझार ओवरब्रिज यादव नगर के पास रोड पर पानी निकासी का कोई साधन नहीं है वहां भी 1 फीट का पानी जमा हो जा रहा है। हैंसला फाटक और बिहार यादव नगर के समीप बरसात के समय में हमेशा दुर्घटना घटती है ,पानी जमावड़ा की वजह से यह मार्ग अरगड्डा गड्ढा से होते हुए रामगढ़ की ओर आती है। खबर के माध्यम से उपायुक्त महोदया रामगढ़ का ध्यान दिलाते हुए इसका जल्द समाधान करने का आग्रह कर रहा हूं।

वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत, एक गंभीर

DUMKA : जामा थाना क्षेत्र के कैराबनी-जरमुंडी मार्ग पर उपर बहियारी गांव के पास रविवार को ट्रक की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों के सहयोग से घायल बाइक सवार को फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान जरमुंडी थाना क्षेत्र के उपर बहियारी गांव के दिलखुश कुमार माल (18) एवं घायल की पहचान पतसरा गांव के गोविंद मंडल के रूप में हुई। थाना प्रभारी जितेंद्र साहू ने बताया कि घायल को बेहतर इलाज के लिए परिजन दुमका से देवघर स्थित कुंडा अस्पताल ले गये, जहां इलाज के दौरान गोविंद मंडल की भी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार दोनों पालोजोरी से अपने घर जरमुंडी लौट रहे थे।

गढ़वा में पीएलएफआई के दो उग्रवादी गिरफ्तार

GARHWA : पुलिस ने भौवराहा जंगल से पीएलएफआई के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एक उग्रवादी फरार होने में सफल रहा। उग्रवादियों की निशानदेही पर दो देशी राइफल, कट्टा, पिठू बैग, पीएलएफआई का पर्चा और वर्दी सहित दैनिक उपयोग के समान बरामद किये गये हैं। गिरफ्तार उग्रवादियों में पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के करसो निवासी परदेशी यादव उर्फ प्रदीप यादव और गढ़वा जिला के डंडा थाना क्षेत्र स्थित भिखही निवासी सीताराम चौधरी शामिल हैं। फरार उग्रवादी की पहचान कमलेश यादव के रूप में की गई है, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। बताया जाता है कि पिछले कुछ समय से लगातार सूचना मिल रही थी कि इलाके में पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के नाम पर परदेशी यादव एवं सहयोगी द्वारा विकास कार्य को बाधा पहुंचाने एवं ठेकेदार व जनप्रतिनिधि से हथियार का भय दिखाकर लेवी मांगने की कोशिश हो रही है। गढ़वा एसपी अंजनी कुमार झा के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में अभियान चलाया गया।

DHANBAD के व्यवसायियों पर फायरिंग करने वाले चार गिरफ्तार

तीन घटनाओं में थे शमिल, एक पिस्टल, पांच गोलियां, चार मोबाइल, एक बाइक और एक स्कूटी बरामद

PHOTON NEWS DHANBAD: धनबाद के व्यापारियों पर फायरिंग किए जाने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने इन घटनाओं में शामिल चार अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस इन अपराधियों को मदद पहुंचाने वालों की भी पहचान कर उनकी गिरफ्तारी में जुट गई है।

धनबाद एसएसपी संजीव कुमार ने रविवार को कहा कि बीते पांच जून को ठाकुर मोटर्स, 27 जून को राशिद महाजन और 29 जून को अप्सरा बेसेस के यहां फायरिंग किए जाने के मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। उन्होंने कहा कि सिटी एसपी, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर की देख रेख बनाई गई टीम जो ऑर्गनाइज गैंग के ऊपर लगातार काम कर रही थी उसी दौरान टीम को यह

गिरफ्तार अपराधी व जानकारी देती पुलिस। • फोटोन न्यूज

सफलता हाथ लगी है।

उन्होंने बताया कि इस अपराध में शामिल ये अपराधी रुपये लेकर काम कर रहे थे। इन्हें चंद रुपयों का लालच देकर इनसे ऐसा काम कराया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इनकी मदद करने वालो की भी पहचान कर ली गई है। उनके खिलाफ भी पुलिस जल्द ही कार्रवाई करेगी।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अपराधियों में आसिफ आलम (20), फरार चल रहा वासेपुर का मोस्टवांटेड क्रिमिनल प्रिंस खान का फुफेरा साला मो.अदनान ईमाम उर्फ अंडा (19), मो.अजहरुद्दीन उर्फ इमरान (21) और बंटी कुमार रवानी (21) शामिल है। इनमे आसिफ आलम और मो.अजहरुद्दीन उर्फ इमरान पहले भी आपराधिक घटनाओं में शामिल रहे है।

पुलिस ने इन अपराधियों के पास से घटना को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया गया एक पिस्टल भी बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने इनके पास से पांच जिंदा गोली, चार मोबाइल फोन, एक पल्सर बाइक और एक स्कूटी बरामद किया है।

हजारीबाग जिले में चार किलो अफीम के साथ तीन गिरफ्तार

अफीम के साथ गिरफ्तार अपराधी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS HAZARIBAG: चरही थाना क्षेत्र से पुलिस ने चार किलो अफीम के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में सुलेमान सोय, निर्मल सोय और सैयद अमीर हुसैन शामिल है। इनके पास से चार किलो अफीम के अलावा एक स्विफ्ट गाड़ी और पांच मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

एसपी मनोज रतन चौथे ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मांडू की तरफ से कुछ लोग एक स्विफ्ट गाड़ी में कुछ मादक पदार्थ लेकर बिक्री करने के उद्देश्य हजारीबाग की ओर आ रहे हैं। सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनुज उरांव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने चरही घाटी के पहुंचकर चेकिंग शुरू की। चेकिंग के दौरान स्विफ्ट गाड़ी को रोकने का इशारा किया गया वह भागने का प्रयास किया लेकिन सशस्त्र बलों में उसे घेर कर रोक लिया। जांच करने पर वाहन से अफीम बरामद किया गया।

रोटरी क्लब ऑफ भुरकुंडा ने मनाया 22वां पदस्थापना दिवस, सामाज हित में कार्य करने का लिया गया निर्णय

ईमानदारी पूर्वक अपना सामाजिक दायित्व निभाते रहेंगे रोटेरियन : अशोक शर्मा

PHOTON NEWS RAMGARH: रोटरी क्लब भवन सौंदा डी में शनिवार को रोटरी क्लब भुरकुंडा का 22वां पदस्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान विगत सत्र के कार्यवाहक सचिव रोटेरियन प्रवीण शर्मा व अध्यक्ष रोटेरियन रामावतार प्रसाद ने बीते सत्र में किये गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। तत्पश्चात सत्र 2023-24 के लिये चयनित सचिव रो. सुनील प्रसाद व अध्यक्ष रो. अशोक शर्मा को अपना पदभार सौंपा। साथ ही नए सदस्य के रूप में समेन्द्र कुमार साह को रोटरी की सदस्यता प्रदान की गई।

मौके पर नवमनोनित अध्यक्ष राम अशोक शर्मा व सचिव सुनील प्रसाद ने पदभार ग्रहण करने के बाद

नव मनोनीत अध्यक्ष व सचिव के साथ रोटेरियन। • फोटोन न्यूज

खुशी का इजहार करते हुए कहा कि इस साल भी रोटरी भुरकुंडा मेडिकल कैंप, मोतियाबिंद ऑपरेशन, पौधारोपण, जागरूकता अभियान, कैरियर प्रोग्राम के साथ-साथ अन्य सामाजिक कार्य करेगी। अध्यक्ष राम अशोक शर्मा ने कहा कि क्लब का एकमात्र उद्देश्य सामाजिक दायित्वों के तहत सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए लोगों की सेवा करना है।

उन्होंने कहा कि सभी रोटेरियन अपना सामाजिक दायित्व ईमानदारी पूर्वक निभाते रहें हैं जो आगे भी जारी रहेगा। वहीं सचिव सुनील प्रसाद ने कहा कि सबों को एक सूत्र में पिरोकर रोटरी क्लब को और बुलंदियों तक ले जाया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन रो. श्रीकांत गुप्ता ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन रोटेरयिन प्रवीण शर्मा ने प्रस्तुत किया।

मौके पर रोटेरियन परमजीत सिंह धामी, धनंजय अग्रवाल, विजय कुमार, अजय गोयल, देवेन्द्र सिंह, रंजीत गुप्ता, चंद्रशेखर प्रसाद, नरेंद्र कौर धामी, सुषमा शर्मा, मंजू शर्मा, सुधाश्री, मंजू अग्रवाल, चंद्रकला देवी, मनदीप, मंजू सिंह, बबिता गोयल मौजूद थे। इधर रोटरी भुरकुंडा ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर भुरकुंडा आदर्श सीसीएल अस्पताल के बरका-सयाल एरिया के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एच के सिंह, डॉ नदीम अनवर, डॉ सुनील व डॉ राजेश कुमार को शॉल ओढ़ाकर, बुके व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित।

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर लायंस क्लब ने वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत किया पौधारोपण

PHOTON NEWS RAMGARH: पर्यावरण सुरक्षा को ले लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने रविवार को वन डिस्टिक वन एक्टिविटी के तहत किया पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। पर्यावरण दिवस के मौके पर पहली बार लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा का कमाना महिलाओं ने संभाली। अभियान के तहत पटेलनगर भुरकुंडा स्थित गायत्री शक्तिपीठ सहित आसपास के क्षेत्रों में लायंस क्लब द्वारा छायादार व फलदार पौधे लगाए गए। साथ ही इसके संरक्षण का भी संकल्प लिया गया।

मौके पर लोगों को पौधारोपण के प्रति जागरूकता भरा संदेश देते हुए कहा गया कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी मानव जीवन भी सुरक्षित रह सकेगा। पर्यावरण की सुरक्षा

पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल लायंस क्लब की महिला एवं पुरुष। • फोटोन न्यूज

हमसबों का दायित्व है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर ही प्राकृतिक आपदाओं को कम किया जा सकता है। पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष लायन माला शर्मा, सचिव लायन रेखा वर्णवाल, कोषाध्यक्ष लायन अंजू देवी, एमजेएफ लायन राजेंद्र महतो, लायन निर्मल अग्रवाल, अशोक सिन्हा, लायन विजयंत कुमार, संजय कुमार सिंह, शिवा प्रसाद, विमल प्रसाद, अखिलेश शर्मा, अजय सिंह, राजेश अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, संजय कुमार, विजय वर्णवाल, सूबेदार एचएन यादव, गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी रामपुकार शर्मा, ट्रस्टी हुलास प्रसाद व ट्रस्टी भोला नाथ गोस्वामी, केयरटेकर विनय तिवारी आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

राष्ट्रीय सेवा मंच ने दर्जनों गरीबों को कराया भोजन, कहा- 8 वर्षों से जारी है भोजन सेवा

PHOTON NEWS RAMGARH: समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच द्वारा प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक बाजार भुरकुंडा में दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से दातुल-पत्तल बेचने आये गरीबों को भोजन कराया। इस दौरान मुख्य अतिथि भुरकुंडा ओपी प्रभारी अमित कुमार, एएसआई सामंत दास व मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने दर्जनों गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच पुरी-सब्जी व जलेबी का वितरण किया।

मौके पर डब्लू सिंह बताया कि सबों के सहयोग से मंच द्वारा पिछले 8 वर्षों से गरीबों को भोजन कराया जाता रहा है जो कि आगे भी जारी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य ही गरीबों की सेवा है जो निरंतर जारी रहेगा। श्री सिंह ने बताया कि भोजन वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ 3 जुलाई

गरीबों को भोजन कराते मंच के लोग। • फोटोन न्यूज

2016 से हुई है, जो निरंतर जारी है। वहीं मुख्य अतिथि भुरकुंडा ओपी प्रभारी अमित कुमार ने मंच के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नेक और सामाजिक कार्य में सब को तन मन धन से सहयोग करना चाहिए। मानव सेवा से बड़ा और कोई सेवा नहीं हो सकता। नर सेवा नारायण सेवा होता है।

ओपी प्रभारी श्री कुमार ने कहा कि एकजुटता के साथ ऐसे ही नेक कार्य करें पुलिस-प्रशासन भी हर संभव सहयोग करेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में उमाशंकर जायसवाल, भुपेन्द्र वर्णवाल उर्फ रिंकू, राकेश शर्मा, इम्तियाज अली, लालू उरांव, रेणुका देवी, दिलीप गंझू, डॉ जयश्री मेहता, माहीलाल मांझी, सुकरा उरांव, अनिल चैहान, कन्हैया कुमार आदि का विशेष योगदान रहा।

बरकाकाना क्षेत्र के सभी गांवों में बुद्धिजीवी मंच शिक्षा जागरूकता अभियान चलाया जायेगा

PHOTON NEWS RAMGARH: बुद्धिजीवी मंच बरकाकाना क्षेत्र की एक विस्तारित बैठक राजेंद्र क्लब, नया नगर बरकाकाना में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष प्रदीप करमाली ने किया और संचालन सचिव प्रो शाहनवाज खान के द्वारा किया गया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष अधिवक्ता उमेश महतो ने किया।

बैठक में मंच के पिछले कार्यों और आय व्यय की समीक्षा की गई और आगामी कार्य योजना बनाया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बरकाकाना क्षेत्र के सभी गांव में शिक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली ने कहा कि जन मुद्दों को जनता खुद हल करने की कोशिश करें इसके जीत को आगे आना होगा।

उन्होंने कहा कि अभी हमारे पास

बैठक में शामिल बुद्धिजीवी मंच के लोग। • फोटोन न्यूज

एक बड़ी समस्या यह है कि गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे शिक्षा से दूर हो रहे हैं या तो नामांकन नहीं कराते हैं या नामांकन करा भी लिए तो नियमित विद्यालय नहीं जाते हैं जिसके कारण वह सही ढंग से शिक्षित नहीं हो पाते हैं और उनका केरियर अधूरा रह जाता है। मंच एक कार्यक्रम के तहत सभी गांव में नुक्कड़ सभा और डोर टू डोर अभिभावकों को समझाने का काम करेगा।

मंच के सचिव प्रोफेसर शाहनवाज खान ने कहा कि हमें सरकार से मांग करने के साथ सरकार के कार्यों में भी सहयोग करना चाहिए तब हम एक खुशहाल समाज, राज्य और देश का कल्पना कर सकते हैं। वर्तमान में सरकार का भी बैक टू स्कूल (रुआर) नामक कार्यक्रम इसी मकसद को पूरा करने का है अगर हम इस अभियान को चलाएंगे तो सरकार के इस कार्यक्रम में भी सहयोग होगा।

मुख्य संयोजक पंचदेव करमाली, संयोजक रविंद्र मुंडा, प्रवक्ता सुशील कुमार, उपाध्यक्ष सोनी महतो, संगठन सचिव रियासत हुसैन, कोषाध्यक्ष मो सलीम, उप-कोषाध्यक्ष देवकी बेदिया, अमल घोषाल, शिल्पी घोषाल, महादेव ठाकुर, रामशिवम सिंह, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, तृतीयाल बेदिया, मोहित मुंडा, ब्रह्मदेव महतो, मदन दांगी, मंटू कुमार बेदिया, शिल्पी कुमारी, घनश्याम महतो, राजकुमार रवि, दिनेश करमाली, मो इमरान, मोहम्मद अली,अनजन कुमार, प्रमोद महतो, किरण पटेल, रेशमा देवी, सुमन कुमारी, पारवती कुमारी, गोकुल महतो, मंटू कुमार बेदिया, राजेंद्र बेदिया, गिरीशंकर महतो, सुभाष बेदिया, श्यामलाल करमाली, मीना राय, मो हातिम आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने में जिला पुस्तकालय निभा रहा है अहम भूमिका

LIBRARY के माध्यम से विद्यार्थियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में किया जा रहा कार्य

PHOTON NEWS RAMGARH: शिक्षा ग्रहण करने हेतु विद्यार्थियों को शांत एवं प्रभावशाली वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रामगढ़ शहर अंतर्गत रामगढ़ प्रखंड कार्यालय के समीप जिला पुस्तकालय संचालित है। पुस्तकालय का निर्माण डीएमएफटी के तहत कराया गया है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन द्वारा 29 फरवरी 2020 को जिला पुस्तकालय का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया था जिसके उपरांत कोरोना व अन्य कारणों से जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू नहीं हो पाया था। रामगढ़ जिले में उपायुक्त के पद पर पदभार ग्रहण करने के उपरांत रामगढ़ शहर के दौरे के क्रम में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने जिले के अन्य अधिकारियों के साथ जिला पुस्तकालय का निरीक्षण किया जिसके उपरांत

उन्होंने बच्चों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त द्वारा लगातार समीक्षा एवं निरीक्षण के कारण अप्रैल 2022 से जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू हुआ वर्तमान में पुस्तकालय में 5000 से भी अधिक किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है वही 250 से अधिक बच्चों ने पुस्तकालय में अपना निबंधन कराया है। पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए मिनरल वाटर, शौचालय, सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध है वही विद्युत सेवा बाधित होने की स्थिति में बच्चों के लिए इनवर्टर द्वारा विद्युत सप्लाई की सेवा भी उपलब्ध है।

इस संबंध में बात करते हुए उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे मेधावी एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा पुस्तकालय का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है वही हाल ही में बच्चों के उज्जवल भविष्य व राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों में उनके प्रवेश हेतु मेडिकल व इंजीनियरिंग कोचिंग सेवा भी निशुल्क रूप से डीएमएफटी के तहत संचालित की जा रही है। साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी कार्य किए जा रहे है।

पुस्तकालय का लाभ ले रहे विद्यार्थियों ने उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा एवं जिला प्रशासन रामगढ़ का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुस्तकालय में न केवल उन्हें शांत वातावरण उपलब्ध हो रहा है बल्कि सामूहिक रूप से पढ़ाई कर रहे बच्चों के साथ पढ़ाई करने के क्रम में उनकी कई दुविधाएं भी दूर हो रही है वही उन्हें अन्य विद्यार्थियों की मेहनत देखकर जीवन में बड़ा लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा भी मिलती है।

पुस्तकालय का लाभ ले रहे विद्यार्थियों ने कहा कि पुस्तकालय में कई ऐसे विद्यार्थी भी आते हैं जो कि जीवन यापन के लिए विभिन्न रोजगार से जुड़े हैं ऐसे में अगर लाइब्रेरी के संचालन के समय में बढ़ोतरी की जाए तो उन्हें काफी फायदा होगा साथ ही उन्होंने पुस्तकालय में वाईफाई सेवा एवं अन्य किताबें उपलब्ध कराने का आग्रह भी उपायुक्त से किया है।

कोडरमा में वज्रपात से दो बच्चों की मौत, चार गंभीर

PHOTON NEWS KODERMA: सतगावां थाना क्षेत्र के मीरगंज पंचायत के झरगांव में रविवार की दोपहर करीब तीन बजे बारिश के पूर्व हुए वज्रपात से दो बच्चों की मौत हो गयी। घटना में एक बच्चे की स्थिति गंभीर है, वहीं दूसरी जगह हुए वज्रपात में भी एक बच्चा और दो महिलाएं गम्भीर रूप से घायल हैं।

मृतक की पहचान थाली थाना क्षेत्र के बुधवारा गांव निवासी फंटूश भुइयां की आठ वर्षीय पुत्री ऋतु कुमारी और मीरगंज पंचायत के झरगांव निवासी कुलेश्वर भुइयां के पांच वर्षीय पुत्र बालवीर कुमार के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल बच्चे की पहचान थाली थाना क्षेत्र के बुधवारा गांव निवासी फंटूश भुइयां के चार वर्षीय पुत्र सितम कुमार के रूप में हुई है। मृतका ऋतु कुमारी और गंभीर रूप से घायल सितम कुमार सहोदर भाई-बहन है, जबकि मृतक बालवीर कुमार ममेरा फुफेरा भाई है।

स्थानीय लोगों ने बताया सभी बच्चे अन्य दिनों की भांति घर के बाहर खेल रहे थे। खेलने के दौरान यह घटना घटी। बारिश के पूर्व हुई वज्रपात की चपेट में आकर एक बच्चे की मौत हो गई। वहीं दूसरे की इलाज के लिए ले जाने के क्रम में रास्ते में हो गई। परिजन वज्रपात से घायल बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने ऋतु कुमारी और बालवीर कुमार को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल सितम कुमार का प्राथमिक उपचार किया गया।

घटना की सूचना पाकर बीडीओ बैद्यनाथ उरांव और सतगावां थाना प्रभारी आनंद कुमार साह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दूसरी तरफ ग्राम पंचायत कटैया में खेत में काम करने के दौरान वज्रपात से एक बच्चे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान कटैया गांव निवासी मीना देवी (50), गीता देवी (40) , पति अजय ठाकुर और पीयूष कुमार (12) के रूप में हुई है। इनका उपचार नवादा जिले के गोविंदपुर स्थित निजी क्लीनिक में कराया जा रहा है।

BRIEF NEWS

बमामाईंस में युवक ने की आत्महत्या, ब्राउन शुगर का था आदी

JAMSHEDPUR : ब्राउन शुगर का नशा तेजी से शहर के युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। युवा नशे के इस कदर आदी हो रहे हैं कि उन्हें समय पर ब्राउन सुगर नहीं मिलने पर आत्महत्या तक कर ले रहे हैं। ऐसो ही एक मामला बमामाईंस में सामने आया जहां ब्राउन शुगर का आदि मंगल सिंह (26) ने शनिवार की देर रात अपने घर के बाहर ही एंगल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे ऊतार एमजीएम अस्पताल ले गयी। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मंगल को मृत घोषित कर दिया। मंगल सिंह के पिता माधव सिंह का कहना है कि बेटा ब्राउन शुगर का आदी था। वह जबरन घर पर रुपये की मांग करता था। रुपये नहीं देने पर झगड़ा भी करता था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि मंगल आए दिन झगड़ा करता था। इसकी वजह से उसे अलग से कमरा दे दिया गया था। ताकि वह शांति से रहे। लेकिन वह अपने कमरे में भी अपने दोस्तों को बुलाकर अड्डेबाजी व नशा करता था। यहां तक की खुलेआम गांजा और ब्राउन शुगर का सेवन करता था उसके इस हरकों से परिवार के साथ ही आस पास के लोग भी परेशान थे।

****

काशीडीह के हर्षदीप की बंदूक से निकला डबल गोल्ड

JAMSHEDPUR : काशीडीह निवासी निशानेबाज हर्षदीप सिंह ने राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीत कर जमशेदपुर का नाम रोशन किया है। सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह ने हर्षदीप सिंह के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे सिखों का गौरव बताया है। उन्होंने हर्षदीप को सम्मानित करने की बात कही। काशीडीह लाइन नंबर 15 निवासी सरदार गुरमीत सिंह और रविंदर कौर के 20 वर्षीय पुत्र हर्षदीप सिंह ने रांची स्थित राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में पॉइंट टू टू ओपन साइट स्टैंडिंग 25 मीटर व 10 मीटर स्टैंडिंग एयर राइफल पीप साइट वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता रांची के खेलगांव में जून 28 से जुलाई 1 तक आयोजित की गयी थी।

श्री हेमकुंड साहिब के लिए रवाना हुआ श्रद्धालुओं का जत्था

JAMSHEDPUR : गुरु नानक सेवा दल के प्रधान सह व्यवसायी सरदार हरविंदर सिंह मंटू रविवार को अपनी टीम के साथ श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब के पवित्र तीर्थ स्थल श्री हेमकुंड के दर्शनों के लिए रवाना हुए। 10 सदस्यीय टीम को लेकर वे सड़क मार्ग से रवाना हुए हैं, जो एक सप्ताह में कई तीर्थ स्थलों में माथा टेकने के बाद लौटेगी। रवाना होने से पहले सभी ने सीतारामडेरा में शहीद बाबा दीप सिंह गुरुद्वारा में मत्था टेका। तीर्थ यात्रा पर जाने वालों में मंटू के साथ सुखविंदर सिंह राजू, दलजीत सिंह दल्ली, ह्यूम पाइप गुरुद्वारा के प्रधान दलबीर सिंह, चरणप्रीत सिंह, रमनदीप सिंह, त्रिलोक सिंह, सेवा सिंह समेत अन्य सदस्य शामिल हैं।

परसुडीह में करंट से झुलसा वृद्ध एमजीएम में भर्ती

JAMSHEDPUR : परसुडीह थाना अंतर्गत मकदमपुर में करंट की चपेट में आकर गणेश तांती नामक वृद्ध झुलस गया। घटना के बाद गणेश को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया जहां से बेहतर इलाज के लिए एमजीएम रेफर कर दिया गया। गणेश का हाथ करंट की चपेट में आने से झुलस गया है। इधर, सूचना पाकर भाजपा नेता विमल बैठा भी एमजीएम अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। गणेश ने बताया कि मकदमपुर में तीन दिनों से बारिश का पानी जमा है। सभी के घरों में पानी घुस गया है। वे लोग परिवार संग रिश्तेदार के घर नागाडीह गए थे। पानी का स्तर घटने पर आप वापस लौटे। परन्तु घर पर अब भी पानी भरा था। अंदर जाते ही उन्हें बिजली का झटका लगा जिससे वे झुलस गए। फिलहाल गणेश का इलाज एमजीएम अस्पताल में चल रहा है।

पत्थलगड़ी में जब्त पत्थर वापस हो, अन्यथा उग्र आंदोलन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: बारीडीह चौक से जब्त पत्थलगड़ी पत्थर को वापस करने की मांग को लेकर बिरसा सेना के चार युवक भूख हड़ताल पर बैठे हैं। 4 जुलाई तक जिला प्रशासन व जेएनएसी द्वारा जब्त पत्थलगड़ी पत्थर वापस नहीं करने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी गयी है। शनिवार की दोपहर बाद से ही बिरसा सेना के सदस्य धरने पर बैठ गये थे। लेकिन रविवार को आदिवासी बिरसा सेना, भूमिज चुआड़ सेना, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा, लोहरा करमाली समन्वय समिति समेत अन्य सामाजिक संगठनों ने बारीडीह चौक पहुंचकर आंदोलन को अपना समर्थन दिये हैं।

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे लोग। ● फोटोन न्यूज

बिरसा सेना के केंद्रीय अध्यक्ष दिनकर कच्छप ने बताया कि सिदो-कान्हू हूल दिवस के दिन 30 जून को कोंका कमार करमाली के नाम से चौक का नामकरण करने के लिए बारीडीह चौक पर पत्थलगड़ी किया गया है। पत्थलगड़ी का मकसद सिर्फ अमर शहीद महापुरूषों को सम्मान देना है। लेकिन 1 जुलाई की दोपहर को जेएनएसी और जिला प्रशासन के लोगों ने आकर पत्थलगड़ी को जब्त कर ले गये। प्रशासन 4 जुलाई तक जब्त पत्थलगड़ी वापस कर दें, अन्यथा बिरसा सेना समेत अन्य सहयोग संगठन उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। रविवार को दिनभर जेएनएसी व जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी होते रहे। इस दौरान माणिक सिंह सरदार, श्याम सिंह सरदार, जॉनी मस्सी, कृष्ण लोहार, सोमनाथ पाडेया, अजय लोहार, सूरज बास्के, राजा पूर्ति, दीपक सामद, दीपक सिंह सरदार, विकास हेंब्रम, मार्शल मुर्मू, धनंजय सिंह सरदार, जय नारायण मुंडा, अजय सिंह जामुदा, विजय सोय, शिवचरण बेसरा, दीनबंधु सिंह सरदार, रायसेन टुडू, लक्ष्मण टुडू, प्रीतम टुडू, दीपक हेंब्रम, बबलू सोरेन, हेमंत नाग, गणेश टुडू, सूदन टुडू, राधे हंसदा, भागवत बास्के, बीरधन बास्के, शिवनाथ बेसरा, कालीचरण हंसदा, मुचीराम सोरेन, श्याम हांसदा समेत अन्य मौजूद थे।

चार युवक भूख हड़ताल पर बैठे

बिरसा सेना चार युवक दिनकर कच्छप, बलराम कर्मकार, राजा राम मुर्मू व गुरुचरण कर्मकार रविवार की सुबह से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गये हैं। उनका कहना है कि वे जेएनएसी व जिला प्रशासन की कार्रवाई से नाराज हैं। साथ ही वे पत्थलगड़ी पत्थर को वापस करने की मांग पर अड़े हैं।

टमाटरवा अनार भईल बा, सब्जी के दाम सुन लोग बेहाल भईल बा

हरी सब्जियों के दाम आसमान पर, रसोई की तैयारी पड़ रही भारी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: सब्जी की महंगाई पर पहले भी कई बार कई गाने वायरल हो चुके हैं। लोग बताते हैं कि आज से 18 साल पहले प्याज की महंगाई पर एक बार मनोज तिवारी का गीत खूब वायरल हुआ था। जिससे उस समय कि तात्कालिक केंद्र सरकार की खूब फजीहत हुई थी। लेकिन फिलहाल प्याज के बदले देश भर में महंगे टमाटर की चर्चा खूब हो रही है। झारखंड के जमशेदपुर की मंडियों में भी टमाटर की कीमत कम होने का नाम नहीं ले रही है। लगभग सात दिनों से टमाटर के भाव लगातार बढ़ते जा रहा है। 15 दिन पहले जो टमाटर 40 रुपये किलो मिल रहा था, वहीं आज 40 रुपये पाव में मिल रहा है। आम लोगों का कहना है कि सब्जी और सलाद की थाली से टमाटर पूरी तरह गायब हो गया है। आज से 15 दिन पहले मंडी में टमाटर दर्जनों सब्जियों के बीच सुर्ख लाल रंग से सभी को अपनी ओर आकर्षित करता था। वहीं आज मंडी में इक्का-दुक्का जगह को छोड़ दिया जाये तो कहीं नहीं दिख रहा है। टमाटर सभी सब्जियों का मेल होता है। बिना इसके सब्जी हो या सलाद स्वाद नहीं मिलता।

आम के बाद अब अनार से भी महंगा हुआ टमाटर

टमाटर ने आम को पीछे तो पहले ही छोड़ दिया था। अब अनार को भी पीछे छोड़ने लगा है। वर्तमान में अनार की कीमत 100 से 250 रुपये के बीच है। वहीं टमाटर की कीमत 120 रुपये किलो तक पहुंच गयी है। वहीं आम 50 से 80 रुपये प्रति किलो के बीच में बिक रहा है।

शहर में कम हो रही टमाटर की आपूर्ति

टमाटर के महंगाई का आलम यह है कि शहर की लगभग सभी मंडियों से लगभग टमाटर गायब हो गयी है। साकची, गोलमुरी, मानगो, सिदगोडा, बारीडीह सभी मंडियों में टमाटर की आवक कम हो गयी है। जिससे कीमतें आसमान छू रही हैं। लोग अपने पसंद के व्यंजन नहीं बना पा रहे है। जहां पर लोग एक किलो टमाटर खरीदते थे, वहीं 250 ग्राम से काम चला रहे है। अभी वाले दिनों में टमाटर के सस्ते होने की उम्मीद कम ही है। टमाटर के होल सेल बिक्रेता छोटू ने बताया कि अभी पूरे शहर में एक ही छोटे ट्रक से टमाटर की आपूर्ति हो रही है। जबकि 20 दिन पहले तक 4 से 5 ट्रक की आपूर्ति होती थी।अप्रैल और मई में 20 से 25 ट्रक टमाटर की आपूर्ति होती थी।

बारिश की मार से फसल हुई बर्बाद

पिछले दिनों चक्रवाती तूफान के कारण लगातार हुए भारी बारिश से टमाटर के फसलें बर्बाद हो गयी है। देश के कई जगहों पर फसल बर्बाद होने से ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है।

रेलवे कर्मी एसके पिल्लई की इलाज के दौरान मौत, जमीन कब्जा के विरोध में खुद को लगाई थी आग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: बागबेड़ा ट्रैफिक कॉलोनी में कारोबारी को जमीन का कब्जा दिलाने के दौरान विरोध में आत्मदाह करने वाले रेलवे का कर्मचारी सुनील कुमार पिल्लई ने की मौत हो गयी है। उनका इलाज टाटा मुख्य अस्पताल के बर्न यूनिट में चल रहा था, जहां उसने अंतिम सांस ली। विदित हो कि 28 जून बुधवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन के आरपीएफ पुलिस ओमप्रकाश कसेरा को जमीन का कब्जा दिलाने गई थी।

एसके पिल्लई की फाईल फोटो।

जहां सुनील पिल्लई के परिवार पहले से कब्जा है। सुनील रेलवे में इलेक्ट्रिकल लोको शेड में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थे। इस कार्रवाई के विरोध में उन्होंने खुद को आग लगा लिया था इससे वे 60 फीसदी जल गए थे। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया था। वहीं मरने से पहले सतीश ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें वे आरपीएफ पर खुद को प्रताडित करने का आरोप लगाते दिख रहे हैं।

परिवार का दावा लीज पर ली थी जमीन: सुनील के परिवार का दावा है कि सुनील पिल्लई के पिता रामनाथ पिल्ले ने रेलवे की जमीन लीज पर ली थी। पिता के निधन के बाद पिता के नाम पर जमीन थी। साल 2011 में उक्त जमीन को कब्जा कर ओम प्रकाश (प्रकाश दुकान) नामक व्यक्ति को बेच दिया गया। इसको लेकर पिता ने साल 2021 में केस भी फाइल किया है।

ओम प्रकाश अक्सर उक्त जमीन पर निर्माण कार्य करवाने का प्रयास करता रहा, पर कोर्ट में केस चलने के कारण वह काम नहीं करवा पा रहा था। लेकिन विवादित जमीन पर ओम प्रकाश के घर का निर्माण कार्य करवाने के लिए आरपीएफ और रेलवे लैंड डिपार्टमेंट के लोग पैसे लेकर आए थे। हालांकि रेलवे कीमाने तो जमीन ओमप्रकाश कसेरा के नाम पर लीज पर है और सतीश पिल्लई व उनका परिवार ओमप्रकाश को जमीन पर कोई काम करने नहीं दे रहा था जिसका रेंट भी रेलवे हर माह ओमप्रकाश से लेती है।

पत्नी व बेटी ने भी आत्महत्या का किया था प्रयास: आरपीफ द्वारा जमीन पर कब्जा दिलाने के दौरान पहले सुनील पिल्लई की पत्नी और बेटी ने आत्मदाह का प्रयास किया। जब दोनों को आरपीएफ ने पकड़ लिया तो सतीश पिल्लई वहां आये और मौत हो गई। सुनील पिल्लई ने परिवार के समक्ष एक वीडियो जारी कर कहा था कि आरपीएफ और लैंड डिपार्टमेंट को ओमप्रकाश द्वारा पैसे खिलाकर काम करवाया जा रहा है। आरपीएफ उन्हें और उनके परिवार को परेशान कर रही है। इसकी शिकायत ट्वीट के माध्यम में रेल मंत्री और रेल मंत्रालय के अलावा डीआरएम को भी की, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। तंग आकर उन्होंने खुद को आग लगा ली थी।

स्वास्थ्य विभाग का बड़ा फैसला: मोतियाबिंद का ऑपरेशन अब आयुष्मान से सीधे निजी अस्पतालों में नहीं होगा

सरकारी अस्पतालों से कराना होगा रेफर तभी निजी अस्पतालों में हो सकेगा ऑपरेशन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: आयुष्मान योजना को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब योजना के तहत निजी अस्पतालों में सीधे किसी भी मरीज का मोतियाबिंद का ऑपरेशन नहीं होगा। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की माने तो मोतियाबिंद ऑपरेशन के नाम पर कई तरह के फजीर्वाड़ा की शिकायत सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया है।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन करने वाले कई अस्पतालों के खिलाफ जांच भी चल रही है। इसमें जमशेदपुर के केसीसी अस्पताल भी शामिल है। इसकी जांच सिविल सर्जन डा. जुझार माझी खुद कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का निर्देश है कि कोई भी मोतियाबिंद के मरीज आयुष्मान योजना के तहत सीधे निजी अस्पतालों में ऑपरेशन नहीं कर सकता है। सबसे पहले उसे सरकारी अस्पताल में जाना होगा। अगर, उस अस्पताल में इसकी सुविधा नहीं है तो वह रेफर करा सकता है। इसके बाद ही निजी अस्पताल में उसका ऑपरेशन हो सकता है।

हालांकि, यह नियम लागू होने से मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। मरीज ऑपरेशन के लिए दर-दर भटक रहे हैं। निजी अस्पताल संचालकों की माने तो नया आदेश 13 जून को जारी हुआ है। तब से निजी अस्पतालों में मोतियाबिंद की सर्जरी लगभग बंद हो गई है। मरीजों को दर-दक भटकना पड़ रहा है।

सिर्फ झारखंड में इस तरह के आदेश

हॉस्पिटल संचालकों का कहना है कि इस तरह का आदेश सिर्फ झारखंड में हुआ है। देश के दूसरे राज्यों में इस तरह का नियम नहीं है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि जमशेदपुर के केसीसी हॉस्पिटल में नकली आंख लगाने के मामले को विभाग ने काफी गंभीरता से लेते हुए यह कार्रवाई की है। मोतियाबिंद ऑपरेशन को लेकर और भी कई शिकायतें आई है लेकिन यह मामला काफी चर्चित रहा है।

पहले निजी अस्पताल में सीधे होता था ऑपरेशन

आयुष्मान योजना के तहत पहले निजी अस्पतालों में सीधे मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन होता था। उन्हें किसी से आर्डर या फिर रेफर कराने की जरूरत नहीं होती थी। अब बिना रेफर किसी मरीज का ऑपरेशन नहीं हो रहा है। एमजीएम अस्पताल या फिर सदर अस्पताल से रेफर कराना पड़ रहा है, जिससे मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। इधर, सिविल सर्जन डा. जुझार माझी का कहना है कि विभाग का निर्देश आया है। उसका पालन किया जा रहा है।

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की मां मधु व लालू की बेटी सहित 800 विशेषज्ञ चिकित्सक आएंगे शहर

एमजीएम के डायमंड जुबली समारोह में जुटेंगे विश्वभर से डाक्टर, वेबसाइट लांच

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चौपड़ा की मां मधु शर्मा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की बेटी सहित विश्व भर से 800 विशेषज्ञ चिकित्सक शहर आएंगे। इसे लेकर रविवार को साकची स्थित आई हास्पिटल में वेबसाइट www.mgmmedicalcollege.com लांच किया गया। साथ ही आयोजन समिति का भी गठन किया गया। एमजीएम मेडिकल कालेज के पूर्व छात्रों की ओर से डायमंड जुबिली समारोह का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, आयोजन समिति के मुख्य संरक्षण डा. केके सिंह को बनाया गया हैं। जबकि चेयरमेन डा. सुनील कुमार, सचिव डा. संतोष गुप्ता व कोषाध्यक्ष डा. जीके सिंह को बनाया गया है।

बैठक में उपस्थित समिति के लोग। ● फोटोन न्यूज

डा. केके सिंह ने बताया कि 24 से 26 नवंबर तक यह कार्यक्रम जमशेदपुर के विभिन्न जगहों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए एमजीएम कालेज से पढ़ाई कर निकले लगभग 800 छात्र आएंगे। यहां के छात्र भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा, अमेरिया, कनाडा, दुबई सहित अन्य देशों में सेवा दे रहे हैं। इस अवसर पर रांची से डा. केके सिंह, डा. अजीत सहाय, पश्चिमी सिंहभूम के सिविल सर्जन डा. साहिर पाल, डा. सुनील कुमार, डा. एके लाल, डा. मृत्युंजय सिंह, डा. संतोष गुप्ता, डा. गौरी भादुड़ी, डा. निर्मल गाडिया, डा. प्रीति मोहन, डा. जाय भादुड़ी, डा. एसपी जखनवाल, डा. वाहिद खान सहित अन्य उपस्थित थे।

कहां-कहां होगा कार्यक्रम

पहले दिन यानी 24 नवंबर को कार्यक्रम बेल्डीह गोल्फ कोर्स में रखा गया हैं। वहीं, दूसरे दिन का कार्यक्रम एमजीएम मेडिकल कालेज परिसर, डिमना लेक व बेल्डीह गोल्फ कोर्स में रखा गया है। जबकि अंतिम दिन का कार्यक्रम होटल रमाडा में होगा। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा अपना रजिस्ट्रेशन करवा चुकी हैं। वहीं, लालू यादव की बेटी को भी आने की संभावना है। एमजीएम मेडिकल कालेज की शुरूआत वर्ष 1961 में हुई थी।

आयोजन समिति का गठन

आयोजन समिति में मुख्य संरक्षण-डा. केके सिंह, चेयरमेन-डा. सुनील कुमार, को-चेयरमेन-डा. एके लाल, डा. जीसी माझी, सचिव-डा. संतोष गुप्ता, संयुक्त सचिव-डा. निर्मल गाडिया, कोषाध्यक्ष-डा. जीके सिंह, संयुक्त कोषाध्यक्ष-डा. एमके गोयल, प्रेस सलाहकार-डा. मृत्युंजय सिंह, सलाहकार-डा. केएन सिंह, संरक्षण-डा. केपी दूबे, डा. रविंद्र कुमार, डा. अशोक कुमार, डा. केके सहगल, डा. पीके सिंह, डा. एनके सिन्हा, डा. अजीत सहाय, डा. क्रांति सिंह, डा. रतन कुमार, डा. राजीव मिश्रा, डा. बलराम झा, डा. साहिर पाल।

बिजली विभाग की लापरवाही कहीं जान माल पर भारी न पड़ जाए, बांस के सहारे लटक रहे तार

पिछले 8 वर्षों से मानगो के गुडरूबासा न्यू कॉलोनी में नहीं लग सके हैं बिजली के पोल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: बिजली से इतनी लापरवाही जानलेवा हो सकता है। अगर समय रहते सिस्टम को सुधार नहीं गया तो अप्रिय घटना भी घट सकती है। मानगो डिमना मुख्य सड़क के मात्र पचास मीटर की दूरी में स्थित गुडरुभाषा न्यू कॉलोनी की, जहां बिजली के तार बांस के खंभे के सहारे है। बारिश होने पर बिजली के झटके बांस व सड़क में जमे हुए पानी के संपर्क में आना कोई बड़ी बात नहीं होगी। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश होने पर अक्सर ऐसा होता है।

स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों ने भाजपा नेता विकास सिंह को बुलाकर बताया कि आठ वर्षों से मोहल्ले में बिजली की सप्लाई बांस खंभे के सहारे है। कई बार बिजली विभाग में स्थानीय लोगों ने इस जानलेवा समस्या की शिकायत भी किया, लेकिन समस्या का समाधान अब तक नहीं किया गया। अंत में थक हार कर स्थानीय लोगों ने शिकायत करना ही छोड़ दिया। स्थानीय लोगों को इस बात का डर है कि कभी भी जान माल का नुकसान हो सकता है।

बांस खंभे से लटक रहे बिजली के तार को देखते ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

स्थानीय निवासी हरेंद्र प्रसाद ने बताया कि विगत दिनों हो रही तेज बारिश के बाद घास चर रही एक गाय को बिजली का झटका इतना जोर से लगा कि वह छटपटा कर गिर गई । बारिश होने पर लोग बच्चों को सड़क सूखने तक बाहर नहीं जाने देते हैं। भाजपा नेता विकास सिंह ने कहा कि आठ वर्षों तक सीमेंट का पोल नहीं लगना बिजली विभाग की लापरवाही को दर्शा रहा है। बिल्डरों के द्वारा जहां बहुमंजिला इमारत बनाई जाती है वहां विभाग के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रांसफार्मर और सीमेंट का पोल लगा दिया जाता है लेकिन जहां रोज कमाने खाने वाले साधारण लोग जहां रहते हैं , वहां विभाग की नजर तब तक नहीं पहुंचती,जब तक कोई बड़ी घटना नहीं घट जाती।

विकास सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी उपायुक्त के के साथ-साथ बिजली विभाग के मुख्य अभियंता सह जनरल मैनेजर को दी जाएगी । इस अवसर पर विकास सिंह,हरेंद्र प्रसाद,विश्राम शर्मा, राजा कुमार, राम इकबाल शर्मा, एस.सी.गोराई, बी.सी.महतो, एन सी महतो, हिमांशु महतो, मनोज शर्मा, सूरज कुमार सहित बस्तीवासी उपस्थित थे।

चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बने दलपति मुंडा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: झारखंड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ जिला शाखा, पूर्वी सिंहभूम का प्रथम जिला सम्मेलन रविवार को प्रदेश महामंत्री सपन कुमार कर्मकार की अध्यक्षता में संपन्न। सम्मेलन के पश्चात पांच वर्षों (2023-2028) के लिए कमिटी का गठन हुआ किया गया। सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में प्रदेश महामंत्री सपन कुमार कर्मकार उपस्थित थे। सम्मेलन में संघ की मांगों पर विचार किया गया। साथ ही सरकार के स्तर पर लंबित मांगों के लिए कार्यवाही तेज करने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन में डॉ मनोज कुमार सिन्हा (प्रदेश महामंत्री), शंकर मिश्रा (पूर्व अध्यक्ष), उमाशंकर द्विवेदी (पूर्व जिला मंत्री), उदय शंकर झा (प्रदेश संयुक्त मंत्री), अमरनाथ तिवारी (जिला मंत्री सरायकेला खरसावां), अमरनाथ सिंह (मुख्य संरक्षक), सुबल कुमार शीट (जिला अध्यक्ष श्चिमी सिंहभूम चाईबासा), हीरालाल दास (जिला मंत्री पश्चिमी सिंहभूम), सीता सोरेन (उपाध्यक्ष पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा), दल गोविंद महतो (शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के मंत्री) ने अपने विचार रखे तथा संघ का चुनाव संपन्न कराया।

झारखंड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ जिला शाखा, पूर्वी सिंहभूम का चुनाव संपन्न करायाग या। जिसमें मुख्य संरक्षक अमरनाथ सिंह,सम्मानित अध्यक्ष दीपक सिन्हा, जिला अध्यक्ष दलपति मुंडा, उपाध्यक्ष छोटराय सोलंकी, विनोद कुमार उपाध्याय, चंद्रशेखर तिवारी, बादल सोरेन, बामनी वरदा, भविष्य कुमार शर्मा, प्रकाश चंद्र माझी, सुबल चंद्र करण, खगेन उरांव एवं बुद्धेश्वर सिंह सरदार को बनाया गया। इसी तरह जिला मंत्री दुर्गा चरण टुडु, संयुक्त मंत्री रामनाथ यादव, गोपाल मुर्मू, बिपलव दत्ता, भोला पासवान, फकीरा सोरेन, श्रीलक्ष्मी बास्के, प्रमोद दीक्षित, बलविंदर कौर, धीरेंद्र नाथ सिंह (शि०वि०) एवं कोषाध्यक्ष शशिभूषण दीक्षित तथा उप कोषाध्यक्ष निबाय सोरेन को बनाया गया।

मणिपुर में नाटकीयता

मणिपुर की राजनीति में इन दिनों छाई नाटकीयता दुखद और अफसोसजनक है। जिस राज्य में हिंसा रोके नहीं रुक रही है; जहां सेना और पुलिस को भी आए दिन मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है, वहां भी राजनीति अपने लिए नाटकीयता के अवसर तलाश ले रही है। शुक्रवार की दोपहर तक यह तय लग रहा था कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का इस्तीफा हो जाएगा। विपक्ष एक स्वर में उनसे इस्तीफा मांग रहा है, उन्होंने इस्तीफा देने का मन बनाया, और इस्तीफा लिखा भी, लेकिन वह इस्तीफा राज्यपाल तक पहुंचा नहीं सके। उनके समर्थक उन्हें रोकने के लिए उमड़ आए और उनके इस्तीफे को फाड़ दिया। राज्यपाल से मिलने से भी रोक दिया गया, आखिरकार शाम होते स्पष्ट हो गया कि बीरेन सिंह जन-दबाव में इस्तीफा देने के इरादे से पीछे हट गए हैं। उन्होंने ट्वीट भी कर दिया कि इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दूंगा। अब इंफाल में शुक्रवार को दिन के समय हुआ ड्रामा राजनीति में एक नए दिलचस्प अध्याय की तरह जुड़ गया है। इसमें कोई शक नहीं है कि मणिपुर इन दिनों बेहद हल्की सियासत का गवाह बन रहा है। अगर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने मणिपुर के मुख्यमंत्री को इस्तीफे के लिए इशारा किया था, तब तो संभव है कि भाजपा वहां सत्ता परिवर्तन के रास्ते निकाल लेगी। अगर बीरेन सिंह स्वविवेक से इस्तीफा देना चाहते थे, तब उनके समर्थकों द्वारा इस्तीफे का विरोध करने से क्या फायदा होगा, यह समझना मुश्किल है। दरअसल, मणिपुर में यह सियासी फायदे देखने का समय नहीं है। 58 दिन बीत चुके हैं, यह मनोरम राज्य अभी भी जगह-जगह जख्मी हो रहा है। आज के समय में यह कहना बहुत आसान है कि हिंसा रोकने में बीरेन सिंह नाकाम रहे हैं। भाजपा उन्हें बचाए रखकर क्या अपना सियासी नुकसान नहीं करेगी, सोचना चाहिए। यह गौर करने की बात है कि विपक्षी दलों की सक्रियता मणिपुर में बढ़ रही है और वे भी राजनीति का कोई अवसर हाथ से नहीं जाने देंगे। वैसे भी, राज्य कोई भी हो, विपक्ष का काम ही है, सत्ता पक्ष की कमियों पर उंगली रखना। समाधान यही है कि मणिपुर में सत्ता पक्ष कमियों की गुंजाइश न छोड़े। ऐसा अगर हो पाता है, तभी बीरेन सिंह या किसी भावी मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने की सार्थकता है। मणिपुर में समाधान की दिशा में नाटकीयता छोड़कर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। एक बड़ी चिंता यह है कि कानून-व्यवस्था या नैतिकता-जिम्मेदारी को ताक पर रखकर जगह-जगह भीड़ को फैसले करने का मौका दिया जा रहा है। लोकतंत्र का मतलब भीड़तंत्र नहीं है। व्यवस्थाएं कहीं भी भीड़ की मनमानी से नहीं चला करतीं। कहीं भीड़ सेना को रोक दे रही है, तो कहीं वह आतंकियों को छुड़ा ले रही है, तो कहीं मुख्यमंत्री का इस्तीफा भीड़ को सौंप दिया जा रहा है? यदि बीरेन सिंह ने अपना पद बचाने के लिए प्रायोजित भीड़ का इंतजाम किया था, तब तो यह और भी बुरा संकेत है। हां, यह अवश्य कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री का इस्तीफा कतई समाधान नहीं है, लेकिन अब समय आ गया है कि युद्ध स्तर पर मणिपुर में शांति के प्रयास किए जाएं।

राजभवन की गफलत

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने गुरुवार को अचानक जिस तरह से राज्य के एक मंत्री वी सेंथिल बालाजी को बर्खास्त करने का आदेश दिया, वह सकते में डालने वाला है। हालांकि इसके थोड़ी ही देर बाद, संभवतः गृह मंत्रालय के सुझाव पर, राज्यपाल ने यह कहते हुए अपने उस आदेश पर अमल रुकवा दिया कि वह इस पर कानूनी राय लेना चाहते हैं। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। राज्यपाल का आदेश निकल चुका था, जिससे हतप्रभ राज्य सरकार को समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा कैसे हो गया? क्या वाकई राजभवन से मंत्रिमंडल की सलाह के बगैर ऐसा आदेश दिया जा सकता है? आदेश की पुष्टि होने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही। गनीमत रही कि गृह मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को समझा और उसकी सलाह पर राज्यपाल ने अपने कदम पीछे खींच लिए। लेकिन यह सवाल रह ही गया कि आखिर राज्यपाल कार्यालय अपनी कार्यसीमा, अधिकार क्षेत्र और संवैधानिक व्यवस्थाओं को समझने में इतनी बड़ी गलती कैसे कर सकता है? यह कोई राज की बात तो है नहीं कि देश में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था को अपनाया गया है, जिसमें शासन की असल शक्तियां जनता द्वारा निर्वाचित संसद और विधानसभाओं में निहित होती हैं। रोजमर्रा के कामकाज के लिए मंत्रिमंडल इसका इस्तेमाल करता है, लेकिन वह अपने सभी फैसलों के लिए पूरी तरह संसद या विधानसभाओं के प्रति जवाबदेह होता है। राज्यपाल केंद्र के प्रतिनिधि के तौर पर राज्य में होता है और कुछ खास स्थितियों को छोड़कर प्रशासनिक कार्यों में उसका कोई दखल नहीं होता। वह मंत्रिमंडल की सलाह पर ही फैसले करता है। यह व्यवस्था देश में शुरू से चली आ रही है। समय-समय पर कुछ जटिलताएं या अनिश्चितताएं सामने आती हैं, उस वजह से फैसले में या फैसले लेने की प्रक्रिया में गड़बड़ियां होती हैं तो उनके निपटारे के लिए न्यायपालिका है, जो अपना काम बखूबी करती रही है। राज्यपाल की भूमिका को लेकर भी समय-समय पर आए सुप्रीम कोर्ट के तमाम फैसले हैं, जो किसी बड़ी गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहने देते। इसके बावजूद अगर तमिलनाडु में राज्यपाल कार्यालय से इस तरह की गलती हो जाती है तो संबंधित पक्षों के लिए यह चिंता की बात है।

स्वाभिमान से स्वयं को प्रकाशित होने का संदेश है गुरु पूर्णिमा

ARTICLE

रमेश शर्मा

शुभ्र चंद्र-प्रकाश तो धरती पर आने का प्रयत्न तो करता है पर बादल अवरोध बन जाते हैं। यदि गुरु का संबंध केवल ज्ञान और प्रकाश से होता तो अश्विनी मास की शरद पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा माना जा सकता था । चूंकि इस पूर्णिमा को धरती पर आने वाला चन्द्र प्रकाश सबसे धवल और मोहक होता है । लेकिन इसके ठीक विपरीत आषाढ़ की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा माना गया। इसका संदेश ज्ञान पर आनी वाली भ्रान्तियों को दूर करना है। आषाढ़ की पूर्णिमा पर चन्द्र प्रकाश को रोकने वाले बादल स्थाई नहीं होते, वह अवरोध मौलिक नहीं होता, कृत्रिम होता है, अस्थाई होता है, जो समय के साथ छंट जाता है। ठीक इसी प्रकार मनुष्य की आंखों पर अज्ञान के बादल छाये रहते हैं। भीतर आत्मा तो परमात्मा का अंश है, जो ज्ञान और प्रकाश का पुंज है। पर मनुष्य का अज्ञान, अशिक्षा और भ्रांत धारणाओं की परतें आत्मा को ढक लेती हैं। जिससे मनुष्य की प्रगति अवरुद्ध होंने लगती है और उसके कुमार्ग पर चलने की आशंका हो जाती है। जिस प्रकार पवन देव बादलों को उड़ा ले जाते हैं धरती और चन्द्रमा के बीच का अवरोध समाप्त कर देते हैं, और शुभ्र चंद्र प्रकाश पृथ्वी की मोहक छवि को पुनः उभारने लगता है उसी प्रकार मनुष्य के ज्ञान बुद्धि पर पड़े अवरोध स्वयं नहीं हटते, उन्हे हटाने के लिये कोई प्रयत्न चाहिए, कोई निमित्त चाहिए।

गुरु पूर्णिमा अर्थात अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर यात्रा और व्यक्ति से लेकर राष्ट्र तक स्वाभिमान जाग्रत कराने वाले परम प्रेरक के लिए नमन दिवस। जो हमें अपने आत्मबोध, आत्मज्ञान और आत्म गौरव का भान कराकर हमारी क्षमता के अनुरूप जीवन यात्रा का मार्गदर्शन करें, वे गुरु हैं। वे मनुष्य भी हो सकते हैं, और कोई प्रतीक भी। संसार में कोई अन्य प्राणी भी, ज्ञान दर्शन कराने वाला कोई दृश्य, कोई घटना, कोई ग्रंथ या ध्वज जैसा भी कोई प्रतीक हो सकता है। अपने ज्ञान दाता के प्रति आभार और उनके द्वारा दिए गए ज्ञान से स्वयं के साक्षात्कार करने की तिथि है गुरु पूर्णिमा।

आषाढ़ माह की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाने का भी एक रहस्य है। भारत में प्रत्येक तीज त्योहार के लिए तिथि का निर्धारण साधारण नहीं होता, प्रत्येक तिथि का अपना संदेश होता है। गुरु पूर्णिमा की तिथि का भी एक संदेश है। इसका निर्धारण एक बड़े अनुसंधान का निष्कर्ष है। वर्ष में कुल बारह पूर्णिमा आतीं हैं। इन सभी में केवल आषाढ़ की पूर्णिमा ऐसी है जिसमें चंद्रमा का शुभ्र प्रकाश धरती पर नहीं आ पाता। या सबसे कम आता है। वर्षा के बादल चंद्रमा के प्रकाश का मार्ग अवरुद्ध कर देते हैं एक प्रकार से चंद्रमा को ढंक लेते हैं। शुभ्र चंद्र-प्रकाश तो धरती पर आने का प्रयत्न तो करता है पर बादल अवरोध बन जाते हैं। यदि गुरु का संबंध केवल ज्ञान और प्रकाश से होता तो अश्विनी मास की शरद पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा माना जा सकता था । चूंकि इस पूर्णिमा को धरती पर आने वाला चन्द्र प्रकाश सबसे धवल और मोहक होता है । लेकिन इसके ठीक विपरीत आषाढ़ की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा माना गया। इसका संदेश ज्ञान पर आनी वाली भ्रान्तियों को दूर करना है। आषाढ़ की पूर्णिमा पर चन्द्र प्रकाश को रोकने वाले बादल स्थाई नहीं होते, वह अवरोध मौलिक नहीं होता, कृत्रिम होता है, अस्थाई होता है, जो समय के साथ छंट जाता है। ठीक इसी प्रकार मनुष्य की आंखों पर अज्ञान के बादल छाये रहते हैं। भीतर आत्मा तो परमात्मा का अंश है, जो ज्ञान और प्रकाश का पुंज है। पर मनुष्य का अज्ञान, अशिक्षा और भ्रांत धारणाओं की परतें आत्मा को ढक लेती हैं। जिससे मनुष्य की प्रगति अवरुद्ध होंने लगती है और उसके कुमार्ग पर चलने की आशंका हो जाती है। जिस प्रकार पवन देव बादलों को उड़ा ले जाते हैं धरती और चन्द्रमा के बीच का अवरोध समाप्त कर देते हैं, और शुभ्र चंद्र प्रकाश पृथ्वी की मोहक छवि को पुनः उभारने लगता है उसी प्रकार मनुष्य के ज्ञान बुद्धि पर पड़े अवरोध स्वयं नहीं हटते, उन्हे हटाने के लिये कोई प्रयत्न चाहिए, कोई निमित्त चाहिए। जो अज्ञान की परत का क्षय करके स्वज्ञान का भान करा सके । अज्ञान का हरण कर स्वज्ञान के इस जाग्रत कर्ता को ही गुरु कहा गया है। यह गुरु की विशेषता होती है कि अज्ञानता के अंधकार की ये सभी परतें हटा कर उसे उसके स्वत्व से साक्षात्कार कराता है। मनुष्य की विशिष्ठता को नये आयाम, नयी ऊंचाइयां देने में मार्ग दर्शन करता है। आषाढ़ की पूर्णिमा इसी का प्रतीक है। शिक्षक और गुरु में अंतरः गुरुत्व परंपरा में एक बात महत्वपूर्ण है। शिक्षक, आचार्य, गुरु और सद्गुरु में अंतर होता है। शिक्षक और आचार्य गुरु तुल्य तो होते हैं पर गुरु नहीं होते। एक तो शिक्षक अस्थाई होते हैं और वे केवल निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार चलते हैं। शिक्षा और ज्ञान में अंतर है। शिक्षा केवल सैद्धांतिक होती है। यदि पाठ्यक्रम में कुछ असत्य है आधारहीन है तब भी शिक्षक उसी अनुसार अपना कार्य करते हैं। जबकि आचार्य इस पाठ्यक्रम में व्यवहारिक पक्ष को भी सम्मिलित कर व्यक्तित्व निर्माण पर भी ध्यान देते हैं। लेकिन गुरु इनसे बहुत आगे हैं। वे गुरु पहले शिष्य की प्राकृतिक प्रतिभा क्षमता रुचि का आकलन करते हैं, उसकी मौलिक प्रतिभा को जाग्रत करते है। फिर उसके अनुरूप पाठ्यक्रम का निर्धारण करते हैं। युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन तीनों थे तो एक ही कक्षा में पर गुरु द्रोणाचार्य ने तीनों को उनकी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप अलग-अलग अस्त्र शस्त्र में प्रवीण बनाया। गुरु सदैव अपने शिष्य की रुचि और प्राकृतिक क्षमता को ध्यान में रखकर शिक्षा और ज्ञान दोनों का निर्धारण करता है। एक मनुष्य दूसरे मनुष्य से केवल चेहरे की बनावट, बोली, रुचि, पसंद नापसंद या डीएनए में ही अलग नहीं होता । वह प्राकृतिक विशेषताओं में भी पूरी तरह अलग होता है, विशिष्ट होता है। प्रकृति ने प्रत्येक व्यक्ति को उसकी प्रतिभा में विशिष्ट बनाया है। व्यक्ति की यह मौलिक प्रतिभा क्या है, क्षमता क्या है, मेधा क्या है और प्रज्ञा कैसी है। इसका आकलन गुरु करते हैं। और उस व्यक्ति को उसके मूल तत्व का आभास कराते हैं, उसके स्वत्व से साक्षात्कार कराते हैं। जिससे वह अपने जन्म जीवन को योग्य बनाता है। और सद्गुरु। गुरु केवल लौकिक जगत के ज्ञान विज्ञान तक रहते हैं। एक शिष्य संसार में कैसे श्रेष्ठ बने, संसार में कहां क्या है। संसार की प्रकृति, प्राणी और पदार्थ सबसे कैसे तादात्म्य स्थापित हो यह सब ज्ञान गुरु देते हैं। लेकिन सद्गुरु लौकिक और अलौकिक दोनों का मार्ग दर्शन कराते हैं। संसार के आगे क्या है ? दृश्य जगत के आगे अदृश्य की शक्ति क्या है । यह ज्ञान सद्गुरु से मिलता है। अर्जुन के गुरु द्रोणाचार्य हैं। पर जब योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का ज्ञान दिया तब अर्जुन ने कहा- ₹मुझे सद्गुरु की भांति उपदेश करेंं₹ और तब ही भगवान श्रीकृष्ण ने विभूति और विराट से परिचय कराया। इस प्रकार संसार में जीने योग्य बनाने, सफलता प्राप्त करने, लौकिक जगत को समझने और अलौकिक जगत का साक्षात्कार कराने वाली विभूति को गुरु कहा गया और उनके प्रति आभार प्रकट करने की तिथि है गुरु पूर्णिमा। गुरु पूजन परंपरा का आरंभः इस दिन शिष्य अपने गुरु की अभ्यर्थना करते हैं, वंदना करते हैं। यह एक प्रकार का पूजन है। गुरु पूजन की यह परंपरा कब से आरंभ हुई यह नहीं कहा जा सकता है। भारतीय वाङ्मय में पीछे जितनी दृष्टि जाती है वहां गुरु परंपरा के आख्यान मिलते हैं । परम गुरु भगवान शिव को माना गया है। आदि गुरु महर्षि कश्यप, महर्षि भृगु, देव गुरु बृहस्पति और दैत्य गुरु शुक्राचार्य माने गए हैं। इसके बाद विभिन्न ऋषियों राजकुलों के गुरु के रूप में उल्लेख मिलता है। राजकुलों में बीच-बीच में गुरु बदले भी हैं। यह वर्णन भी पुराणों में है। पौराणिक आख्यानों में केवल गुरु परंपरा का ही उल्लेख नहीं अपितु ऋषियों की ज्ञान सभा होने के भी उल्लेख है। आरंभिक काल में ऐसी ज्ञान सभाएं शिव निवास कैलाश पर्वत पर होती थीं। जिनमें ऋषिगण भाग लेते थे, वे शिवजी के सामने समाज की स्थिति का चित्रण करते थे फिर भगवान शिव समाधान सूत्र दिया करते थे। इसके बाद ऐसी ज्ञान सभाएं काशी में होने लगीं। ये सभाएं भी शिवजी के सभापतित्व में ही होतीं थीं। इसलिए भगवान शिव को ही आदि गुरु या परम गुरु कहा गया है।आगे चलकर इन समाजों का केन्द्र नैमिसारण्य बना। यहां आचार्य प्रमुख महर्षि भृगु थे और यहीं से सभापतित्व का दायित्व ऋषियों के हाथ में आया। इन सभाओं का सप्त ऋषियों में से कोई अथवा उनके द्वारा आमंत्रित कोई अन्य प्रमुख ऋषि द्वारा सभापतित्व करने की परंपरा आरंभ हुई । ये सभाएं चतुर्मास की पूरी अवधि में हुआ करतीं थीं जो आषाढ़ की पूर्णिमा से आरंभ होकर शरद पूर्णिमा तक निरंतर चला करतीं थीं। इसलिए आज भी गुरु परंपरा के प्रत्येक संत इस अवधि में अपने मूल आश्रम में ही निवास करते हैं। नेमीसारण्य की इस ज्ञान सभा परंपरा के शिथिल होने के बाद क्षेत्रीय सभाओं की परंपरा आरंभ हुई और इसी के साथ स्थानीय स्तर पर गुरु वंदन पूजन आरंभ हुआ । यद्यपि शंकराचार्य पीठ, महामंडेश्वर पीठ आदि प्रमुख गुरु स्थानों पर आज भी चतुर्मास में निरंतर व्याख्यान होने की परंपरा है। पुराणों में आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु महत्ता स्थापना की पहला विवरण त्रेता युग के आरंभ में मिलता है ।इसी तिथि को भगवान शिव ने नारायण के अवतार भगवान परशुराम जी को शिष्य के रूप में स्वीकार किया था। भगवान शिव के भक्त तो सभी हैं पर शिष्य अकेले परशुराम जी। और इसी तिथि से भगवान अमरनाथ के दर्शन आरंभ होने परंपरा भी बनी। वशिष्ठ परंपरा में इस तिथि को महर्षि व्यास का जन्म हुआ, जिन्होंने वेदों का भाष्य तैयार किया। इस प्रकार इस तिथि का महत्व बढ़ता गया।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

गुरु-शिष्य परंपरा का विशेष उत्सव है गुरु

गुरु पूर्णिमा पर्व गुरु-शिष्य की परंपरा के लिए विशेष उत्सव होता है। गुरु अपने ज्ञान से शिष्य को सही मार्ग पर ले जाते हैं। इसलिए गुरुओं के सम्मान में हर वर्ष यह पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरु के अलावा भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। उनकी जन्मतिथि के उपलक्ष्य में पूजा की जाती है। इस बार गुरु पूर्णिमा तीन जुलाई को है। गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्य सप्तऋषियों को सबसे पहले योग का ज्ञान प्रदान किया था। इस प्रकार आदियोगी शिव इस दिन आदि गुरु यानी पहले गुरु बने। सप्तऋषि इस ज्ञान को लेकर पूरी दुनिया में गए। आज भी धरती की हर आध्यात्मिक प्रक्रिया के मूल में आदियोगी द्वारा दिया गया ज्ञान ही है। गुरु, साधक के अज्ञान को मिटाता है। ताकि वह अपने भीतर ही सृष्टि के स्रोत का अनुभव कर सके। पारंपरिक रूप से गुरु पूर्णिमा का दिन वह समय है जब साधक, गुरु को अपना आभार अर्पित करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। योग साधना और ध्यान का अभ्यास करने के लिए गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है। गुरु शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है। इसके दो अक्षरों गुरु में गु शब्द का अर्थ है अज्ञान। रु शब्द का अर्थ है आध्यात्मिक ज्ञान का तेज जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता है। संक्षेप में गुरु वे हैं जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं । गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तृप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है। वैसे ही गुरु चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सिख धर्म में भी गुरु को भगवान माना जाता है। इस कारण गुरु पूर्णिमा सिख धर्म का भी अहम त्योहार है। सिख धर्म केवल एक ईश्वर और अपने दस गुरुओं की वाणी को ही जीवन का वास्तविक सत्य मानता है। आषाढ़ की पूर्णिमा को चुनने के पीछे गहरा अर्थ है कि गुरु तो पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह हैं। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आषाढ़ के बादलों की तरह। आषाढ़ में चंद्रमा बादलों से घिरा रहता है जैसे बादल रूपी शिष्यों से गुरु घिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चांद की तरह चमक सके। उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा का महत्व है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रति वर्ष गुरु पूर्णिमा उत्सव अपनी सभी शाखाओं पर मनाता है। संघ के छह उत्सवों में से एक गुरु पूर्णिमा भी है। गुरु पूर्णिमा के दिन देश में संघ की सभी शाखाओं पर स्वयंसेवक इस उत्सव को मनाएंगे। संघ के स्वयंसेवक किसी व्यक्ति को नहीं बल्कि भगवा ध्वज को अपना गुरु मानते हैं। उस दिन भगवा ध्वज की पूजा करने के साथ-साथ गुरु के प्रति जो भी बनता है समर्पण भी करते हैं। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने स्वयंसेवकों के लिए गुरु पूजा प्रारंभ की। यह गुरु कोई व्यक्ति नहीं बल्कि भगवा ध्वज है। संघ तत्व पूजा करता है व्यक्ति पूजा नहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने गुरु के स्थान पर भगवाध्वज को स्थापित किया है। भगवाध्वज त्याग, समर्पण का प्रतीक है। स्वयं जलते हुए सारे विश्व को प्रकाश देने वाले सूर्य के रंग का प्रतीक है। संपूर्ण जीवों के शाश्वत सुख के लिए समर्पण करने वाले साधु, संत भगवा वस्त्र ही पहनते हैं। इसलिए भगवा, केसरिया त्याग का प्रतीक है। महान संत कबीरदास जी ने गुरु के महत्व को इस तरह बताया है- गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागु पांय, बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय। अर्थात यदि भगवान और गुरु दोनों सामने खड़े हो तो गुरु के चरण पहले छूना चाहिये क्योंकि उसने ही ईश्वर का बोध करवाया है। गुरु का स्थान भगवान से भी ऊंचा है। प्रसिद्ध सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य को अपना गुरु बनाकर ही राज सिंहासन पाया था। इतिहास में हर महान राजा का कोई न कोई गुरु जरूर था। प्राचीन भारत में आज की तरह स्कूल, कॉलेज नहीं होते थे। उस समय गुरुकुल प्रणाली द्वारा शिक्षा दी जाती थी। समाज के सभी वर्गों के बालक गुरुकुल जाकर शिक्षा प्राप्त करते थे। वो गुरुकुल (आश्रम) में ही रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। नेपाल में इसे गुहा पूर्णिमा के रूप में मनाते है। छात्र अपने गुरु को विशेष व्यंजन, फूल मालाएं, विशेष रूप से बनाई गई टोपी पहनाकर गुरु का स्वागत करते है। स्कूल में गुरु की मेहनत को प्रदर्शित करने के लिए मेलों का आयोजन किया जाता है। इस दिवस को मनाकर गुरु-शिष्य का रिश्ता और भी मजबूत हो जाता है। गुरु का आशीर्वाद सबके लिए कल्याणकारी व ज्ञानवर्धक होता है। इसलिए इस दिन गुरु पूजन के उपरांत गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। आज के भागदौड़ भरे भौतिकतावादी समाज में हमें गुरु की बहुत अधिक जरूरत होती है।

Social Media Corner

सच के हक में...

कौन है कृष्णा साह?गत चुनाव में किसने इसे बरहरवा में अमित शाह के मंच पर चढ़ाया, पिछली सरकार की उपलब्धियों के प्रचार के लिए मोबाईल प्रचार वैन का ज़िम्मा दिया? किस सीएम के सुपुत्र के साथ इसने साझेदारी की, एनजीओ के नाम पर साहेबगंज जिला में कंबल बंटवाया? जांचे @ED @BJP4INDIA?

(विधायक सरयू राय के ट्विटर अकाउंट से)

श्री अजित पवार जी समेत मंत्री बनने वाले सभी 9 विधायकों को उनके नव दायित्व हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मीडिया के साथी कृपा करके इसे बगावत न कहें। यह परिवारवाद-वंशवाद और भाई भतीजावाद के विरुद्ध बिगुल है। संभव है कि आने वाले समय में अन्य परिवारवादी दलों में भी इसी प्रकार की टूट हो क्योंकि "योग्य" लोगों को दरकिनार कर "अक्षम" लोगों को आगे बढ़ाने का हश्र यही होता है। लोकतंत्र ज़िंदाबाद।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

महाराष्ट्र की राजनीति में 'चाणक्य' की पराजय

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल होकर सबको चौंका दिया। अजित ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। छगन भुजबल समेत नौ विधायकों को भी शिंदे सरकार में जगह दी गई है । अजित पवार राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार के भतीजे हैं। भतीजे ने पवार को भरी दोपहर में राजनीति के आसमान में तारे दिखा दिए हैं। दो महीने पहले की बात है। समूची राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सकते में आ गई थी। दरअसल शरद पवार ने घोषणा की थी-एक मई, 1960 से एक मई, 2023 तक सार्वजनिक जीवन में लंबा समय बिताने के बाद अब कहीं रुकने पर विचार करने की आवश्यकता है। इसलिए, मैंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त होने का फैसला किया है। इस वक्त यशवंतराव चव्हाण केंद्र के सभागार में मौजूद हर नेता के पैरों तले जमीन हिल गई थी। शरद पवार का पूरा नाम शरद गोविंदराव पवार है। पूर्व कांग्रेस नेता शरद पवार ने 1999 में अलग राह पकड़ी थी। वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक हैं। पवार महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री रह चुके हैं। प्रभावशाली नेता के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले शरद केंद्र में रक्षा और कृषि मंत्री रहे हैं। राजनीति के साथ-साथ वह क्रिकेट प्रशासन से भी जुड़े रहे हैं। सन 2005 से 2008 तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष और 2010 से 2012 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के भी अध्यक्ष रह चुके हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के निर्माण का मुख्य कारण यह था कि पवार, तारिक अनवर और पीए संगमा इटली मूल की सोनिया गांधी के कांग्रेस का नेतृत्व किए जाने के खिलाफ थे। इस आधार पर 20 मई, 1999 को तीनों कांग्रेस से अलग हो गए। ...और 25 मई 1999 को देश नए राजनीतिक दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का उदय हुआ। पवार ने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत कांग्रेस के साथ 1967 में की थी। यशवंतराव चव्हाण को उनका राजनीतिक गुरु माना जाता है। 1978 में जनता पार्टी के गठबंधन से सरकार बनाने के लिए उन्हें कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। इस गठबंधन के फलस्वरूप वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे। साल 1984 में बारामती से वह पहली बार लोकसभा चुनाव जीते। 1987 में शिवसेना के बढ़ते प्रभाव की वजह से उन्होंने कांग्रेस में वापसी की। 1993 में उन्होंने चौथी बार मुख्यमंत्री के पद शपथ ली। यह उनका सबसे विवादास्पद कार्यकाल रहा। 2001-2002 के दौरान उन पर माफिया से संबंध होने के आरोप लगे। उन पर गेहूं निर्यात और 2जी स्पेक्ट्रम घोटालों के आरोप भी लगते रहे हैं। कहा तो यह भी जाता है कि शरद पवार कभी हारते नहीं हैं। जब वह खुद चुनाव लड़ते हैं तो जीत उनकी होती है। जब जीत पक्की न हो तो वह मैदान में उतरते ही नहीं। फिर भी उन्हें एक चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।यह उनके चुनावी करियर की एकमात्र हार है। बेशक यह पराजय राजनीतिक क्षेत्र में नहीं बल्कि क्रिकेट के मैदान में हुई। वर्ष 2004 में उन्हें तत्कालीन अध्यक्ष जगमोहन डालमिया के हाथों 'भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड' यानी 'बीसीसीआई' के चुनाव में बेहद कड़े मुकाबले में पराजय का सामना करना पड़ा। इससे वह हार नहीं माने। अगले ही साल उन्होंने डालमिया को हरा दिया और बीसीसीआई के अध्यक्ष बन गए। लेकिन ताजा राजनीतिक घटनाक्रम उनके लिए 'पराजय' से कम नहीं है। वह निश्चित तौर पर आज 'काटो तो खून नहीं' मुहावरे को पढ़कर कसमसा रहे होंगे। पिछले छह दशक तक महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। वह सत्ता में रहे हों या न रहे हों। बहुमत में रहे हों या न रहे हों। बावजूद इसके वह महाराष्ट्र की राजनीति में प्रभावी भूमिका में रहे हैं। साढ़े तीन साल पहले आलोचक कहने लगे थे कि शरद पवार राजनीति के दूसरे चरण के अंत तक पहुंच गए हैं।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है। पिठोरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत कल जो कुछ हुआ, उसके बारे में सुनकर, पढ़कर किसी भी व्यक्ति का मन व्यथित हो सकता है। जरा सोचिए उस नाबालिग लड़की के बारे में। बड़े अरमान से खुशी-खुशी मेला घूमने गई होगी। बच्चों के बीच बाजार, मेला को लेकर वैसे भी उत्सुकता रहती है। उस नाबालिग को क्या पता था कि कोई अपना, जिसे वह जानती है, वही उसके जीवन के लिए सबसे बड़ा अभिशाप बन जाएगा। उस नाबालिग की बड़ी बहन के मित्र ने उसे उसके घर पहुंचाने की बात कही। कोई अपरिचित होता तो वह उसके साथ जाने को तैयार नहीं होती। उसे भरोसा रहा होगा कि वह सुरक्षित अपने घर पहुंच जाएगी। ऐसा हुआ नहीं। उस व्यक्ति के मन में पहले से ही भयानक योजना थी। तभी तो उसने अपने दोस्तों को भी बुला लिया। सभी ने मिलकर अबोध लड़की की इज्जत तार-तार कर दी। आंकड़े बताते हैं कि बच्चों के साथ होनेवाले यौन शोषण के मामलों में ज्यादातर में कोई रिश्तेदार या कोई परिचित होता है। सवाल यह है कि आखिर इसका समाधान क्या हो। इस तरह तो कोई भी अपना नहीं है। हमारी बच्चियां या कई मामलों में नाबालिग लड़के भी अपने घर में, रिश्तेदारों के बीच सुरक्षित नहीं है। इस तरह के सांस्कृतिक पतन को हर हाल में रोके जाने की जरूरत है। लोगों के बीच संस्कार खत्म होते जा रहे हैं। सही-गलत की पहचान खत्म होती जा रही है। समाज को जागरूक करने के साथ-साथ ऐसे मामलों में सख्त से सख्त और जल्द से जल्द सजा दी जाए।

रोहित सिन्हा, महासचिव युवा कांग्रेस, रांची।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

THE PHOTON NEWS
07
www.thephotonnews.com
Monday, 03 July 2023

BRIEF NEWS

ओडिशा : राउरकेला के दुकान में चोरी

ROURKELA : ओडिशा के राउरकेला में अपराधियों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। सिविल टाउनशिप स्थित तरंगिनी मार्केट में देर रात बदमाश वेंटिलेशन तोड़कर दुकान में घुस गये। करीब आठ लाख रुपए के महंगें स्मार्ट फोन,एसेसरीज और रिपेयर के मोबाइल उठा ले गये। इसके अलावा नकदी पर भी हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद दुकानदार की ओर से इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना पाकर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

नौ जुलाई से वेदव्यास धाम पर श्रावणी मेला

ROURKELA : जिला प्रशासन की ओर से राउरकेला महानगर निगम हाल में रविवार को विभागीय अधिकारी,वेद्यास ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की गई । जिसमें सुरक्षा को लेकर जोर दिया गया, वही हर साल की तरह इस साल भी बड़े धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। सावन में राज्य तथा राज्य के बाहर के भक्त बाबा का दर्शन करने पहुंचते हैं, लाखों की भीड़ होती है। जिसे लेकर प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है।

स्मार्ट सिटी मिशन की आठवीं वर्षगांठ पर दिव्यांग बच्चों ने की मस्ती

ROURKELA : स्मार्ट सिटी मिशन की 8वीं वर्षगांठ के अवसर पर राउरकेला स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने आशादीप स्कूल के दिव्यांग बच्चों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्हें शहर के सेंसरी पार्क में लाया गया और कलर बॉक्स उपलब्ध कराया गया। बच्चों के बीच नृत्य और गीत प्रतियोगिता भी हुई। बच्चों ने सेंसरी पार्क में मुस्कुराहट और खुशी के कुछ समय गुजारा।

विस्थापितों का आंदोलन शुरू, 4 कोयला खदानों से परिवहन और कोयला निकासी रूका

ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के हेमगिरी तहसील के 14 खदान से निकासी का काम रविवार से प्रभावित हो गया है। ग्रामीण बंदोबस्त व पुनर्वास से संबंधित 11 सूत्री मांगों को लेकर रविवार को धरने पर बैठे हैं। एमसीएल की चार कोयला खदानें बसुंधरा, कुलदा, रागबहाल और सियारमल पूरी तरह से बंद हो गई हैं। ग्रामीणों ने कहा है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

पीएम आवास योजना के फरार आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

CHAIBASA : तांतनगर प्रखंड के काठभारी पंचायत अंतर्गत पेंदरगड़िया के रामचंद्र हेम्ब्रम के घर व पंचायत के चौक चौराहा पर तांतनगर ओपी पुलिस ने डुगडुगी बजाकर ग्रामीणों के समक्ष इश्तेहार चिपकाया। इश्तेहार चिपका कर आरोपी एक सप्ताह के भीतर थाना या न्यायालय में आत्मसमर्पण करने की बात कही गई। नहीं करने पर उनके घर की संपत्ति को कुर्की जब्ती की करने की चेतावनी दी। आरोपी रामचंद्र हेम्ब्रम पिछले एक साल से फरार चल रहा है। उनके खिलाफ मंझारी थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। गौरतलब है कि आरोपी रामचंद्र हेम्ब्रम काठभारी पंचायत के प्रधानमंत्री आवास मित्र थे। आवास मित्र रहते हुए पंचायत के प्रधानमंत्री आवास के दो लाभूक शुरू कुई तथा संगीता बिरूवा के खाते से 80 हजार रुपए झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक काठभारी शाखा कर्मियों के मिलीभगत से आरोपी ने निजी खाता में गलत व फर्जी तरीके से हस्तांतरित किया था। जबकि दोनों लाभूकों को पैसा निकासी होने की जानकारी तक नहीं थी। शिकायत के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी ने टीम गठित कर जांच में मामला सामने आया और जांच में सही पाया गया।

नवनियुक्त चिकित्सकों के कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, कहा

पशु चिकित्सक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा

PHOTON NEWS BHUBANESHWAR: ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने नवनियुक्त पशु चिकित्सकों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। पशुपालन विकास के क्षेत्र में परिवर्तन लाने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पशु चिकित्सकों को प्रौद्योगिकी, संयुक्त प्रयास, पारदर्शिता एवं समय के समुचित उपयोग के माध्यम से पशुपालन के संरक्षण एवं विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। मुख्यमंत्री ने नव नियुक्त 209 पशु चिकित्सकों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में पशुधन का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसने ओडिशा के किसानों की आजीविका में विविधता लाने में मदद मिलेगी। किसानों के अधिक आय पैदा करने में यह महत्वपूर्ण कदम होगा।

चिकित्सकों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यमंत्री नवीन पटनायक व अन्य ● फोटोन न्यूज

सीएम ने कहा- चिकित्सकों के सभी पद भरे जाएंगे

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस दौरान कहा कि 'हर जीवन कीमती है'। ओडिशा सरकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए नए डॉक्टरों और चिकित्सा पेशेवरों की नियुक्ति कर रही है।

ओडिशा 2024 से डॉक्टर-अधिशेष राज्य बनने के लिए एमबीबीएस डॉक्टरों के सभी पद भरे जा रहे हैं। सरकार के लिए स्वास्थ्य सेवाओं हमेशा से प्राथमिकता रही हैं। बेहतर स्वास्थ्य का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सरकार हमेशा अपनी प्राथमिकता पर फोकस करती है।

मछुआरों को सीएम ने प्रदान की सहायता

मुख्यमंत्री ने ओडिशा तट पर मछली पकड़ने पर लगाए गए प्रतिबंध से प्रभावित मछुआरों के परिवारों को आजीविका सहायता प्रदान की है। उन्होंने ओलिव रिडले की सुरक्षा के लिए मछुआरों द्वारा दिए गए बलिदान की सराहना की। इस अवसर पर, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, पुरी और गंजम जिलों के 14, 228 मछुआरों के परिवारों को आजीविका सहायता के रूप में 15,000 रुपये के हिसाब से कुल 21.34 करोड़ रुपये से अधिक दिए गए। इससे पहले मछली पकड़ने की कार्रवाई से प्रभावित समुद्री मछुआरों के परिवारों को 7,500 रुपए दिए जा चुके हैं।

जमीन फर्जीवाड़े के बढ़ते मामलों पर नरसंडा ग्रामसभा ने जतायी चिंता

PHOTON NEWS CHAIBASA : शहर के आसपास के गांवों में आदिवासी रैयती जमीन की खरीद-बिक्री में फर्जीवाड़े की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इससे गांवों की ग्रामसभा भी चिंतित हो गयी हैं। शहर से सटे गांव नरसंडा में रविवार को इसी मुद्दे पर ग्रामसभा बुलायी गयी। जिसकी अध्यक्षता मुखिया श्रीराम सुंडी ने की। ग्रामसभा में कोल्हान भूमि बचाओ समिति भी आमंत्रित थी। ग्रामसभा में गांव में आदिवासी भूमि की खरीद-बिक्री में हो रहे फजीर्वाड़े पर चिंता व्यक्त की गयी। पदाधिकारियों ने कहा कि बाहरी जमीन दलाल भोले-भाले ग्रामीणों को झांसा देकर जमीनें लूट ले रहे हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण है। सीएनटी एक्ट का उल्लंघन करते हुए दूसरे जिले लोग भी अब यहां का फर्जी जाति तथा आवासीय प्रमाण पत्रों के आधार पर जमीन रजिस्ट्री करवा ले रहे हैं। फर्जी कुरसीनामा भी इसमें खूब प्रयोग हो रहा है। इसलिए नरसंडा की ग्रामसभा अब नरसंडा में जमीन फजीर्वाड़े को रोकने के लिए कोल्हान भूमि बचाओ समिति के साथ काम करेगी। पदाधिकारियों ने कहा कि एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के दलाल इस गोरखधंधे को अंजाम दे रहे हैं। कोल्हान भूमि बचाओ समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सावैयां ने कहा कि नरसंडा के ग्रामीणों ने ग्रामसभा की ताकत जान गई है।

लायंस क्लब व लायंस क्लब लावण्या ने पौधारोपण कर किया नए सत्र का आगाज

PHOTON NEWS CHAIBASA : लायंस क्लब एवं लायंस क्लब लावण्या ने लायंस के नए सत्र 2023-24 का आगाज स्थानीय पुलिस लाइन में वृक्षारोपण करके किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु आईपीएस पारस राणा, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप खालको, मुफस्सिल थाना से पवन पाठक, पुलिस लाइन से सर्जेंट मेजर मंशु गोप तथा दोनों क्लब के सदस्य उपस्थित थे। सभी अतिथियों तथा सदस्यों ने मिलकर के पुलिस लाइन में आम, अमरूद, अनार, लीची इत्यादि वृक्षों का रोपण किया। दोनों क्लब आभारी है पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर का कि उन्होंने दोनों क्लब के सदस्यों को पुलिस लाइन में वृक्षारोपण करने की स्वीकृति दी।

पौधारोपण के बाद लायंस क्लब के बारे में संक्षिप्त परिचय क्लब के सदस्य कुणाल सराफ ने सभी आमंत्रित मेहमानों को दिया। इस कार्यक्रम के बाद सभी सदस्य दूसरे कार्यक्रम नेशनल डॉक्टर डे एवं सीए डे के तहत डॉक्टर सौम्य सेनगुप्ता, डॉ राशि मुंधड़ा एवं डॉक्टर राजेश तथा सीए प्रमोद खेतान को क्लब की ओर से मोमेंटो उनके कार्यालय में दिया। कार्यक्रम में लायंस क्लब चाईबासा के अध्यक्ष सचिन अग्रवाल, सचिव राहुल सराफ, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, जॉन चेयर पर्सन आनंद टिबरेवाल, नीरज संद्वार, कुणाल सराफ, कुंदन गोयल, पुनीत अग्रवाल तथा लायंस क्लब लावण्या से अध्यक्ष पिंकी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनीषा फिरोजीवाला, निवर्तमान अध्यक्ष शालिनी सराफ, कुमकुम दोदराजका, वरीसा दोदराजका, योगिता अग्रवाल, शिवानी खिरवाल, खुशी मोदी, वैशाली दरबार, रवीना शारदा तथा श्रद्धा गोयल उपस्थित थे।

लायंस क्लब के सदस्य व अतिथि। ● फोटोन न्यूज

चलती कार में अचानक लगी आग, वाहन चालक झुलसा

ROURKELA : सुंदरगढ़ थाना क्षेत्र के बिलईगढ़ गांव में वाहन में आग लगने से वाहन मालिक गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें राउरकेला आईजीएच में भर्ती कराया गया है। कार मालिक दारासिंह बाघ शनिवार रात अपनी मारुति बलेनो चला रहे थे तभी अचानक कार में आग लग गई। दारा सिंह बाघ कालाहांडी पावर ग्रिड में इंजीनियर के रूप में काम करते हैं। शादी के काम मिलने पर वह अपने गांव बिलीगढ़ आए थे। गया। सुबह करीब 11 बजे घर से गाड़ी निकाल कर सड़क पर चढ़ते समय गाड़ी में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से झुलस गया। उन्हें पहले सुंदरगढ़ मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया। बाद में उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें राउरकेला आईजीएच में स्थानांतरित कर दिया(

आशीष बिरूवा निर्विरोध चुने गए कैथोलिक सभा के अध्यक्ष, अमातुस टोपनो बने सचिव

पल्ली संचालन के लिए कैथोलिक सभा का पुनर्गठन

PHOTON NEWS CHAIBASA : रोमन कैथोलिक चर्च में पल्ली का संचालन के लिए काथलिक सभा का पुनर्गठन किया गया। इसमें अगले तीन वर्षों के लिए आशीष बिरूवा को निर्विरोध दुबारा अध्यक्ष चुना गया। जबकि रोबर्ट सावैयां को उपाध्यक्ष बनाया गया।

अमातुस टोपनो को सचिव चुना गया, वहीं फिलिप तोपनो को उपसचिव बनाया गया। कोषाध्यक्ष के रूप में संजीव कुमार बलमुचू को दुबारा जिम्मेदारी दी गई और जेम्स गागराई को उप कोषाध्यक्ष बनाया गया।

चुनाव के दौरान चाईबासा पल्ली अंतर्गत दस इकाईयों की ओर से उम्मीदवारों का नाम का प्रस्ताव रखा गया। चुनाव में कुल 166 काथलिक परिवारों के सदस्यों ने भाग लिया।

ज्ञात हो कि काथलिक सभा पल्ली के कार्यक्रमों का संचालन एवं पल्ली अंतर्गत विभिन्न कार्यों का क्रियान्वयन एवं देखरेख में सहयोग प्रदान करती है। विधिवत चुनाव कार्य किशोर तामसोय, रोयलेन तोपनो, इलिसबा डुंगडुंग, सुनीता हेम्ब्रम, विक्टर सुरीन, सिबिरिया डुंगडुंग, फिलिप तोपनो और अमातुस तोपनो के मार्गदर्शन व देख-रेख सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में उपस्थित कैथोलिक समाज के लोग ● फोटोन न्यूज

विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति के मुख्य संयोजक बने मुकेश व सचिव इपिल सामड

PHOTON NEWS CHAIBASA : आदिवासी हो समाज महासभा कला एवं संस्कृति भवन हरिगुटू में रविवार को आदिवासी समुदाय व संगठनों की बैठक हुई। बैठक में आगामी 9 अगस्त को होने वाली विश्व आदिवासी दिवस मनाए जाने को लेकर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम के लिए समिति का गठन किया गया। इसमें मुख्य संयोजक के रूप में मुकेश बिरूवा और सचिव इपिल सामड को सर्वसहमति से चयन किया गया। कोषाध्यक्ष रवि बिरूली एवं सह कोषाध्यक्ष के पद पर ओएवन हेम्ब्रम का चयन किया गया।

बैठक में हो, मुंडा, संथाल, भूमिज एवं उरांव समाज के प्रतिनिधि के अलावे 15 से ज्यादा आदिवासी संगठनों के लोग मौजूद थे। बैठक के दौरान मुख्य संयोजक मुकेश बिरूवा ने बताया कि पिछले वर्ष के विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में सभी आदिवासी समाज एवं संगठनों से भूरपूर सहयोग मिला। जिसके खातिर कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक लोग अपने पारंपरिक वेशभूषा के साथ शामिल हुए थे। वहीं जो लोग कार्यक्रम में शारीरिक रूप से शामिल नहीं हुए वे लाइव यू ट्यूब चैनल के माध्यम से शामिल हुए।

मुख्य संयोजक ने आदिवासी समाज के लोगों से अपील किया कि विश्व आदिवासी दिवस की सोच विश्व के आदिवासी एक हो को सार्थक किया जाए और सभी इस कार्यक्रम में तन-मन-धन से शामिल हो। ताकि सभी आदिवासी दिखा सके कि आदिवासी एक हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए आर्थिक रूप से भी कार्यक्रम आयोजन समिति को मदद करें।

बैठक में बिहार विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर देवेन्द्र नाथ चंपिया, आदिवासी हो समाज महासभा के केन्द्रीय महासचिव यदूनाथ तियू, केसी बिरूली, मुंडा समाज के अध्यक्ष अशोक कुमार नाग, आदिवासी यगस्टर युनिटी कोल्हान के राजकमल पाट पिंगुवा, घनश्याम सोय, आदिवासी हो समाज युवा महासभा के राहुल पुरती, तुरतुंग के महेन्द्र महर्षि सिंकू सहित काफी अन्य मौजूद थे।

चार जुलाई से शुरू हो रहा है भोलेनाथ का प्रिय माह सावन, शिवालयों में तैयारियां पूरी

कोल्हान के चार प्रमुख शिव मंदिरों में भोले को जलाभिषेक के लिए लगता है भक्तों का तांता

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जमशेदपुर, झारखंड की जमीन, पहाड़, जंगल और हरियाली के लिए जाना जाता है। कोल्हान में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां तीन जिले शामिल है। कोल्हान की धरती कई रहस्य अपने अंदर समेटी हुई है। यहां कई ऐसे अनोखे मंदिर है। अगर यहां पर स्थित मंदिरों को विकास पर सरकार ध्यान दे तो काफी संख्या में श्रद्धालुओं का आना होगा और यह स्थल पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो सकते है। मंदिर पथ तक सुगम रास्ते नहीं होने के कारण श्रद्धालु ज्यादा संख्या में पहुंच नहीं पाते।

सावन की शुरूआत 4 जुलाई से हो रही है। कोल्हान के सभी प्रमुख मंदिरों में पूजा की तैयारी पूरा जोरों पर है। कोल्हान के सभी प्रमुख मंदिर अपनी अलग विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है। आइये जानते है मंदिरों से जुडी मान्याताएं।

दलमा शिव मंदिर : दलमा पहाड़ की चोटी पर शिव मंदिर स्थित है। जमशेदपुर- रांची एन एच-33 के ठीक बगल में दलमा पहाड़ स्थित है। लगभग 3 हजार फीट की उंचाई पर शिवलिंग एक संकरी गुफा में स्थित है। मान्यताओं के अनुसार यहां स्थित शिव मंदिर स्वयंभू है। अपने आप यहां भगवान की शिवलिंग प्रकट हुए है। स्थानीय लोगों के अनुसार यहां शिवलींग का आस्तित्व को पता लगाना बहुत मुश्किल है। हर साल सावन माह में हजारों की संख्या में लोग भगवान शिव के दर्शन के लिए आते है। पूजा के लिए पूरे झारखंड, बिहार, बंगाल और उडीसा से लोग आते हैं। दलमा शिव मंदिर जाने के लिए सड़क और पैदल मार्ग है। सड़क मार्ग से जाने के लिए भक्तों को जमशेदपुर रांची एन एच -33 सटे दलमा पहाड़ होते हुए लगभग 20 किलोमीटर का रास्ता तय करना होगा। चढ़ाई के दौरान सावधानी रखने की जरूरत होती है। क्योंकि रास्ते सें खतरनाक घाटियों से होकर गुजरना पड़ता है। मंदिर के पास पूजा सामग्री आसानी से मिल जाती है। भक्त चलकर मंदिर जाना चाहते है उन्हें पारडीह काली मंदिर के पास से पहाड़ी चढ़ने का रास्ता मिलता है। पूरी चढ़ाई चढ़ने में 3 से 4 घंटे का वक्त लगता है। पौराणिक मान्याताओं के अनुसार दलमा स्थित शिव मंदिर में पूजा करने से भक्तों की सभी मुरादें पूरी होती है।

दलमा शिव मंदिर

कालेश्वर मंदिर : कोल्हान के प्रमुख शिव मंदिर में कालेश्वर मंदिर भी शामिल है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर प्राचीन होने के साथ रहस्यमयी भी मानी जाती है। यहां हर साल सावन में सैकड़ों भक्तों की भीड़ होती है। पौराणिक मान्याताओं के अनुसार मंदिर में स्थित शिवलिंग का संबंध गुप्तगंगा से है। मंदिर का निर्माण लगभग 250 वर्ष पहले हुआ था। यह मंदिर आसनबनी के साधुडेरा गांव में स्थित है। कालेश्वर मंदिर में जोड़ा शिवलिंग है। सावन के शुरू होते ही भक्तों का तांता लगा रहता है। यहां पूजा करने के लिए दूर- दूर से लोग आते है।

कालेश्वर मंदिर

मुर्गा महादेव : मुर्गा महादेव मन्दिर कोल्हान की सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है। मंदिर में पूजा के लिए झारखंड के साथ ही ओड़िशा और बंगाल के लोग भी पूजा करने आते है। मुर्गा महादेव मंदिर में सावन माह में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इस बार भी सावन माह को लेकर यहां विशेष तैयारी की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर का निर्माण बहुत पहले उडीसा के जोड़ा प्रखंड के एक दम्पति ने कराया था। पुत्र रत्न प्राप्ति के लिए दम्पति ने मंदिर बनाया था। हालांकि अब मंदिर बहुत बड़ा व प्रसिद्ध हो चुका है। यहाँ सालों भर लोग भगवान के दर्शन करने आते है। मान्यता यह है कि जो भी दम्पति को पुत्र रत्न की प्राप्ति नहीं होती है, यहाँ पूजा करने से उनकी मुराद पूरी हो जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार अंग्रेज शासनकाल में अग्रेज शिवलिंग को चुराने का प्रयास किया था, लेकिन वह कामयाब नहीं हो पाए।

मुर्गा महादेव

जोयदा बूढ़ा बाबा शिव मंदिर : जोयदा मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। जमशेदपुर से लगभग 35 किलोमीटर पर स्थित इस मंदिर का विशेष महत्व है। यह मंदिर जमशेदपुर रांची हाइवे के नजदीक सुवर्णरेखा नदी के तट के पास स्थित है। यह मंदिर भव्य होने के साथ मनमोहक भी है। यहाँ जाने के लिए पक्की सड़क का निर्माण किया गया है।

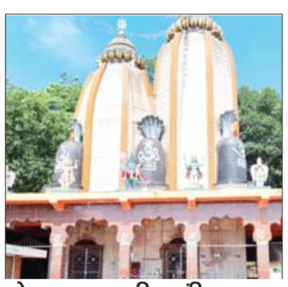

जोयदा बूढ़ा बाबा शिव मंदिर

यहाँ शिव मंदिर झारखंड, बिहार, बंगाल और उड़ीसा में प्रसिद्ध है। पर्यटन विभाग द्वारा पूरे मंदिर का कायाकल्प भी कराया गया है। मंदिर परिसर में प्राचीन शिवलिंग विराजमान है। साथ ही माँ पार्वती, नंदी, हनुमान जी का भी प्रतिमाएं है। स्थानीय लोगों के अनुसार सावन माह में भक्तों की बहुत भीड़ होती है। इसका निर्माण

बिल्डिंग डेविएशन मामले में छह को सुनवाई अक्षेस के खिलाफ रिट दायर करेंगे अधिवक्ता

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जमशेदपुर अक्षेस कार्यालय को क्षेत्र में निर्मित भवनों में अक्युपेंसी और कम्प्लीशन प्रमाण पत्रों के लिए 578 आवेदन मिले, इनमें से महज 18 को ही उसने प्रमाण पत्र जारी किये। बाकी 560 भवनों में अवैध ढंग से पानी-बिजली की सेवा उपलब्ध करायी गयी। अक्षेस ने पिछले दिनों हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान यह लिखित रूप से जानकारी देते हुए बताया था। 23 वर्षों में पहली बार 2022 में अक्षेस ने टाटा स्टील को बिना अक्यूपेंसी और कम्प्लीशन प्रमाण पत्रों के बिजली पानी का कनेक्शन देने से मना किया है। अवैध बिल्डिंग निर्माण मामले के याचिकाकर्ता राकेश कुमार झा की रिट पिटीशन में अक्षेस को निर्देश दिया था कि वह उच्च न्यायालय के 2011 के अनुपालन की स्टेटस रिपोर्ट दायर करेय अक्षेस ने दायर स्टेटस रिपोर्ट में अदालत को बताया है कि उसने उच्च न्यायालय के 2011 के आदेश का कोई अनुपालन पिछले 12 वर्षों में नहीं किया है पर अनुपालन करने का वचन देता है। हाईकोर्ट में केस की पैरवी कर रहे अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसा कर जमशेदपुर अक्षेस ने अदालत की खुली अवमानना की है। इस मामले में अगली सुनवाई छह जुलाई को हाईकोर्ट में होनी है।

अधिवक्ता ने बताया कि 2016 के मॉडल बिल्डिंग बाइलॉज के मुताबिक 300 से 3000 वर्गमीटर भूखंड वाले जगहों में 100 से 200 प्रतिशत एफएआर यानी फ्लोर एरिया रेसिओ की अनुमति है। जमशेदपुर में कोई भी निर्माण जी- 3 से अधिक का नहीं हो सकता। झारखंड बिल्डिंग बाईलाज ने निर्माण को सड़क की चौड़ाई से जोड़ रखा है, जिसके मुताबिक सड़क की चौड़ाई 20 से 24 फीट होने की स्थिति जी- 4 से ऊंची इमारतें जमशेदपुर में नहीं बन सकती हैं। इसके अलावे जमशेदपुर में भूकंप के खतरे के मद्देनजर बेसमेंट नहीं बन सकते हैं। कमर्शियल इस्तेमाल के लिए बने भवनों में कुल भूखंड का दोगुना पार्किंग की जगह बनानी होगी।

जमशेदपुर में लगभग 1246 अवैध निर्माण हुए हैं, जिसमें साभी बिल्डरों ने जी -3 की जगह जी 7 तक निर्माण किये हैं। पार्किंग की जगह कमर्शियल के लिए बेची गयी। मल्टीपल बिल्डिंगों में बेसमेंट पार्किंग नहीं होने के कारण सड़कों पर वाहनों की पार्किंग का जाम लगा रहता है।

तत्काल बंद करने होंगे नये निर्माण : अधिवक्ता ने कहा कि अक्षेस एक अवैध स्थानीय निकाय है। जमशेदपुर के सभी 1246 अवैध निर्माण गिराने पड़ेंगे और नये निर्माण तत्काल बंद करने होंगे। सभी अवैधानिक और असंवैधानिक कार्रवाईयों और परिस्थितियों को उच्च न्यायालय के संज्ञान में एक पूरक हलफनामा के माध्यम से लाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन तमाम अवैध निमार्णों को रोकने के लिए टाटा स्टील, उपायुक्त और अक्षेस जैसी संस्थाओं के अधिकारों को तुरंत समाप्त करना पड़ेगा। शहर के बहुत लोगों ने उनसे संपर्क कर इस मामले में हस्तक्षेप करने को कहा। अक्षेस के खिलाफ नया रिट दायर कर करेंगे, ताकि सारी सुनवाई एक साथ हो सके।

कमर्शियल के लिए बेची पार्किंग की जगह

जमशेदपुर में लगभग 1246 अवैध निर्माण हुए हैं, जिसमें साभी बिल्डरों ने जी–3 की जगह जी 7 तक निर्माण किये हैं। पार्किंग की जगह कमर्शियल के लिए बेची गयी। मल्टीपल बिल्डिंगों में बेसमेंट पार्किंग नहीं होने के कारण सड़कों पर वाहनों की पार्किंग का जाम लगा रहता है।

BRIEF NEWS

ओपन ऑनलाइन शतरंज में आरवी बनीं विजेता

KISHANGANJ : जिला शतरंज संघ द्वारा रविवार को एक निःशुल्क ऑनलाइन ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें देश-विदेश के करीब दो दर्जन सक्षम खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें कोलकाता की आरवी श्रीवास्तव विजेता घोषित हुईं। संघ के मानद महासचिव शंकर नारायण दत्ता एवं वरीय संयुक्त सचिव तथा आयोजन सचिव कमल कर्मकार ने जानकारी दी कि इसमें कोलकाता के ही करणवीर पेरिवाल को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। वहीं असम की मोनोदीप धर तृतीय रहीं। किशनगंज के जोयब्रोतो दत्ता, धान्वी कर्मकार, सुरोनोय दास, प्रिंस कुमार एवं रौनक साहा क्रमशः चौथा, छठ्ठा, 8वां, 9वां एवं 15वां स्थान प्राप्त करने में सफलता पाई। जबकि बैंगलुरू की वी सुबरसी, असम की हतोस्मिता भट्टाचार्य, अरुणाचल प्रदेश के वैभव दुग्गर, मालदा के शौर्य रॉय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के ईशान घोष, खगड़िया के केशव प्रसाद यशवंत, उत्तर प्रदेश के अचिंत कुमार क्रमशः 5वें, 7वें, 10वें, 11वें,12वें, 13वें एवं 14वें स्थानों पर काबिज हुए।

रवि बने रक्षा मंत्रालय में वरिष्ठ तकनीकी सहायक

EAST CHAMPARAN : जिले के पीपराकोठी के रामगढ महुआवा गांव के रवि कुमार रजक का चयन रक्षा मंत्रालय में वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर हुआ है।रामगढ़ महुअवा गांव के शिक्षक वकील बैठा एवं शांति देवी के पुत्र रवि कुमार रजक ने अपनी मेहनत के बदौलत भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय में वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर चयनित हुए है।उनके पिता शिक्षक वकील बैठा बताते हैं कि वह आरंभ से ही काफी मेहनती था। प्रारंभिक शिक्षा गांव से ही हासिल किया। माध्यमिक शिक्षा मंगल सेमिनरी मोतिहारी से प्राप्त किया और इलेक्ट्रॉनिक से डिप्लोमा की पढाई पटना से पूरी करने के बाद वह इस मुकाम पर पहुंचा है।

सामूहिक दुष्कर्म का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN : पुलिस ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मुख्य आरोपित को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने दी। यह वारदात 30 जून को मुफसिल थाना क्षेत्र में हुई थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम ने मुख्य आरोपित विकास कुमार ग्राम बरदाहा थाना मुफसिल को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी के ठिकानों में दबिश दी जा रही है।

स्पर्शाघात से मिस्त्री की मौत, सड़क जाम

NAWADA : नवादा जिले के वारिसलीगंज में रविवार को विधुत स्पशार्घात से बिजली मिस्त्री की मौत ड्यूटी के दौरान हो गई।बिजली मिस्त्री थाना क्षेत्र के पैंगरी पंचायत स्थित गोड़ापर गांव निवासी प्रमोद कुमार के 28 वर्षीय पुत्र संटु कुमार दरियापुर गांव के मुख्य सड़क पर स्थित ट्रांसफार्मर पर चढ़कर बिजली ठीक कर रहा था।संटु के साथ एक और बिजली मिस्त्री इंद्रदेव कुमार भी साथ था। बताया गया कि बिजली ट्रांसफार्मर पर चढ़ने से पहले पावर ग्रिड से सड डॉउन लिया गया। परन्तु दुर्भाग्यवश विधुत प्रवाह शुरू हो गया और बिजली मिस्त्री ट्रांसफार्मर पर ही झुलता रह गया।

बिहार में जमीन नहीं मिलने से छह बड़ी रेल परियोजनाएं अटकीं

राज्य सरकार ने समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने का दिया निर्देश

AGENCY PATNA : बिहार में करीब आधा दर्जन महत्वपूर्ण रेल लाइनों का निर्माण और विकास जमीन अधिग्रहण की पेच के कारण अधर में है। पटना जिले में बाढ़-बख्तियारपुर थर्ड बड़ी नयी रेल लाइन (बख्तियारपुर फ्लाइ ओवर), बिहारशरीफ-बरबीघा नयी रेल लाइन, गया जिले में बंधुआ पैमार रेल लाइन, हाजीपुर-सुगौली रेल लाइन, छपरा-मुजफ्फरपुर नयी रेल लाइन और अररिया-गलगलिया नयी रेल लाइन परियोजना की गति धीमी है। निर्माण में देरी से लागत करीब चार गुना अधिक बढ़ गयी है। राज्य सरकार ने इन सभी रेल लाइनों के निर्माण के लिए जल्द जमीन संबंधी समस्याओं को दूर करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। सूत्रों के अनुसार बिहारशरीफबरबीघा नयी रेल लाइन करीब 29 किमी लंबाई में बनना है। इसकी अनुमानित लागत करीब 1473 करोड़ रुपये है। इसके निर्माण की घोषणा 2003 में तत्कालीन रेल मंत्री नीतीश कुमार ने की थी। इसमें शेखपुरा जिला में भूमि अर्जन की कार्रवाई की जा

सांकेतिक तस्वीर।

रही है। इसकी विस्तृत रिपोर्टजिला से मांगी गयी है

2004 में शुरू हाजीपुर-सुगौली रेल लाइन अधूरी

हाजीपुर-सुगौली नई रेल लाइन का निर्माण करीब 171 किमी लंबाई में होना था। 2004 में इस परियोजना की अनुमानित लागत 528.65 करोड़ रुपये थी। निर्माण में देरी से लागत बढ़कर 2066.78 करोड़ रुपये हो गयी। इस परियोजना के लिए पूर्वी चंपारण जिला में दो चरणों में कुल 818.72 एकड़ भूमि का अर्जन किया जाना है। इसमें से 534.34 एकड़ भूमि का दखल कब्जा रेलवे को सौंप दिया गया है।

15 साल से लटकी है छपरा-मुजफ्फरपुर नयी रेल लाइन

मुजफ्फरपुर से छपरा को जोड़ने वाले छपरा-मुजफ्फरपुर नयी रेल लाइन के लिए वर्ष 2007-08 के बजट में 400 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली थी, लेकिन 15 साल में यह कार्य पूर्ण नहीं हुआ। अब इसकी लागत करीब 26 सौ करोड़ रुपए हो गयी है। इसमें सारण और मुजफ्फरपुर जिला में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है। इस रेल लाइन का निर्माण फिलहाल प्राथमिकता में सबसे नीचे है।

बंधुआ से पैमार रेल लाइन का काम धीमा

गया जिले में बंधुआ से पैमार तक करीब 11 किमी लंबाई में रेल लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। इस परियोजना में गया जिला में भूमि अर्जन हो चुका है। वर्ष 2019 में ही रेलवे को दखल कब्जा सौंप दिया गया है। परियोजना से संबंधित छूटे-खेसराओं के अर्जन के लिए गया जिले के भू-अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है।

बाढ़-बख्तियारपुर के बीच बिछनी है थर्ड लाइन

बाढ़ से बख्तियारपुर के बीच तीसरे रेलवे ट्रैक का निर्माण करीब 18 किमी लंबाई में हो रहा है। इसका निर्माण होने से पैसेंजर गाड़ियों के परिचालन में सुविधा होगी। मालगाड़ी को आने-जाने के लिए अलग ट्रैक होगा। एनटीपीसी की कोयला आपूर्ति समेत सीमेंट और खाद्य सामग्री की आपूर्तिमें भी आसानी होगी। बाढ़-बख्तियारपुर थर्ड बड़ी नयी रेल लाइन (बख्तियारपुर फ्लाइ ओवर) - प्रस्तावित परियोजना हेतु पटना जिलान्तर्गत कुल 19.733 एकड भूमि के अर्जन में 32.33 करोड़ में से करीब 25 करोड़ की राशि वितरित की जा चुकी है। अन्य कार्य जल्द करने का निर्देश दिया गया है।

पटना-दरभंगा में PFI से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर छापा

एनआई-एटीएस ने की कार्रवाई, 8 घंटे चली रेड

AGENCY PATNA : पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) मामले में बिहार, यूपी और गुजरात में एनआईए और एबीएस ने रेड मारी। बिहार के पटना और दरभंगा में छापेमारी की गई है। रविवार की सुबह 5 बजे टीम ने दोनों जगह एक साथ कार्रवाई की है। ये रेड करीब 8 घंटे तक चली। दरभंगा में बहेरा थाना क्षेत्र के गाजियाना गांव और छोटकी बाजार में टीम ने कार्रवाई की। दोनों गांव से टीम ने 5 युवकों को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। 4 घंटे चली पूछताछ के बाद टीम ने सभी को छोड़ दिया। इनमें से एक युवक पटना के मदरसे में रहकर पढ़ाई करता था। युवक अरबी भाषा को ट्रांसलेट करने में माहिर है। एनआईए को इनपुट मिला था कि उसका आईएसआई से कनेक्शन है। इसके बाद ये रेड मारी गई थी। टीम यहां से 2 मोबाइल और बैंक डिटेल भी साथ ले गई थी। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए मुमताज अंसारी से पूछताछ में मिले क्लू के आधार पर हो रही है। मुमताज अंसारी बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के महिषी थाना इलाके का रहने वाला है। पीएफआई मामले में पटना के फुलवारी शरीफ थाना में एफआईआर नंबर 827/22 में ये वांटेड था। इस केस को एनआईए ने टेक ओवर किया था। इसके बाद भी मुमताज पकड़ा नहीं गया था। बिहार एटीएस को उसका स्पेशल इनपुट मिला। जिसके बाद एक टीम तमिलनाडु गई थी। टीम करीब 10 दिनों तक तिरुवल्लूर जिले के बरियपल्लम में रही। वहां मुमताज छिपकर और अपनी पहचान बदलकर रह रहा था। वो वहां एक फैक्ट्री में काम कर रहा था। यहीं से 19 जून की सुबह बिहार एटीएस की टीम बे उसे गिरफ्तार किया था। इसके बाद एनआईए को सौंप दिया था। फिर इससे पूछताछ हुई और इसकी निशानदेही पर अब छापेमारी चल रही है।

किताब दुकान में छापेमारी

पटना में टीम ने ये कार्रवाई फुलवारी शरीफ की इमारत-ए-शरिया के पास मोहम्मद रियाजुद्दीन कासमी की किताब दुकान में की। टीम की छापेमारी के दौरान मौजूद पास ही रहने वाले मोहम्मद एमडी आलम ने बताया कि यहां एक किताब की दुकान है। ये दुकान मोहम्मद कासमी साहब की है। यहां उर्दू, अरबी की किताबें मिलती हैं। टीम किताबों में कुछ ढूंढ रही थी, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। हम कासमी साहब जो अच्छे से जानते हैं वो इस तरह के इंसान नहीं हैं।

बांका के कोझी डैम में डूबने से युवक की मौत, दोस्तों के साथ करने गया था स्नान

AGENCY BANKA : जिले के कोझी डैम में डूबने से एक युवक की मौत हो गयी है। वो अपने दोस्तों के साथ यहां घूमने आया था। डैम में नहाने के दौरान यह हादसा हुआ है। अमरपुर थाना क्षेत्र के कोझी डैम में कटोरिया गांव के एक युवक अपने दोस्तों के साथ स्नान करने गया था इसी दौरान उसकी डूबने से मौत हो गई। युवक की पहचान अमरपुर थाना क्षेत्र के कटोरिया गांव निवासी अफरोज का पुत्र शाबित के रूप में हुई है। शाबित अपने कुछ दोस्तों के साथ कोझी डैम घुमने गया था। वहां वह अपने दोस्तों के साथ डैम में स्नान करने लगा। शाबित के सारे दोस्त स्नान कर पानी से बाहर निकल गये, लेकिन शाबित कहीं नहीं दिखा। उसे पानी में नहीं देखकर दास्त शोर मचाने लगे। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण डैम के पास पहुंचे। कटोरिया गांव से सैकड़ों लोग कोझी डैम में शाबित की खोजबीन करने लगे। काफी देर तक शाबित का कहीं पता नहीं चला। इधर, परिजनों ने घटना की सूचना अमरपुर थाने में दी। सूचना मिलने पर अमरपुर थानाध्यक्ष विनोद कुमार पुलिस बल के साथ कोझी डैम पहुंच गये। इसके बाद गोताखोर ने शव की तलाश शुरू कर दी। कड़ी मशक्कत के बाद कोझी डैम के पूर्वी कैनाल के फाटक के पास से शाबित का शव बरामद किया गया।

नाना के घर रहता था शाबित

ग्रामीणों ने बताया कि पांच वर्ष की उम्र में शाबित की मां की मौत हो गई थी। मां की मृत्यु के कुछ माह के बाद ही उसके पिता अफरोज की भी मौत हो गई थी। मां-बाप की मौत के बाद शाबित और उसकी बहन की परवरिश कटोरिया गांव में रहने वाले उसके नाना अख्तर अली ने की। शाबित नागपुर में रहकर दर्जी का काम करता था। पंद्रह दिन पूर्व ही शाबित बकरीद मनाने के लिए कटोरिया गांव अपने नाना के घर आया था। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष ने बताया कि गोताखोर की मदद से गहरे पानी से शव बरामद कर लिया गया है। शव का पंचनामा करते हुए पुलिस अभिरक्षा में शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया गया है।

चुनाव की तैयारी JDU ने की तेज, तीन दिनों तक सीएम नीतीश कुमार करेंगे पार्टी सांसदों से मुलाकात

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू विधायकों और विधान पार्षदों से मिलने के बाद अब पार्टी के सांसदों से मुलाकात करेंगे। इसका मकसद आगामी चुनाव की तैयारी, ताजा राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर विचार-विमर्श करना सहित संसदीय क्षेत्र में विकास की हालत, सरकारी योजनाओं के हालत की जानकारी लेना आदि बताया जा रहा है। फिलहाल लोकसभा में जदयू के 16 और राज्यसभा में पांच सदस्य हैं। इन सभी से मुख्यमंत्री विस्तृत बातचीत करेंगे। इसकी शुरूआत रविवार से होने की संभावना है और अलग अलग सांसदों को बुलाकर उनसे बातचीत का सिलसिला अगले तीन दिन तक चलने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने की इच्छा कई सांसदों ने जताई थी। इसलिए मुख्यमंत्री ने बारी-बारी से सभी से मिलने की योजना बनायी है। यह मुलाकात 1 अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास में होगी। इसके लिए सभी सांसदों को मिलने का बुलावा भेजा जा रहा है। हालांकि कई राजनीतिक नेता इसे सामान्य घटनाक्रम बताते हैं। विधायकों और विधान पार्षदों से मुख्यमंत्री की मुलाकात पर मंत्री विजय कुमार चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में इसे सामान्य घटना बताया है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री सभी से मिलकर उनका हालचाल, क्षेत्र में विकास के कामकाज की स्थिति सहित अन्य जानकारी लेते रहते हैं। वहीं, राज्यसभा सदस्य बशिष्ठ नारायण सिंह ने मुख्यमंत्री के इस पहल की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि विधायकों और विधान पार्षदों से मिलकर मुख्यमंत्री ने उनके क्षेत्र में विकास योजनाओं की जानकारी ली। आगे भी मुख्यमंत्री को ऐसा करते रहना चाहिए।

जदयू के 49 संगठनों में महिला अध्यक्षों की तैनाती

जदयू के 49 संगठन जिलों में महिला अध्यक्षों की तैनाती की गयी है। इसकी सूची शनिवार को जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्वेता विश्वास ने जारी की। उन्होंने सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस सूची में सभी समाज के लोगों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। सभी नवमनोनीत जिला अध्यक्षों को 15 दिनों के अंदर जिला कार्यकारिणी और प्रखंडों में अध्यक्ष मनोनीत करने का निर्देश दिया गया है। इस सूची के अनुसार पटना नगर की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष गुलफिशा जगीन सुगन और पटना ग्रामीण की अध्यक्ष पूनम देवी बनायी गयी है।

दोनाली बंदूक एवं गोली के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

AGENCY BEGUSARAI : बेगूसराय जिले की पुलिस ने मटिहानी थाना क्षेत्र के सीतारामपुर गांव में बड़ी अपराधिक घटना करने की योजना को विफल कर दिया है। गुप्त सूचना के आधार किए गए कार्यवाही में मटिहानी थाना की पुलिस ने एक अपराधी को बंदूक एवं गोली के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक अपराधी सीतारामपुर में हथियार के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही मेरे निदेर्शानुसार मटिहानी थाना की रात्रि गश्ती टीम सअनि सुजीत कुमार, सअनि अजय राय एवं सशस्त्र बल के द्वारा त्वरित कार्रवाई कर दिया। सीतारामपुर निवासी धर्मेन्द्र महतो को एक दोनाली बंदूक एवं दो गोली के साथ गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि समय पर पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई के कारण अपराधी को अवैध हथियार एवं गोली के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके कारण अपराध की बड़ी घटना को टाल दिया गया है। गश्ती टीम में शामिल पदाधिकारी एवं कर्मी को पुरस्कृत किया जाएगा। एसपी ने बताया कि 2023 में अब तक एंटी क्राइम अभियान के दौरान 137 अवैध हथियार एवं 538 गोली बेगूसराय पुलिस की कार्रवाई में जब्त किया गया है। बेगूसराय पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 06243-230200, बेगूसराय पुलिस साइबर सेल व्हाट्सएप नम्बर-8540036840 तथा सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल नंबर-

शिक्षक बहाली में डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग को लेकर आक्रोश मार्च

AGENCY ARARIA : बिहार में शिक्षक बहाली नियमावली में संशोधन कर डोमिसाइल नीति समाप्त किए जाने के खिलाफ रविवार को फारबिसगंज में विद्यार्थी परिषद के द्वारा अक्रोश मार्च निकाला गया। तदुपरांत स्टेशन चौक पर मांग के समर्थन में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और शिक्षा मंत्री प्रो.चंद्रशेखर यादव का परिषद के कार्यकताओं के साथ शिक्षक अभ्यर्थियों ने पुतला दहन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी बिहार सरकार के खिलाफ और अपने मांग के समर्थन में जमकर नारेबाजी की।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कॉलेज मंत्री प्रिंस कश्यप एवं नगर सह मंत्री आयुष भगत के नेतृत्व में आक्रोश मार्च निकाल कर स्थानीय स्टेशन चौक पर बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर यादव द्वारा बिहार के शिक्षक अभ्यर्थी पर अभद्र टिप्पणी करने, डोमिसाइल नीति हटाने, शिक्षक अभ्यर्थी पर लाठीचार्ज करने को लेकर मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया गया। मौके पर मौजूद अभाविप के विभाग सह संयोजक अकाश श्रीवास्तव ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा शिक्षक बहाली प्रक्रिया में बार-बार संशोधन किए जाने से छात्रों में आक्रोश है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शिवम शाह एवं कोषाध्यक्ष आदित्य झा ने शिक्षा मंत्री के द्वारा बिहार के शिक्षक अभ्यर्थी पर की गई टिप्पणी पर निंदा व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार सरकार बिहार के युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्हें मजदूर बनाना चाहती है।

सीएम और शिक्षा मंत्री का पुतला दहन करते प्रदर्शनकारी ● एजेंसी

अवैध अभ्रख लदा ऑटो पलटा, किशोर की मौत

AGENCY NAWADA : बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती इलाका सवैयाटांड़ पंचायत के झलकडीहा गांव के समीप रविवार को अवैध अभ्रख लदा ऑटो पलटने से एक किशोर की मौत हो गई। घटना कि सूचना आग कि तरह पूरे सवैयाटांड़ में फैल गई। लोगों ने दौड़ कर ऑटो में फसें किशोर को निकालने के लिये प्रयास करने लगे। लेकिन तब तक उनकी मौत घटनास्थल पर हो गई। घटना की सूचना लोगों ने रजौली थाना को दी। सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष पवन कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल की। शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल नवादा भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध अभ्रख लदा ऑटो को जब्त कर थाना में लाया गया है। कारोबारी के बारे में पता लगाया जा रहा है। मृतक के परिजन के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक की पहचान कोडरमा जिला के डोमचांच थाना क्षेत्र के पारहो पंचायत के चौधरीडीह निवासी राजेंद्र प्रसाद के 13 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है। मौत की सूचना मिलते ही घर परिवार में कोहराम मच गया। मृतक दो भाई और दो बहन था। वह राजकीय मध्य विद्यालय पारहो में 9 वां कक्षा का छात्र था। घटना के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि चटकरी गांव से ठीकेदार द्वारा अभ्रख खरीद कर ऑटो से लाया जा रहा था।

गंगा व कोसी नदी में उफान, मूसलाधार बारिश की वजह से बढ़ा जलस्तर

कटिहार में महानंदा नदी मचा सकती है तबाही

AGENCY PATNA : मानसून के बारिश के साथ गंगा-कोसी नदियों में उफान बढ़ता जा रहा है। नदियों में उफान बढ़ने से गंगा -कोसी के प्रवाह दायरे बढ़ता जा रहा है। जानकारी अनुसार नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रो में बारिश अधिक होने से कोसी नदी के जलस्तर में उफान दिखने लगा है। गंगा नदी का पानी भी बढ़ता जा रहा है। माना जा रहा है कि नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी से तटीय निचले क्षेत्र आने वाले दिनो में बाढ़ से प्रभावित हो सकते हैं। लगातार हुई मूसलाधार बारिश की वजह से पिछले 24 घंटे में कटिहार में महानंदा उफान पर पहुंच गयी है। विभागीय सूत्रों बताते हैं कि पिछले कुछ घंटे में महानंदा का जलस्तर 55 सेंटीमीटर बढ़ा है। हालांकि खतरे के निशान तक पहुंचने के लिए अभी भी दो मीटर पहुंचना शेष रह गया है। शुक्रवार की देर शाम से शुरू हुई मूसलाधार बारिश के कारण आजमनगर प्रखंड क्षेत्र जलमग्न दिखा। ऐसी ही स्थिति बनी रही तो क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विभागीय सूत्रों के अनुसार महानंदा नदी का जलस्तर बढ़ने के पीछे की वजह नेपाल के तराई क्षेत्रों में अधिक वर्षा होती है। अथवा बागडोगरा, रैयापुर , तैयबपुर आदि इलाकों में भारी वर्षा होने पर महानंदा का पानी में उफान आने लगता है और स्थिति काबू से बाहर हो जाती है। ऐसा ही लगातार पिछले दो-तीन दिनों से हो रहा है। कनीय अभियंता राहुल कुमार ने बताया कि महानंदा का जलस्तर बढ़ रहा है। पानी खतरे के निशान से बेहद करीब है। विभागीय अधिकारी एक-एक पल की रिपोर्ट लेने के लिए क्षेत्र भ्रमण पर जुटे दिखाई दे रहे हैं। उधर दूसरी ओर महानंदा नदी से सटे बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों में दहशत का माहौल है। जैसे-जैसे महानंदा में उफान आ रहा है। लोगों की धड़कने तेज होने लगी है। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश से पूर्णिया में कनकई, परमान, महानंदा, बकरा व दास नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। वहीं गंगा और कोसी नदी के जलस्तर बढ़ने से भागलपुर में भी बड़ी आबादी को अब कटाव की चिंता सताने लगी है।

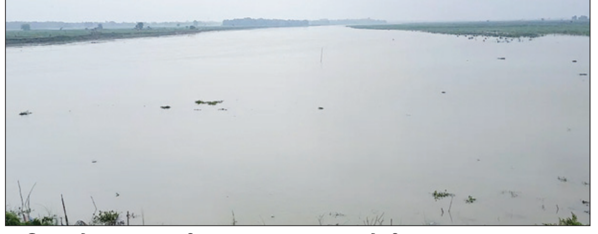

कटिहार में महानंदा नदी का बढ़ा जलस्तर ● एजेंसी

20 LAKH की खेल सामग्री सड़ने के कगार पर भूख हड़ताल पर बैठेंगे नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक

AGENCY BEGUSARAI : केंद्र सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही है। केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा करोड़ों की राशि खर्च कर नेहरू युवा केंद्र स्वयंसेवकों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाता है। लेकिन, बेगूसराय का नेहरू युवा केंद्र अपने गलत कार्यों के लिए विवादों के घेरे में है। युवा केंद्र के लेखापाल एवं सफाई कर्मी के सामने नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी भी नतमस्तक हैं। नेहरू युवा केंद्र का कार्यक्रम युवाओं के लिए होता है। लेकिन युवा के बदले 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के द्वारा कार्यक्रम आयोजन कर लाखों की फर्जी निकासी की जा रही है। इस संबंध में नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक रौशन कुमार ने कहा कि हम सभी युवा लेखापाल एवं युवा अधिकारी से मौखिक एवं लिखित आवेदन करते-करते परेशान हो गए हैं। कार्रवाई के बदले उल्टे हमें ही धमकी दी जाती है। कभी-कभी तो लेखापाल कहते हैं तुम्हें डीएम से शिकायत करना है तो कर दो हम उन्हें भी पैसा पहुंचाते हैं। इसलिए हम पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। स्वयंसेवक विवेक कुमार एवं अनुराग कुमार ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए सैकड़ों कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। लेकिन यहां के लेखापाल और सफाई कर्मी अपने चहेते लोगों से बिना सूचना के कार्यक्रम का आयोजन कर लेते हैं। जो नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक नहीं हैं, जिनकी उम्र 40 साल है। वह नेहरू युवा केंद्र का कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। जबकि स्वयंसेवक उनसे कार्यक्रम की मांग करते रहते हैं। नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक वैभव एवं मृत्युंजय ने कहा कि आज युवा केंद्र जिले का सबसे खराब विभाग बनकर रह गया है। हम स्वयंसेवक जब कार्यालय जाते हैं तो बिना किसी पूर्व सूचना के पदाधिकारी कार्यालय से गायब रहते हैं।

अंधकार से प्रकाश का पर्व

गुरु पुर्णिमा

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। हिंदू धर्म में इस पूर्णिमा का विशेष महत्व है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अवतार वेद व्यासजी का जन्म हुआ था। इन्होंने महाभारत आदि कई महान ग्रंथों की रचना की। कौरव, पाण्डव आदि सभी इन्हें गुरु मानते थे इसलिए आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा व व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन गुरु की पूजा कर सम्मान करने की परंपरा प्रचलित है। हिंदू धर्म में गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि गुरु ही अपने शिष्यों को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। गुरु पूर्णिमा अर्थात सद्गुरु के पूजन का पर्व। गुरु की पूजा, गुरु का आदर किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है अपितु गुरु के देह के अंदर जो विदेही आत्मा है, परब्रह्म परमात्मा है उसका आदर है, ज्ञान का आदर है, ज्ञान का पूजन है, ब्रह्मज्ञान का पूजन है।

अगर हम प्राचीन ग्रंथो और शास्त्रों का अध्ययन करें तो, आज भी हमें गुरु महिमा का मार्मिक वर्णन मिलता है। मुलत: गुरु शब्द दो अक्षरों का मिलाकर बनाया गया है गु और रु। गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ अंधकार का हटाने वाला बताया गया है। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है, अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण कर, धर्म का मार्ग दिखाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

भारत भर में गुरू पूर्णिमा का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण करता था तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। आज भी इसका महत्व कम नहीं हुआ है। पारंपरिक रूप से शिक्षा देने वाले विद्यालयों में, संगीत और कला के विद्यार्थियों में आज भी यह दिन गुरू को सम्मानित करने का होता है। मंदिरों में पूजा होती है, पवित्र नदियों में स्नान होते हैं, जगह जगह भंडारे होते हैं और मेले लगते हैं।

गुरू पूर्णिमा की महिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा से जुडी हैं। शास्त्रों में गुरु पूजा का विधान आषाढ़ मास की पूर्णिमा को ही है। गुरू पूर्णिमा वर्षा ॠतु के आरंभ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर चारो तरफ ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वोत्तम सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न ज्यादा गर्मी और न ज्यादा सर्दी, चारो तरफ हरियाली और वर्षा की छोटी छोटी बुंदों का चारो तरफ आनंद ही आनंद रहता है। इसलिए ये महिने अध्ययन के लिए सर्वोत्तम माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, ऐसे ही गुरुचरण में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरु पूजन का मन्त्र है -

गुरु ब्रह्मा गुरुर्विष्णु- गुरुदेव महेश्वर। गुरु साक्षात्परब्रह्म तस्मैश्री गुरुवे नम॥

अर्थात- गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। वैसे तो गुरु तत्व की प्रशंसा सभी शास्त्रों में की गई है। ऐसा माना जाता है कि, ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई भी प्रकार का मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका है। सभी धर्मों में गुरु को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। आदर सम्मान के दृष्टीकोण से हर गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर सम्मान एवं पूजा सहित सम्पुर्ण मान दिया है। भारत के बहुसम्प्रदाय धर्म तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं। गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों का श्रद्धा से पालन करना और उन्ही नियमों पर चलना संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य और धर्म है। गुरु का कार्य सिर्फ उनके शिष्यों को उचित शिक्षा प्रदान करवाना ही नही बल्कि नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

गुरु की भूमिका भारत में केवल सिर्फ आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को समय पर उचित सलाह देकर, इस देश को विपदा से उबारा भी है। अर्थात अनादिकाल से ही गुरु का शिष्य का हर क्षेत्र में मार्गदर्शित योगदान रहा है। अत: सद्गुरु की इसी महिमा के कारण उनका व्यक्तित्व हमेशा माता-पिता से ऊपर रहा है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु अर्थात जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी होनी चाहिए। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

संत कबीर ने यहाँ तक कहा है कि, भगवान के रूठने पर गुरू की शरण हमारी रक्षा कर सकती है किंतु गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना असम्भव है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है। उस श्री गुरू से उपनिषद् की तीनों अग्नियाँ भी थर-थर काँपती हैं। त्रोलोक्यपति भी गुरू का गुणनान करते है। ऐसे गुरू के रूठने पर कहीं भी ठौर ठीकान नहीं मिल सकता है। सद्गुरु की महिमा बहुत अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आँखों को ज्ञानचक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं बल्कि अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। अत: सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, इनके सामने हम जैसे मनुष्य की बिसात क्या। इसी के साथ दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

गुरुदेव हमारे कर्मों के दाता

चारों वेदों के व्याख्याता गुरु व्यास थे. हमें वेदों का दान देने वाले व्यास जी ही हैं. इसलिए वो हमारे आदि गुरु हुए. गुरु पूर्णिमा के दिन ही ॠषि व्यास का भी जन्मदिन मनाया जाता है. उन की स्मृति को ताजा रखने के लिए हमें अपने गुरु को व्यास जी का ही अंश मान कर सम्मानपूर्वक उन की पूजा करनी चाहिए. गुरु की कृपा से ही विद्या की प्राप्ति होती है.

गुरु के महत्व को हमारे सभी संतो, ॠषियों एवं महान विभूतियों ने उध स्थान दिया है. संस्कृत में गु का अर्थ होता है अंधकार (अज्ञान)एवं रु का अर्थ होता है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं.

हमारे जीवन के प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं. जो हमारा पालन-पोषण करते हैं, सांसारिक दुनिया में हमें प्रथम बार बोलना, चलना तथा शुरुआती आवश्यकताओं को सिखाते हैं. अत: माता-पिता का स्थान सर्वोपरि है. जीवन का विकास सुचारू रूप से चलता रहे, उसके लिए हमें गुरु की आवश्यकता होती है. भावी जीवन का निर्माण गुरू द्वारा ही होता है.

मानव मन में व्याप्त बुराई रूपी विष को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान है. महर्षि वाल्मीकि जिनका पूर्व नाम रत्नाकर था. वे अपने परिवार कापालन पोषण करने हेतु दस्युकर्म करते थे. महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की, ये तभी संभव हो सका, जब गुरू रूपी नारद जी ने उनका ह्दय परिर्वतित किया. मित्रों, पंचतंत्र की कथाएं हम सब ने सुनी है. नीति कुशल गुरू विष्णु शर्मा ने किस तरह राजा अमरशक्ति के तीनों अज्ञानी पुत्रों को कहानियों एवं अन्य माध्यमों से उन्हें ज्ञानी बना दिया.

गुरु शिष्य का संबंध सेतु के समान होता है. गुरू की कृपा से शिष्य के लक्ष्य का मार्ग आसान होता है.

स्वामी विवेकानंद जी को बचपन से परमात्मा को पाने की चाह थी. उनकी ये इच्छा तभी पूरी हो सकी, जब उनको गुरु परमहंस का आशीर्वाद मिला. गुरु की कृपा से ही आत्म साक्षात्कार हो सका. छत्रपति शिवाजी पर अपने गुरु समर्थ गुरु रामदास का प्रभाव हमेशा रहा.

गुरु द्वारा कहा एक शब्द या उनकी छवि मानव की कायापलट सकती है. कबीर दास जी का अपने गुरु के प्रति जो समर्पण था, उसको स्पष्ट करना आवश्यक है क्योंकि गुरु के महत्व को सबसे ज्यादा कबीर दास जी के दोहों में देखा जा सकता है. एक बार रामानंद जी गंगा स्नान को जा रहे थे, सीढी उतरते समय उनका पैर कबीर दास जी के शरीर पर पड गया. रामानंद जी के मुख से राम-राम शब्द निकल पडा. उसी शब्द को कबीर दास जी ने दीक्षा मंत्र मान लिया और रामानंद जी को अपने गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया. ये कहना अतिश्योक्ति न होगा कि जीवन में गुरु के महत्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मियता से किया है.

गुरू गोविंद दोऊ खडे काके लागू पांव
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय.

गुरू का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ है. हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तभ गुरू हैं। कई ऐसे गुरू हुए हैं, जिन्होने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आचार्य चाणक्य ऐसी महान विभूती थे, जिन्होंने अपनी विद्वत्ता और क्षमताओं के बल पर भारतीय इतिहास की धारा को बदल दिया। गुरू चाणक्य कुशल राजनितिज्ञ एवं प्रकांड अर्थशास्त्री के रूप में विश्व विख्यात हैं। उन्होने अपने वीर शिष्य चन्द्रगुप्त मौर्य को शासक पद पर सिहांसनारूढ करके अपनी जिस विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया उससे समस्त विश्व परिचित है। गुरु हमारे अंतर मन को आहत किये बिना हमें सभ्य जीवन जीने योग्य बनाते हैं। दुनिया को देखने का नजरिया गुरू की कृपा से मिलता है। पुरातन काल से चली आ रही गुरु महिमा को शब्दों में लिखा ही नही जा सकता। संत कबीर भी कहते हैं कि

सब धरती कागज करू, लेखनी सब वनराज।
सात समुंद्र की मसि करु, गुरु गुंण लिखा न जाए॥

गुरु पूर्णिमा के पर्व पर अपने गुरु को सिर्फ याद करने का प्रयास है। गुरू की महिमा बताना तो सूरज को दीपक दिखाने के समान है। गुरु की कृपा हम सब को प्राप्त हो। अंत में कबीर दास जी के निम्न दोहे से अपनी कलम को विराम देते हैं।

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान॥

गुरु पूर्णिमा का महत्व

पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।

गुरुपूर्णिमा का महत्व

गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरुपूर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर और कोई तिथि नहीं हो सकती। जो स्वयं में पूर्ण है, वही तो पूर्णत्व की प्राप्ति दूसरों को करा सकता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की भांति जिसके जीवन में केवल प्रकाश है, वही तो अपने शिष्यों के अंतःकरण में ज्ञान रूपी चंद्र की किरणें बिखेर सकता है। इस दिन हमें अपने गुरुजनों के चरणों में अपनी समस्त श्रद्धा अर्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए। गुरु कृपा असंभव को संभव बनाती है। गुरु कृपा शिष्य के हृदय में अगाध ज्ञान का संचार करती है।

गुरु पूर्णिमा / व्यास पूर्णिमा / मुड़िया पूनों आषाढ़ मास की पूर्णिमा को कहा जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की लाखों श्रद्धालु परिक्रमा देते हैं। बंगाली साधु सिर मुंडाकर परिक्रमा करते हैं क्योंकि आज के दिन सनातन गोस्वामी का तिरोभाव हुआ था। ब्रज में इसे मुड़िया पूनों कहा जाता है। आज का दिन गुरुपूजा का दिन होता है। इस दिन गुरु की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान हुए हैं परंतु व्यास ॠषि जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यास जी ही थे। अत- वे हमारे आदिगुरु हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने-अपने गुरुओं को व्यास जी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए।

वेद व्यास जयंती

गुरु पूर्णिमा जगत गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ॠचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप

गुरु की महिमा

गुरु को गोविंद से भी ऊंचा कहा गया है। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है। 'व्यास' का शाब्दिक संपादक, वेदों का व्यास यानी विभाजन भी संपादन की श्रेणी में आता है। कथावाचक शब्द भी व्यास का पर्याय है। कथावाचन भी देश-काल-परिस्थिति के अनुरुप पौराणिक कथाओं का विश्लेषण भी संपादन है। भगवान वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, 18 पुराणों और उपपुराणों की रचना की। ॠषियों के बिखरे अनुभवों को समाजभोग्य बना कर व्यवस्थित किया। पंचम वेद 'महाभारत' की रचना इसी पूर्णिमा के दिन पूर्ण की और विश्व के सुप्रसिद्ध आर्ष ग्रंथ ब्रह्मसूत्र का लेखन इसी दिन आरंभ किया। तब देवताओं ने वेदव्यासजी का पूजन किया। तभी से व्यासपूर्णिमा मनायी जा रही है। ''तमसो मा ज्योतिगर्मय'' अंधकार की बजाय प्रकाश की ओर ले जाना ही गुरुत्व है। आगम-निगम-पुराण का निरंतर संपादन ही व्यास रूपी सद्गुरु शिष्य को परमपिता परमात्मा से साक्षात्कार का माध्यम है। जिससे मिलती है सारूप्य मुक्ति। तभी कहा गया- ''सा विद्या या विमुक्तये।'' आज विश्वस्तर पर जितनी भी समस्याएं दिखाई दे रही हैं, उनका मूल कारण है गुरु-शिष्य परंपरा का टूटना। श्रद्धावाल्लभते ज्ञानम्। आज गुरु-शिष्य में भक्ति का अभाव गुरु का धर्म ''शिष्य को लूटना, येन केन प्रकारेण धनार्जन है'' क्योंकि धर्मभीरुता का लाभ उठाते हुए धनतृष्णा कालनेमि गुरुओं को गुरुता से पतित करता है। यही कारण है कि विद्या का लक्ष्य 'मोक्ष' न होकर धनार्जन है। ऐसे में श्रद्धा का अभाव स्वाभाविक है। अन्तत: अनाचार, अत्याचार, व्यभिचार, भ्रष्टाचारादि कदाचार बढ़ा। व्यासत्व यानी गुरुत्व अर्थात् संपादकत्व का उत्थान परमावश्यक है।

व्रत और विधान

इस दिन (गुरु पूजा के दिन) प्रातःकाल स्नान पूजा आदि नित्य कर्मों से निवृत्त होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरु के पास जाना चाहिए। गुरु को ऊंचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। इसके बाद वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गुरु के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञानता का अन्धकार दूर होता है। गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए। इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

प्रात: घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं। घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए। फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए। तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए। फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए। अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए।

आषाढ़ की पूर्णिमा को ही क्यों

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मानने का क्या राज़ है? धर्म जीवन को देखने का काव्यात्मक ढंग है। सारा धर्म एक महाकाव्य है। अगर यह तुम्हें खयाल में आए, तो आषाढ़ की पूर्णिमा बड़ी अर्थपूर्ण हो जाएगी। अन्यथा आषाढ़ में पूर्णिमा दिखाई भी न पड़ेगी। बादल घिरे होंगे, आकाश खुला न होगा। और भी प्यारी पूर्णिमाएं हैं, शरद पूर्णिमा है, उसको क्यों नहीं चुन लिया? लेकिन चुनने वालों का कोई खयाल है, कोई इशारा है। वह यह है कि गुरु तो है पूर्णिमा जैसा, और शिष्य है आषाढ़ जैसा। शरद पूर्णिमा का चांद तो सुंदर होता है, क्योंकि आकाश खाली है। वहां शिष्य है ही नहीं, गुरु अकेला है। आषाढ़ में सुंदर हो, तभी कुछ बात है, जहां गुरु बादलों जैसा घिरा हो शिष्यों से। शिष्य सब तरह के हैं, जन्मों-जन्मों के अंधेरे को लेकर आ छाए हैं। वे अंधेरे बादल हैं, आषाढ़ का मौसम हैं। उसमें भी गुरु चांद की तरह चमक सके, उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी रोशनी पैदा कर सके, तो ही गुरु है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा! वह गुरु की तरफ भी इशारा है और उसमें शिष्य की तरफ भी इशारा है। और स्वभावत- दोनों का मिलन जहां हो, वहीं कोई सार्थकता है।

विश्व कप 2023 के लिए श्रीलंका ने किया क्वालीफाई, जिम्बाब्वे को दी नौ विकेट से मात

हरारे (एजेंसी)। श्रीलंका की टीम ने शनिवार को आईसीसी विश्व कप के क्वालीफायर ईवेंट में दमदार प्रदर्शन करने के बाद विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। श्रीलंका की टीम ने क्वालीफायर इवेंट में अपने शानदार और अजेय प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी विश्व कप की टॉप 10 टीमों में अपनी जगह बना ली है। सुपर सिक्स मुकाबले में श्रीलंका ने मेजबान जिम्बाब्वे को जोरदार तरीके से हराया।

इस जीत के बाद अब श्रीलंका भारत में 5 अक्टूबर से होने वाले विश्व कप टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। इस मुकाबले में दिन की शुरुआत में ही श्रीलंका की टीम ने टॉस जीतकर मैच पर अपना कब्जा कर लिया। दिलशान मदुशंका और महेश थीक्षाना ने जिम्बाब्वे पर ऊपर हावी होकर उन्हें महज 165 रनों के छोटे स्कोर पर ही समेट दिया और बड़ा स्कोर करने का मौका नहीं दिया।

इसके बाद घरेलू टीम के पास करने के लिए कुछ नहीं था, और बाद में सलामी बल्लेबाजों की शतकीय साझेदारी के कारण पूरी तरह से बंद हो गई। श्रीलंका की टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के बल्लेबाजों पथुम निसांका ने अपने नाबाद शतक के साथ अकेले ही मोर्चा संभाला और केवल 33.1 ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट से जीत हासिल की।

क्वालीफायर के लिए मुकाबले में मदुशंका ने श्रीलंका के लिए नई गेंद से शानदार प्रदर्शन किया और कप्तान दासुन शनाका के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही ठहराया। उन्होंने अपने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट लिए। हालांकि चौथे विकेट के लिए जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स और सिकंदर रज़ा की जोड़ी ने अच्छा खेल दिखाया। उनकी 68 रन की साझेदारी के रास्ते में, पूर्व खिलाड़ी ने अपना अर्धशतक भी पूरा किया, लेकिन शनाका ने सफलता प्रदान की, इससे पहले थीकशाना ने 25 रन देकर 4 विकेट लेकर मध्य और निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया।

इस जीत के साथ श्रीलंका भारत में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली नौवीं टीम है। इस टूर्नामेंट के लिए अब सिर्फ एक टीम की जगह बची है। जिम्बाब्वे को अब अपना भाग्य अगले हफ्ते स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अंतिम सुपर सिक्स मैच के नतीजे पर निर्भर करना होगा।

शनाका ने मैच के बाद कहा कि क्वालीफायर में आना हमेशा कठिन होता है। लेकिन फिर भी यदि आप इस प्रक्रिया से गुजरते हैं, जिस टीम के साथ हम यहां आए हैं, तो हम जानते हैं कि हम क्वालीफाई करने जा रहे हैं।

नीरज ने संकेत दिया कि अब 19 अगस्त से शुरू होने वाले बुडापेस्ट विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेंगे

लुसाने (एजेंसी)। डायमंड लीग के लुसाने चरण में शीर्ष पर रहने वाले भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने संकेत दिया कि वह अब सीधे विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखेंगे जो 19 अगस्त से बुडापेस्ट में शुरू होगा। चोपड़ा इस दौरान किसी और प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगे। चोट के कारण लगभग एक महीने तक खेल से दूर रहे चोपड़ा ने डायमंड लीग के लुसाने चरण में शुक्रवार को 87.66 मीटर की दूरी के साथ लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने मौजूदा सत्र में पांच मई को दोहा में हुए शुरुआती डायमंड लीग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। लुसाने में जीत दर्ज करने के बाद चोपड़ा ने कहा, '' मेरे लिए बुडापेस्ट में होने वाली अगली प्रतियोगिता काफी बड़ी होगी।''

उन्होंने कहा, '' मैं यहां जीतना चाहता था इसलिए मैं नतीजे से बहुत खुश हूं लेकिन मैं फिर से अभ्यास करना चाहता हूं। मैंने कुछ खामियों को महसूस किया है और उसमें सुधार करना चाहता हूं। इससे मेरा खेल मजबूत होगा। '' उन्होंने लुसाने को अपने के लिए अच्छी किस्मत वाला शहर करार दिया। उन्होंने कहा, '' लुसाने मेरे लिए हमेशा अच्छा रहा है। पिछले साल भी मैंने यहां जीत दर्ज की थी और इस साल भी ऐसा ही हुआ। इसलिए मैं अगले साल फिर से आने और फिर से जीतने की उम्मीद कर रहा हूं।'' बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप का पुरुषों का भाला फेंक क्वालिफिकेशन राउंड 25 अगस्त को निर्धारित है। इसमें अभी 50 से अधिक दिन का समय है। चोपड़ा अगर उससे पहले किसी स्पर्धा में हिस्सा नहीं लेते है तो वह डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरणों जैसे सिर्फ दो बड़ी स्पर्धाओं में भाग लेने के बाद विश्व चैंपियनशिप में जाएंगे।

चोपड़ा ने अपनी अगली प्रतियोगिता के रूप में स्पष्ट तरीके से विश्व चैंपियनशिप का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया, लेकिन बुडापेस्ट में 19 से 27 सितंबर तक होने वाली चैम्पियनशिप से पहले डायमंड लीग का मोनाको चरण (21 जुलाई)के अलावा कोई बड़ा आयोजन नहीं है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि चोपड़ा पिछले महीने मांसपेशियों में आए खिंचाव से पूरी तरह उबर गए हैं। इस चोट के कारण उन्हें तीन शीर्ष स्पर्धाओं (विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेबल प्रतियोगिताओं) में भाग नहीं लिया था। इस अधिकारी ने कहा, ''वह पूरी तरह से फिट हैं। मुझे लगता है कि वह (विश्व चैंपियनशिप से पहले) प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। शायद, वह विश्व चैंपियनशिप पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।'' चोपड़ा ने 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था।

कमिंस ने पिंडली की चोट के साथ बल्लेबाजी नहीं करने को कहा था: लियोन

बुलावायो (एजेंसी)। लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर नाथन लियोन को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान उनके कप्तान पैट कमिंस ने पिंडली की चोट के कारण बल्लेबाजी नहीं करने को कहा था लेकिन यह अनुभवी ऑफ स्पिनर टीम के अपने साथियों का समर्थन करने के लिए बल्लेबाजी करने उतरा। अपना लगातार 100वां टेस्ट खेल रहे लियोन को लार्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के दौरान कैच लेने के प्रयास में दाएं पैर की पिंडली में चोट लगी थी। शनिवार को हालांकि वह मैच के चौथे दिन बल्लेबाजी करने उतरे और मिशेल स्टार्क के साथ अंतिम विकेट के लिए 15 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त को 370 रन तक पहुंचाया।

लियोन चार रन बनाकर आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 279 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 114 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। लियोन ने रविवार को 'सेन रेडियो' से कहा, ''पैट (कमिंस) ने शुरुआत में मुझे कहा था कि मैं बल्लेबाजी के लिए नहीं जाऊंगा।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मैंने (मुख्य कोच) एंड्रयू मैकडोनाल्ड और हमारी मेडिकल टीम से बात की और यह जानने का प्रयास किया कि मैं क्रीज पर कैसे उतर सकता हूं।'' ऑस्ट्रेलिया की ओर से 121 टेस्ट खेलने वाले लियोन ने कहा कि टीम के फिजियो के प्रयास से वह दूसरी पारी में 13 गेंद खेलने में सफल रहे। लियोन के नाम 496 टेस्ट विकेट दर्ज हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने फिजियो के साथ और पैर में टेप बांधकर यहां लार्ड्स में जिम में काफी समय बिताया जिससे कि क्रीज पर उतरने का प्रयास कर सकूं।''

पीसीबी ने विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए केन्द्र सरकार से मांगी मंजूरी

लाहौर : (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोड '(पीसीबी) ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की खातिर भारत आने के लिये प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर आधिकारिक मंजूरी मांगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पत्र में सलाह मांगी गई है कि पाकिस्तान टीम को भारत की यात्रा करने की अनुमति है या नहीं और क्या पाकिस्तानी सरकार टोह लेने के लिए एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजना चाहती है।

पाकिस्तान को अपने 9 लीग मैच पांच आयोजन स्थलों पर खेलने हैं। पीसीबी ने पाकिस्तान सरकार से पूछा है कि उसे इन आयोजन स्थलों से कोई आपत्ति है या नहीं। पीसीबी ने 26 जून को पत्र को एक आवश्यक कदम के रूप में लिखा था क्योंकि किसी भी अन्य देश के दौरे के विपरीत, भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत दौरे के लिए सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है। सरकार के लिए जवाब देने की कोई समय सीमा नहीं है लेकिन पाकिस्तान टीम सरकार की मंजूरी के बिना यात्रा नहीं करेगी।

पीसीबी ने सरकार के साथ पाकिस्तान टीम के 9 लीग मैचों की जानकारी भी साझा की है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाला मैच भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने कहा, 'पिछले मंगलवार को विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद हमने अंतर-प्रांतीय समन्वय (आईपीसी) मंत्रालय के माध्यम से अपने संरक्षक माननीय प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफको लिखा। विदेश मंत्रालय और आंतरिक मंत्रालय को भी पत्र लिखते हुए विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी का अनुरोध किया।'

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने 2016 पुरुष टी20 विश्व कप के बाद से भारत का दौरा नहीं किया है। दोनों टीमें एक दशक से किसी भी द्विपक्षीय श्रृंखला में भी आमने-सामने नहीं आए हैं और सिर्फ आईसीसी एवं एसीसी आयोजनों में मुकाबला करते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पहले ही सुझाव दिया था कि वह विश्व कप में टीम की भागीदारी का मूल्यांकन कर रहा है और उचित समय पर पीसीबी को अपने विचार से अवगत कराएगा।

भारत को लेकर सरकार के रुख पर कोई स्पष्ट स्थिति नहीं है, लेकिन हाल ही में विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी लगभग 12 वर्षों में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (साक) शिखर सम्मेलन के लिये भारत का दौरा करने वाले पहले उच्च स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी थे। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी चार जुलाई को भारत की मेजबानी में वीडियो-कॉन्फ्रेंस प्रारूप में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के प्रमुखों की परिषद (सीएचएस) की बैठक में भाग लेने वाले हैं।

पाकिस्तान में सत्तारूढ़ सरकार का कार्यकाल अगस्त में समाप्त होने वाला है इसलिए पीसीबी की भारत यात्रा से जुड़ा फैसला अगली सरकार के आने तक टल सकता है। वर्तमान सरकार संभवतः इस स्तर पर औपचारिक घोषणा नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि 2016 में भी नवाज़ शरीफ़ की सरकार ने पीसीबी को भारत दौरे की मंजूरी अंतिम वक्त पर ही दी थी। पीसीबी ने पाकिस्तान टीम की सुरक्षा के संबंध में भारत सरकार से आश्वासन नहीं मिलने पर टी20 विश्व कप से हटने की धमकी दी थी।

विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए मनु, दिव्यांश और ऐश्वर्य टीम में

ओलंपियन मनु भाकर, दिव्यांश सिंह पंवार और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर आगामी आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए चुनी गयी भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल रहे। हालांकि 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व युवा ओलंपिक चैम्पियन सौरभ चौधरी शनिवार को दो बड़े टूर्नामेंट के लिए घोषित टीम में जगह नहीं बना सके। देश में खेल की संचालन संस्था भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने अगस्त में अजरबेजान के बाकू में होने वाली आगामी विश्व चैम्पियनशिप और सितंबर में चीन के हांगजोऊ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा की। शॉटगन टीम की घोषणा पहले ही हो चुकी है। बाकू के लिए 22 सदस्यीय राइफल और पिस्टल रवाना होगी जिसमें 32 पेरिस ओलंपिक कोटे दाव पर लगे होंगे जबकि 21 सदस्यीय टीम हांगजोऊ जायेगी।मौजूदा पुरुष 10 मीटर एयर राइफल विश्व चैम्पियन रूद्रांक्ष पाटिल को चयन मापदंड में पेरिस कोटा विजेता के आधार पर एशियाई खेलों की टीम में शामिल किया गया। हांगजोऊ के लिए आशी चौकसे ने महिला एयर राइफल टीम में तिलोत्मा सेन की जगह ली। वह महिला राइफल की दोनों स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी क्योंकि शीर्ष तीन महिला एयर राइफल निशानेबाजों में से कोई भी थ्री पाजिशंस (3पी) में जगह नहीं बना सकी। एशियाई खेलों में पुरुष और महिल राइफल स्पर्धाओं में प्रत्येक में केवल पांच प्रविष्टियों को ही अनुमति दी जाती है। बाकी चयन ग्रुप ए राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल 5 और 6 के बाद की रैंकिंग के आधार पर हुआजो शुक्रवार को यहां डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खत्म हुए। लंबी समय बाद भारतीय टीम में वापसी करने की कोशिश कर रहे चौधरी ट्रायल्स का हिस्सा थे, लेकिन जगह नहीं बना सके।

चीन ने जीता महिला बास्केटबॉल एशिया कप का खिताब, पांच बार के चैंपियन जापान को हराया

सिडनी (एजेंसी)। चीन ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां रोमांचक फाइनल में पांच बार के गत चैंपियन जापान को 73-71 से हराकर 2012 के बाद पहला महिला बास्केटबॉल एशिया कप खिताब जीता। मध्यांतर के समय चीन की टीम पिछड़ रही थी और ऐसा लग रहा था कि गत चैंपियन टीम के खिलाफ फाइनल में उसे लगातार तीसरी बार हार का सामना करना पड़ेगा।

जापान ने पहले हाफ में अंतिम 14 अंक जुटाए और मध्यांतर तक टीम ने नौ अंक की बढ़त बना रखी थी। शू हेन ने तीसरे क्वार्टर में हालांकि चीन को लय दिलाई और टीम क्वार्टर के अंतिम लम्हों में बढ़त बनाने में सफल रही। चीन की टीम इसके बाद स्वर्ण पदक के लंबे इंतजार को खत्म करने में सफल रही। शू ने मैच में 26 जबकि सियू वैंग ने 17 अंक जुटाए।

जापान की ओर से माकी तकादा ने 17 जबकि साकी हयाशी ने 12 अंक हासिल किए। इससे पहले शनिवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 81-59 से हराकर लगातार तीसरी बार कांस्य पदक जीता।

भारत सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचा, कुवैत से होगी भिड़ंत

बेंगलुरु। भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां लेबनान को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर सैफ चैम्पियनशिप फाइनल में प्रवेश किया। अब चार जुलाई को फाइनल में मेजबान टीम का सामना कुवैत से होगा जिसने दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 1-0 से पराजित किया। भारतीय टीम ने लगातार सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाई। भारत और लेबनान निर्धारित समय के बाद एक्स्ट्रा टाइम में भी गोल नहीं कर सकीं जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम के लिए करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री, अनवर अली, नाओरेम महेश सिंह और उदांता सिंह कुमाम ने गोल किए। वहीं लेबनान के लिए वालिद शऊर और मोहम्मद सादेक ही गोल कर सके जबकि हसन मातोक और खलील बदेर चूक गए।

हॉकी इंडिया एचआईएल को 2024 या 2025 में नये रूप में शुरू करने की तैयारी में

नयी दिल्ली।(एजेंसी)। हॉकी इंडिया सात साल के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी-आधारित लीग को पुनर्जीवित करने की कोशिश में है जिससे बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) अगले साल या 2025 की शुरुआत में एक नये अवतार में शुरू हो सकती है। एचआईएल को 2017 में वित्तीय मुद्दों और टीम मालिकों के असहयोग के कारण निलंबित कर दिया गया था। हॉकी इंडिया इस लीग को पेरिस ओलंपिक के बाद आयोजित करने की योजना बना रहा है जिसमें पहली बार महिलाओं के मुकाबले भी होंगे। पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की के नेतृत्व में हॉकी इंडिया ने एचआईएल के माध्यम से उभरते हुए खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करके देश में हॉकी परिदृश्य को फिर से जीवित करने की योजना बनाई है।

हॉकी इंडिया ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से अगले साल टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए विंडो (समय) की मांग की है और वह इस खेल के वैश्विक निकाय से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। टिर्की ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, '' हमें अभी तक कोई विंडो नहीं मिली है, लेकिन हमने एफआईएच से एक विंडो मांगी है। हमने ओलंपिक के बाद अगले साल दिसंबर या 2025 जनवरी में एक विंडो मांगी है।'' उन्होंने कहा, '' हमें अब भी एफआईएच से आधिकारिक जवाब का इंतजार है। उन्होंने कहा, ''हम इस बार पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एचआईएल आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

पहले यह सिर्फ पुरुषों के लिए होता था लेकिन हम चाहते हैं कि हमारी महिला खिलाड़ियों को भी अनुभव मिले।'' हॉकी इंडिया की योजना इस लीग को पुरुष वर्ग में आठ टीमों और महिला वर्ग में चार टीमों के साथ कराने की है। हॉकी इंडिया ने इस लीग के वाणिज्यिक और विपणन भागीदार के तौर पर 'बिग बैंग मीडिया वेंचर्स' से करार किया है। टिर्की ने कहा, '' एचआईएल से देश के युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के खेल का अनुभव मिलेगा। यह उनके लिए बड़ा मंच होगा क्योंकि दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने से बहुमूल्य अनुभव मिलेगा।'' पता चला है कि लीग की भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए हॉकी इंडिया पांच जुलाई को अपने वाणिज्यिक भागीदारों सहित खेल के सभी हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी पुष्टि की कि एचआईएल को अगले साल एक नये तरीके से पेश किया जाएगा और राष्ट्रीय महासंघ लीग को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। भोला नाथ ने कहा, ''एचआईएल हमारे बच्चे की तरह है और हम इसे बड़े पैमाने पर वापस लाना चाहते हैं। यह हमारे चुनावी एजेंडे में से एक था और हम इसे सफल बनाने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं।'' एचआईएल की शुरुआत 2013 में छह टीमों के साथ हुई थी। इसे जनवरी और फरवरी के महीने में खेला जाता था।

बैडमिंटन जूनियर एशिया चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम होगी इंडोनेशिया के लिए रवाना

पंचकूला। भारत की 18 सदस्यीय बैडमिंटन टीम यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में दो सप्ताह के कड़े प्रशिक्षण शिविर के बाद जूनियर एशिया चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मंगलवार को इंडोनेशिया के लिए रवाना होगी। इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का आयोजन सात से 16 जुलाई तक इंडोनेशिया के योग्यकार्ता में होगा। चौदह दिनों तक चले इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान खिलाड़ियों को खेल और फिटनेस प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा।

इस शिविर का आयोजन आरईसी लिमिटेड, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने मिलकर किया था। बीएआई महासचिव संजय मिश्रा ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''इस दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर ने टूर्नामेंट से पहले अच्छी तैयारी करने में मदद की है। मुझे विश्वास है कि इस शिविर ने टीम को एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने में भी मदद की है।'' भारतीय टीम टूर्नामेंट में ग्रुप सी में है। इस ग्रुप में मलेशिया, बांग्लादेश और हांगकांग की टीमें भी है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेगी। भारत ने अतीत में दो स्वर्ण पदक, एक रजत पदक और एक कांस्य पदक जीता है। पीवी सिंधू ने 2012 जबकि लक्ष्य सेन ने 2108 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम- बालक एकल- लक्ष्य शर्मा, समरवीर, आयुष शेट्टी और ध्रुव नेगी। बालिका एकल- रक्षिता श्री एस, श्रियांशी वलीशेट्टी, तारा शाह और अनमोल खरब। बालक युगल- निकोलस नाथन राज/तुषार सुवीर और दिव्यम अरोड़ा/मयंक राणा। बालिका युगल- राधिका शर्मा/तन्वी शर्मा और कर्णिका श्री एस/तनिषा सिंह। मिश्रित युगल- समरवीर/राधिका शर्मा और अरुलमुर्गन आर/श्रीनिधि एन।

मुझे चयनकर्ताओं से कोई शिकायत नहीं...मैं अपना बेहतर प्रदर्शन जारी रखूंगा: जैक्सन

मुंबई (एजेंसी)। रणजी में बढ़िया प्रदर्शन के बाद भी टीम इंडिया में जगह न मिल पाने की बात लंबे समय से भारतीय क्रिकेट गलियारों में चल रही है। बीते दिनों जब विंडीज के खिलाफ टीम इंडिया का चुनाव हुआ तब उसमें सरफराज खान का नाम न आने के कारण यह चर्चाएं एक बार फिर से प्रखर हो गई हैं। इसी बीच 37 साल के घरेलू क्रिकेटर शैल्डन जैक्सन का कहना है कि उन्होंने अभी भी हार नहीं मानी है। मैं मेहनत करता रहूंगा और धोनी और दिनेश कार्तिक से प्रेरणा लेकर घरेलू टीम से बढ़िया प्रदर्शन करना जारी रखने वाला हूं।

सौराष्ट्र की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले जैक्सन ने 2011 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया था। तब से वह 6600 से अधिक रन बना चुके हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बढ़िया प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन इसके बाद अभी तक टीम इंडिया के दरवाजे उनके लिए खुले नहीं है। जैक्सन ने अगस्त 2022 में अपने आधिकारिक ट्विटर प्रोफाइल पर लिखा था कि मुझे यह विश्वास करने और सपने देखने का अधिकार है कि अगर मैंने लगातार 3 सीजन में प्रदर्शन किया है, तब मुझे मेरे प्रदर्शन के आधार पर चुना जाए। मैं यह सुनकर थक गया हूं कि मैं एक अच्छा खिलाड़ी और कलाकार हूं लेकिन मैं बूढ़ा हो गया हूं। मैं 75 का नहीं 35 का हूं।

फिलहाल जैक्सन ने अब कहा है कि वह दिनेश कार्तिक और एमएस धोनी से प्रेरणा लेते हैं। मैं केकेआर में कार्तिक के साथ था और मैंने उनका पूरा बदलाव देखा है। वह मेरे लिए एक सच्ची प्रेरणा हैं और मेरे करियर के जिस पड़ाव पर मैं हूं, वह मेरे लिए एक प्रेरणा हैं। जैक्सन ने कहा कि अगर मुझमें क्रिकेट न होती तो मैं 100 प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेल पाता। यदि आपको ऐसा मौका नहीं मिलता है जिससे आप प्रभाव छोड़ सकें तो मैं कभी भी किसी के चयन पर टिप्पणी नहीं कर सकता।

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार, फिर भी ज्यादा महंगाई

- लाखों लोग बेहतर जिंदगी की तलाश में वेनेजुएला से पलायन कर गए

AGENCY NEW DELHI :

दक्षिण अमेरिका देश वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। एक अनुमान के मुताबिक इस देश में दुनिया के कुल क्रूड रिजर्व का 18.2 फीसदी हिस्सा है। यहां पेट्रोल की कीमत दुनिया में सबसे कम है। एक लीटर पेट्रोल के लिए आपको केवल 0.02 डॉलर यानी 1.65 रुपए खर्च करने होंगे। यानी वेनेजुएला में आपको 35 लीटर की टंकी फुल करने के लिए 57.75 रुपये खर्च करने होंगे। कभी यह देश दुनिया के सबसे अमीर देशों में शुमार था। लेकिन आज इसकी पहचान दुनिया में एक ऐसे देश के तौर पर है जहां सबसे ज्यादा महंगाई है। खाने-पीने की चीजों की कीमत आसमान छू रही है। हालत यह है कि देश के लाखों लोगों को भूखे पेट सोना पड़ रहा है। लाखों लोग बेहतर जिंदगी की तलाश में वेनेजुएला से पलायन कर गए हैं। वेनेजुएला में खाने-पीने की चीजें इतनी महंगी हैं कि अमीर लोगों के लिए भी दो जून की रोटी जुटाना भारी पड़ रहा है। कई गरीब लोग तो पेट भरने के लिए कचरे में पड़ी जूठन को खाने के लिए मजबूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वेनेजुएला में महंगाई की दर 429 फीसदी है। यह दुनिया में सबसे अधिक है। भारत में यह 4.25 फीसदी है। यानी भारत की तुलना में वेनेजुएला में महंगाई 100 गुना से ज्यादा है। 1990 के दशक में वेनेजुएला साउथ अमेरिका का पावरहाउस हुआ करता था। 1997 में जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन साउथ अमेरिका के दौरे पर निकले थे तो उनका पहला पड़ाव वेनेजुएला ही था। लेकिन 1999 में ह्यूगो शावेज के राष्ट्रपति बनने के बाद देश में समाजवादी व्यवस्था लागू हुई।

मप्र सरकार ने केले की खेती करने वाले किसानों को दी राहत

AGENCY NEW DELHI :

मध्य प्रदेश सरकार ने चुनावी साल में केले की खेती करने वाले किसानों को राहत देने का फैसला किया है। कैबिनेट की हालिया बैठक में केला किसानों के फसल नुकसान का मुआवजा दोगुना करने का निर्णय लिया गया। इससे किसानों को कुछ हद तक राहत मिलेगी लेकिन केले की फसल का बीमा किए जाने की उनकी मांग अब भी अधूरी है। कैबिनेट ने रेवेन्यू बुक सर्कुलर में संशोधन करके केले की फसल के नुकसान पर दिए जाने वाले मुआवजे को बढ़ाने का निर्णय लिया है। फसल को 25-33 फीसदी नुकसान होने पर 30,000 रुपए प्रति हेक्टेयर, 33-50 फीसदी नुकसान पर 54,000 रुपए प्रति हेक्टेयर और 50 फीसदी से अधिक नुकसान पर दो लाख रुपए प्रति हेक्टेयर देने की बात कही गई है। फसल नुकसान पर अधिकतम मुआवजे की सीमा भी पहले के 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 6 लाख रुप, कर दी गई है।

मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र में केले की खेती की जाती है और पश्चिम एशिया के देशों में केले का निर्यात भी किया जाता है। इनमें मुख्य रूप से धार, बड़वानी और बुरहानपुर आदि जिले आते हैं। बताया जा रहा है कि अप्रैल में हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण कई जगह पर केले की फसल को नुकसान पहुंचा था। उस समय केला पककर तैयार हो गया था।

(शेयर बाजार समीक्षा) वैश्विक और एफआईआई के रुख से तय होगी बाजार की चाल

– रुपए के प्रदर्शन, कच्चे तेल की कीमत और डीआईआई की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी

AGENCY MUMBAI :

बीते सप्ताह 2.8 प्रतिशत की छलांग लगाकर ऊंचाई के नए शिखर पर पहुंचे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह चाल निर्धारित करने में वैश्विक घटनाक्रम, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रुख और वाहन बिक्री आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1739.19 अंक (2.8 प्रतिशत) की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 64718.56 अंक के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 523.55 अंक (2.8 प्रतिशत) की तेजी लेकर 19189.05 अंक के नए शिखर पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई।

इससे मिडकैप 798.86 अंक अर्थात 2.9 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 28776.20 अंक स्मॉलकैप 611.96 अंक (9 प्रतिशत) चढ़कर 32602.14 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के उम्मीद से अधिक दो प्रतिशत रहने और बेरोजगारी काम होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की उम्मीद बढ़ी है। इसके साथ ही इस सप्ताह रूस यूक्रेन संकट के अलावा अन्य वैश्विक घटनाक्रम पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में रुपए के प्रदर्शन, कच्चे तेल की कीमत और एफआईआई एवं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी। एफआईआई जून में कुल 27,250.01 करोड़ रुपए के लिवाल रहे। इसी तरह डीआईआई का कुल निवेश 4,458.23 करोड़ रुपए रहा।

घरेलू स्तर पर अगले सप्ताह जून में वाहनों की हुई बिक्री के आंकड़े आने वाले हैं। साथ ही मई में आठ बुनियादी उद्योग के उत्पादन, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह के जारी हो चुके आंकड़े के साथ ही एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के विलय की भी इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में अहम भूमिका रहेगी। हालांकि इस सप्ताह बाजार में ऊंचे भाव पर मुनाफावसूली होने की भी संभावना है।

जीएसटी कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ से ज्यादा

AGENCY NEW DELHI :

जून में जीएसटी संग्रह 12 प्रतिशत बढ़कर 1.61 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। वित्त मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। खास बात है कि 6 साल पहले 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी कर व्यवस्था लागू होने के बाद से सकल कर संग्रह चौथी बार 1.60 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि 2021-22, 2022-23 और 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह क्रमशः 1.10 लाख करोड़ रुपए 1.51 लाख करोड़ रुपए और 1.69 लाख करोड़ रुपए है। बयान में कहा गया कि जून 2023 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,61,497 करोड़ रुपए है। इसमें केंद्रीय जीएसटी 31,013 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 38,292 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी 80,292 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 39,035 करोड़ रुपए सहित) है। इसके अलावा उपकर 11,900 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 1,028 करोड़ रुपए सहित) है। राजस्व संग्रह जून 2023 में पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 12 प्रतिशत अधिक है। समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन से राजस्व सालाना आधार पर 18 प्रतिशत अधिक रहा। इससे पहले अप्रैल में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मई में यह 1.57 लाख करोड़ रुपए था।

वहीं नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का मुनाफा 2022-23 में बढ़कर 1.04 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2014 के 36,270 करोड़ रुपए की तुलना में तीन गुना है।

नेपाल में इंडियन करेंसी को लेकर मचा बवाल

– भारत और नेपाल के आम लोगों पर पड़ रहा प्रभाव, क्या करेंगे व्यापारी?

AGENCY NEPAL :

नेपाल में इन दिनों इंडियन करेंसी को लेकर उथल-पुथल मचा है। इसका सीधा असर भारत और नेपाल के आम लोगों पर पड़ रहा है। बेटी-रोटी का रिश्ता रखने वाले भारत और नेपाल के सीमाई इलाके में रहने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी हो रही है। सीमावर्ती इलाके के अधिकांश लोग भारतीय बाजार पर निर्भर हैं और यहां के दुकानदार उनपर निर्भर है। दरअसल नेपाल में इंडियन करेंसी पर अघोषित प्रतिबंध की वजह से सीमा से सटे बाजार में दुकान चलाने वाले लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि नेपाल के प्रशासन के द्वारा ही कार्रवाई की जा रही है। यहां से आने-जाने वाले लोगों की जांच की जा रही है। एक निश्चित मात्रा में ही सामान जाने दिया जा रहा है। एक व्यापारी ने बताया कि हाल के दिनों में भारत सरकार के द्वारा दो हजार के नोट को प्रतिबंधित कर देने के बाद से ज्यादा बखेड़ा खड़ा हुआ है। नेपाल से भारत में आने वाले व्यापारी और ग्राहक 100 रुपए से ऊपर का नोट नहीं ले रहे हैं। नेपाल के लोगों का कहना है कि इंडियन करेंसी का मार्केट वैल्यू कम हो गई है। इसलिए अब इंडियन करेंसी में सामान खरीदारी नहीं करेंगे। पहले खरीदारी करते थे तो जिस 100 रुपए का वह 160 रुपए दिया करते थे, लेकिन अब 150 रुपएही देने को तैयार हैं। इसके चलते स्थानीय व्यापारी के अलावा भारत से नेपाल जाने वाले आम नागरिक को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है कपड़ा व्यापारी का कहना है कि पहले 1000 भारतीय नोटों का 1600 रुपया होता था, लेकिन बीते कुछ महीनों से 1600 रुपए की जगह 1550 रुपए ही बन रहा है। उन्होंने बताया कि 100 रुपए से ऊपर का नोट नेपाल में पहले से प्रतिबंधित है। सरकार के द्वारा यह पहले से घोषित है, लेकिन आपसी भाईचारा और बेटी-रोटी के संबंधों की वजह से 200, 500 और 2000 के नोटों को भी प्रचलन में लाया जा रहा था। जब से 2000 का नोट बंद हुआ है तब से नेपाल के लोग 100 से ऊपर का नोट नहीं ले रहे हैं। उनको यह भी डर है कि कहीं 200 और 500 के नोट भी बंद न हो जाएं।

जून में एफपीआई का निवेश 10 महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में भारतीय इक्विटी में 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह राशि पिछले 10 महीने में सबसे अधिक है। एक वित्तीय परामर्श कंपनी ने हालांकि कहा कि जुलाई में निवेश कम हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की हालिया टिप्पणियों से एफपीआई सतर्क रुख अपना सकते हैं। एफपीआई आगे चलकर थोड़ा सतर्क हो सकते हैं, क्योंकि देश में मूल्यांकन अल्पकालिक नजरिए से थोड़ा अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक जून में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इक्विटी में एफपीआई निवेश मई में 43,838 करोड़ रुपए, अप्रैल में 11,631 करोड़ रुपए और मार्च में 7,936 करोड़ रुपए था। इससे पहले एफपीआई ने जनवरी और फरवरी में इक्विटी से शुद्ध रूप से 34,000 करोड़ रुपए निकाले थे।

कई हवाई मार्गों का किराया घटा, और भी होगा कम

नई दिल्ली । नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर किए गए विश्लेषण में यह जानकारी मिली है कि दिल्ली-मुंबई सहित विभिन्न हवाई मार्गों पर किराया कम हुआ है। हाल के वर्षों में कुछ विशिष्ट मार्गों पर हवाई किराए में भारी उछाल आया था। यह बदलाव मुख्य रूप से गोफर्स्ट का परिचालन निलंबित होने के बाद आया। डीजीसीए की यातायात निगरानी इकाई के आंकड़ों के अनुसार 10 मार्गों में से दिल्ली-मुंबई मार्ग पर औसत हवाई किराए में 6 जून की तुलना में 29 जून को 74 प्रतिशत गिरावट आई है। इस दौरान दिल्ली-पुणे मार्ग पर हवाई किराए में 70 प्रतिशत, दिल्ली-अहमदाबाद मार्ग पर 72 प्रतिशत और दिल्ली-श्रीनगर मार्ग पर 36 प्रतिशत गिरावट हुई है। हालांकि इस दौरान, कुछ मार्गों पर किराए में बढ़ोतरी भी हुई। मुंबई-दिल्ली और पुणे-दिल्ली मार्गों पर औसत किराया क्रमशः23 प्रतिशत और 17 प्रतिशत बढ़ा है। इसी महीने कई मार्गों पर हवाई किराया बढ़ गया था, जिसके बाद नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों से उचित कीमत सुनिश्चित करने के लिए प्रणाली स्थापित करने को कहा था। भारत में हवाई किराया नियंत्रित नहीं है और व्यापक रूप से यह मांग-आपूर्ति की स्थिति पर निर्भर करता है। 12 जून को केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि किराए में 60 प्रतिशत तक की कमी की गई है और कुछ मार्गों पर किराए में और गिरावट होने की संभावना है, जहां किराए में वृद्धि देखी गई थी। वहीं डीजीसीए भी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है।

कोल इंडिया का 78 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य: चेयरमैन

नई दिल्ली । कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के नए चेयरमैन पीएम प्रसाद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता चालू वित्त वर्ष में 78 करोड़ टन कोयला उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करना है। प्रसाद ने एक जुलाई को सीआईएल के चेयरमैन का कार्यभार संभाला था। उन्होंने 30 जून, 2023 को सेवानिवृत्त हुए प्रमोद अग्रवाल का स्थान लिया है। कोल इंडिया ने एक बयान में कहा कि चेयरमैन ने अपनी प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सीआईएल सभी के प्रयासों से वित्त वर्ष 2023-24 में 78 करोड़ टन कोयला उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। सीआईएल ने पिछले वित्त वर्ष में 70.3 करोड़ टन कोयला का उत्पादन किया था। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र के लिए कोयले की निर्बाध आपूर्ति उनकी दूसरी प्राथमिकता होगी। प्रसाद इससे पहले सीआईएल की झारखंड स्थिति शाखा सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के चेयरमैन थे। कोयला मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली कोल इंडिया की कुल आठ अनुषंगी इकाइयां हैं।

प्रीमियम बाइक और स्कूटर खंड में अच्छी मांग रहेगी: टीवीएस मोटर्स

नई दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी को अर्थव्यवस्था की मजबूती और सड़क अवसंरचना में लगातार सुधार के कारण चालू वित्त वर्ष में उसकी वृद्धि रफ्तार बरकरार रहने की उम्मीद है। कंपनी के अनुसार 2023-24 में निर्यात बढ़ने के कारण प्रीमियम बाइक और स्कूटर खंड में अच्छी मांग रहेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों से भी समर्थन मिलेगा। टीवीएस मोटर्स ने 2022-23 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए उसका आशावादी नजरिया है। इस बात को लेकर आम सहमति है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत की वृद्धि दर अग्रणी रहेगी। इसके साथ ही सड़क अवसंरचना में सुधार के कारण दोपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी रहेगी। टीवीएस ने 2022-23 में सालाना आधार पर 22.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि इस दौरान उद्योग का औसत 15.5 प्रतिशत था। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि अल नीनो के कारण मानसून प्रभावित होने की स्थिति में ग्रामीण क्षेत्र में बिक्री कुछ प्रभावित हो सकती है।

मेड इन इंडिया बाइक हार्ले-डे विडसन 3 जुलाई को होगी लांच

नई दिल्ली । मेड इन इंडिया बाइक हार्ले-डे विडसन एक्स-440 26 मई को पेश की गई थी। इस बाइक को हीरो मोटो कॉर्प के साथ मिलकर बनाया गया है। जून में कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू की थी। इच्छुक ग्राहक 25000 रुपए की टोकन मनी देकर इसे बुक कर सकते हैं। अब 3 जुलाई को हार्ले-डे विडसन लॉन्च होने जा रही है। जानकारी के मुताबिक इस मोटरसाइकिल का प्रोडक्शन, बिक्री और सर्विस हीरो मोटोकॉर्प द्वारा की जाएगी। इस बाइके में 440 सीसी का एयर कूल्ड लिक्विड इंजन दिया जा सकता है, जो रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 की तुलना में अधिक पावरफुल और टॉर्की हो सकता है। इसमें 6 स्पीड गियरबॉक्स दिया जा सकता है। डिजाइन एक रोडस्टर का है। इसके फ्रंट में सर्कुलर हेडलैंप, स्क्वायरिश फ्यूल टैंक, अलॉय व्हील और रेक्टेंगुलर एलईडी टेल लैंप है। इसके टायर एमआरएफ से लिए गए हैं और ऐसा लगता है कि पहियों का आगे का हिस्सा 18 इंच और पीछे का 17 इंच का है। बाइक की कीमत 2.5 से 3 लाख रुपए एक्स-शोरूम के बीच हो सकती है।

इनकम टैक्स विभाग पेन-आधार लिंकिंग पर देगा बड़ी राहत!

AGENCY NEW DELHI :

पेन से आधार कार्ड को लिंक करने की 30 जून को अंतिम तारीख थी। कई लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि इनकम टैक्स` विभाग इसकी तारीख को आगे बढ़ाएगा। फिलहाल डेडलाइन को लेकर इनकम टैक्स की तरफ से कोई अपडेट नहीं आया है लेकिन आयकर विभाग ने एक ट्वीट में पैन धारकों द्वारा आधार लिंकिंग के लिए शुल्क के भुगतान के बाद चालान डाउनलोड करने में कठिनाई की रिपोर्ट की गई घटनाओं पर सफाई दी। आयकर विभाग ने अपने ट्वीट में कहा कि ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां देखा गया है कि पैन होल्डर्स को पैन-आधार लिंकिंग के लिए फीस की पेमेंट करने के बाद चालान डाउनलोड करने में दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे मामलों के लिए ये जानकारी दी जा रही है कि इनकम टैक्स पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद ई-पे टैक्स टैब में चालान पेमेंट का स्टेटस चेक किया जा सकता है। अगर पेमेंट सफल रहा है तो पैन होल्डर पैन को आधार से लिंक करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं। ऐसे मामलों में जिनमें पैन कार्ड होल्डर ने पेमेंट कर दिया है और सहमति दे दी है, लेकिन 30 जून तक उनकी लिंकिंग नहीं हुई है, उनके मामलों पर डिपार्टमेंट की ओर से विचार किया जाएगा और उन्हें राहत दी जाएगी। इनकम टैक्स विभाग ने कहा कि पैन से आधार को जोड़ने के लिए चालान रसीद को डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है। पैन होल्डर जैसे ही सक्सेसफुली पेमेंट पूरा करता है, चालान की कॉपी के साथ एक ईमेल उन्हें भेजा जा रहा है। अलग से इसे डाउनलोड करने की जरूरत नहीं है। 30 जून को इसे लिंक कराने की अंतिम तारीख थी। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति इस तारीख तक अपने आधार को पैन से लिंक नहीं करवा पाया है और वह इसे बाद की तारीख में लिंक करना चाहता है, तो आयकर डिपार्टमेंट को जुर्माना भुगतान के बाद, दोनों को लिंक किया जा सकता है।

भारत पेट्रोलियम ने चंडीगढ़ को जीरो कैश सिटी बनाने का किया फैसला

- 15 अगस्त तक चंडीगढ़ को 100 प्रतिशत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने का लक्ष्य

AGENCY CHANDIGARH :

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने चंडीगढ़ को अब जीरो कैश सिटी बनाने का फैसला किया है। शहर के उपभोक्ता लेन-देन को 100 प्रे तिशत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लेकर आया है। इसके लिए कंपनी ने 1 जुलाई 2023 से मेगा डिजिटल अभियान शुरू किया है। 15 अगस्त 23 तक चंडीगढ़ में सभी उपभोक्ता लेनदेन को 100 प्रे तिशत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। इस पहल का बड़ा उद्देश्य डिजिटल भुगतान और बुकिंग सुविधाओं को अपनाकर ग्राहकों की सुविधा बढ़ाना है। इस पहल की शुरुआत बीपीसीएल हैड एलपीजी नॉर्थ रंजन नायर ने स्टेट हैड एलपीजी पंजाब, एचपी के साथ की। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के मैनाक मुखर्जी और क्षेत्रीय प्रबंधक लालडू पंकज राठौड़ भी मौजूद रहे। इस दौरान बीपीसीएल हैड एलपीजी नॉर्थ नायर ने सभी एलपीजी उपभोक्ताओं से बुकिंग और भुगतान के डिजिटल साधनों को अपनाने का आग्रह किया। ऑनलाइन भुगतान करने और भारत गैस सिलेंडर को डिजिटल रूप से बुक करने के लिए बीपीसीए ने एमेजोन, पेटीएम, गूगल-पे, फोन-पे, बीपीसीए के एआई सक्षम चैटबोट ऊर्जा जैसे सभी प्रमुख प्लेटफार्मों पर भुगतान और बुकिंग सुविधाएं प्रदान की हैं जो ग्राहकों के डिजिटल अनुभव को बढ़ाती है। ऊर्जा देश के तेल और गैस उद्योग में पहला एआई-संचालित चैटबॉट है। जीरो कैश सिटी के लॉन्च में वितरकों और उपभोक्ताओं का जोश और भागीदारी बहुत अधिक दिखाई दे रही थी। कंपनी की वेबसाइट और व्हाट्सएप नंबर के साथ एकीकृत उर्जा चैटबोट द्वारा प्रदान की जाने वाली एलपीजी सेवाएं इस प्रकार हैं। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग।एलपीजी सिलेंडर की कीमत और एलपीजी सिलेंडर के भुगतान के बारे में जानें। बुक किए गए एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी स्थिति और रीफिल इतिहास। एलपीजी वितरक बदलें। मोबाइल नंबर अपडेट करें। भारत गैस वितरकों से मैकेनिक सेवाओं जैसी सेवाओं का अनुरोध करें। डबल बोतल कनेक्शन का अनुरोध करें आपातकालीन एवं शिकायतें, प्रतिक्रियाए इत्यादि।

ईरान चीन, रूस के साथ शंघाई गठबंधन में होगा शामिल: रूसी विदेश मंत्री

नई दिल्ली ।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि ईरान को चीन, रूस और मध्य एशियाई देशों के साथ क्षेत्रीय शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य के रूप में औपचारिक रूप से मंजूरी दी जाएगी। लावरोव ने मॉस्को में एससीओ केंद्र के उदघाटन के मौके पर कहा कि 4 जुलाई को राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में ईरान की पूर्ण सदस्यता को मंजूरी दी जाएगी। ईरान ने हाल के महीनों में अपने अलगाव को कम करने, अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार करने और परियोजना की ताकत बढ़ाने के लिए दोस्तों और दुश्मनों के साथ समान रूप से अपनी कूटनीति तेज कर दी है। एससीओ की सदस्यता पहले से ही कार्ड पर थी और ईरान को भी जल्द ही एक अन्य समूह में स्वीकार किए जाने की उम्मीद है जिसमें पश्चिमी देशों को शामिल नहीं किया गया है। एससीओ, जिसका मुख्यालय चीन में है, एक राजनयिक संगठन है जिसमें भारत और पाकिस्तान सहित आठ सदस्य हैं। क्रेमलिन सहयोगी बेलारूस भी शामिल होने के लिए आवेदन कर रहा है और लावरोव ने कहा कि अगले सप्ताह का आभासी शिखर सम्मेलन उस सदस्यता को आगे बढ़ाने के लिए प्रक्रिया शुरू करेगा।

फिर सोशल मीडिया यूजर्स के साथ आँख-मिचौली खेलती नजर आईं इलियाना डिक्रूज

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज का सोशल मीडिया यूजर्स के साथ आँख-मिचौली का गेम जारी है। अभिनेत्री अपने बच्चे के पिता का चेहरा दुनिया को नहीं दिखा रही हैं, लेकिन उनकी झलक शेयर करके लोगों की उत्सुकता जरूर बढ़ा देती हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक स्टोरी लगाई, जिसमें उन्होंने अपने होने वाले बच्चे के पिता की तस्वीरें लगाते हुए लोगों को उनकी झलक दिखाई। तस्वीर में, इलियाना के बच्चे के पिता अपने पेट डॉग को प्यार करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर चर्चा का माहौल एक बार फिर गर्म कर दिया। यूजर्स अभिनेत्री से उनके होने वाले बच्चे के पिता के बारे में पूछ रहे हैं। इलियाना डिक्रूज ने अप्रैल 18 को एक पोस्ट के जरिए अपने प्रेग्नेंट होने की घोषणा की थी। इस पोस्ट में उन्होंने अपने होने वाले बच्चे के पिता का कोई भी जिक्र नहीं किया था। हालाँकि, घोषणा के बाद से बीच-बीच में अभिनेत्री अपने होने वाले बच्चे के पिता की झलक शेयर करती रही हैं। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स को इलियाना के बॉयफ्रेंड के नाम का इंतजार है। सोशल मीडिया पर उड़ रही अफवाहों की मानें तो इलियाना डिक्रूज किसी और नहीं बल्कि अभिनेत्री कैटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल को डेट कर रही हैं। दोनों को कैटरीना के बर्थडे हॉलिडे पर साथ में स्पॉट किया गया था। इलियाना ने भले ही अपने होने वाले बच्चे के पिता के नाम की घोषणा नहीं की है, लेकिन लोगों को पूरा यकीन है कि वो सेबेस्टियन ही है।

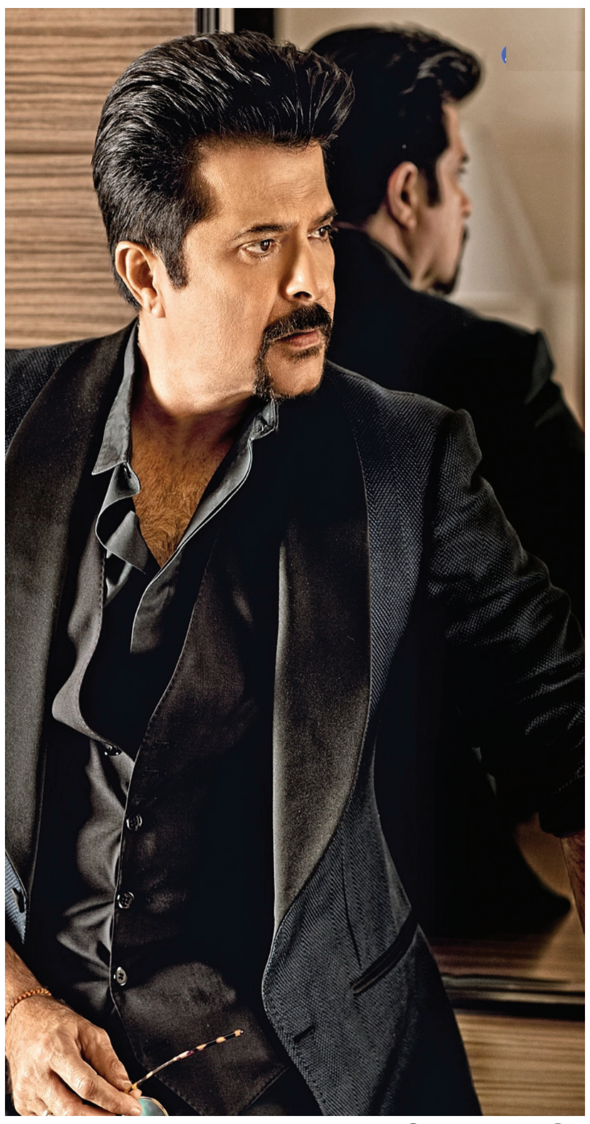

ग्राज़िया मिलेनियल अवार्ड्स 2023

रेड कार्पेट पर अप्सरा बनकर उतरी दिशा पाटनी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी एक बार फिर से अपनी हॉटनेस की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने रविवार को अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में, दिशा पिंक कलर की साड़ी जैसी दिखने वाली बड़ी ही सेक्सी ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। कम मेकअप और खुले बालों के साथ उन्होंने अपने एक्स्ट्रा सेक्सी लुक को कम्प्लीट किया है। इस आउटफिट में अभिनेत्री हमेशा की तरह कहर ढा रही हैं।

दिशा पाटनी के फैंस को उनका ये लुक काफी पसंद आ रहा है। अभिनेत्री की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। उनकी हॉट अदाओं ने यूजर्स के होश उड़ा दिए हैं। बता दें, दिशा ने बीती रात ग्राज़िया मिलेनियल अवार्ड्स 2023 में शिरकत की थी। उन्होंने ये ड्रेस इसी इवेंट के रेड कार्पेट पर पहनी थी। दिशा पाटनी इससे पहले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर की हिट सीरीज 'द नाईट मैनेजर' के दूसरे सीजन की स्पेशल स्क्रीनिंग पर स्पॉट हुई थीं। इस दौरान उन्होंने जींस और ब्लैक टॉप पहना था। इस ऑउटफिट में भी अभिनेत्री काफी हॉट लग रही थी, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का मुद्दा बन गया था। सोशल मीडिया पर दिशा के लुक की जमकर चर्चा भी हुई थी।

लाइव परफॉर्म करने की ख्वाहिश अधूरी अनिल कपूर

द नाइट मैनेजर में बालीवुड एक्टर अनिल कपूर का किरदार सभी को पसंद आया था। पहले सीज़न को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली और हर कोई शो के दूसरे सीजन को देखने के लिए बेहद उत्साहित है। शो की कास्ट और क्रू के साथ मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनिल कपूर ने शो, इंडस्ट्री में अपने अब तक के सफर और अन्य विषयों पर विस्तार से बात की। अपनी अधूरी ख्वाहिशों के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मुझे सबसे बड़ा अफसोस इस बात का है कि मैं थिएटर नहीं कर सका। काश मैंने अपने करियर में और अधिक थिएटर किया होता। इससे आपको दर्शकों के सामने लाइव परफॉर्म करने का शानदार अनुभव मिलता है। ऐसा करने के लिए अधिक थिएटर निश्चित रूप से मेरी बकेट लिस्ट में है।

द नाइट मैनेजर में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा- इस भूमिका के लिए हमारे पास एक किताब थी, हमारे पास देखने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय शो था। इसके अलावा, हर अभिनेता के पास चरित्र में डूबने का एक अलग तरीका होता है। मुझे भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से चरित्र में ढलना था।

मैं भूमिका के बारे में सपने देखता था। मैं वॉयस ओवर रिकॉर्ड करता था और इसे अपने निर्देशक और लेखक को भेजता था। मैं ऐसी फिल्में देखता था जिनमें इस तरह के रोल हों। जब हमने अपना करियर शुरू किया था, उस समय हमें आर्काइव देखने के लिए पुणे जाना पड़ता था। आज सब कुछ आपकी उंगली की क्लिक पर उपलब्ध है। यही कारण है कि आज हमारे अभिनेता अंतर्राष्ट्रीय अभिनेताओं के बराबर हैं। द नाइट मैनेजर के बा अनिल कपूर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में नजर आएंगे।

किंग ऑफ कोठा में गैंगस्टर बनेंगे सलमान

अभिनेता दुलकर सलमान अपनी बड़े बजट की फिल्म किंग ऑफ कोठा के लिए तैयार हैं। इसका टीज़र चार भाषाओं - मलयालम, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में जारी किया गया। टीजर में भरपूर एक्शन का वादा किया गया है।फिल्म का निर्माण वेफ़रर फिल्म्स और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा किया गया है। फिल्म में दुलकर सलमान एक गैंगस्टर की भूमिका में हैं। 94 सेकंड का वीडियो एक आवाज के साथ शुरू होता है, फ्लोग राजा की वापसी का इंतजार कर रहे थे। उनका मानना था कि केवल राजा ही उनकी भूमि को उस राक्षस से बचा सकते हैं जो उनके बच्चों को खा गया है। आखिरकार, वह दिन आ ही गया। राजा लौट आये।फ फिर, एक भित्ति चित्र में राजा दुलकर का चेहरा दिखाया गया है। वीडियो विभिन्न पात्रों को शीघ्रता से दिखाता है और एक्शन से भरपूर दृश्यों का वादा करता है। कोठा के राजा कहते हैं, यह गांधीग्राम नहीं है... यह कोठा है... यहां, जब मैं कहता हूं कि यह दिन है, तो यह दिन है, और जब मैं कहता हूं कि यह रात है, तो यह रात है।

किंग ऑफ कोठा ज़ी स्टूडियो की पहली मलयालम फिल्म है। कोठा के राजा दो युगों की कहानी कहते हैं। फिल्म का छायांकन निमिष रवि ने किया है। इसकी पटकथा अभिलाष एन चंद्रन ने लिखी है। संगीत जेक बिजॉय और शान रहमान ने तैयार किया है। अभिलाष जोशी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दुलकर के साथ-साथ ऐश्वर्या लक्ष्मी, शबीर कल्लारक्कल, चेंबन विनोद जोस, नायला उषा, शांति कृष्णा, प्रसन्ना, गोकुल सुरेश, सुधी कोप्पा और अनिखा सुरेंद्रन जैसे बड़े स्टार शामिल हैं।

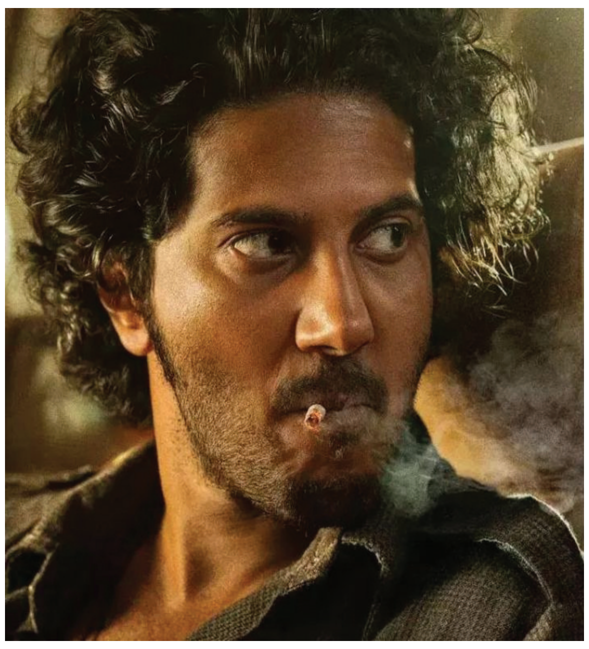

स्ट्रॉबेरी बेच रहे एक लड़के की सोनू सूद की मदद

हाल ही में आम आदमी के मसीहा सोनू सूद ने अपने फॉलोअर्स के दिलों पर कब्जा करते हुए हिमाचल प्रदेश में एक युवा स्ट्रॉबेरी विक्रेता को स्पॉटलाइट किया है। सोनू ने हालही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है, जो उनके वास्तविक उत्साह को दर्शाता है। इसमें सोनू बिहार के स्ट्रॉबेरी विक्रेता के साथ खड़े हैं और उसका उत्साह बढ़ाते हुए ज़ोर से कहते हैं एक बिहारी सब पे भारी। इस वीडियो के जरिये वह दूसरों को छोटे व्यवसायों को सफलतापूर्वक चलाने के लिए अपार क्षमता और कड़ी मेहनत को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। अपने सशक्त पहलों के माध्यम से सोनू एक मार्गदर्शक के रूप में अनगिनत व्यक्तियों को अपने सपनों को पूरा करने की राह दिखाते और प्रेरित करते हैं। बता दें कि सोनू सूद ने एक बार फिर खुद को छोटे व्यवसायों के लिए सबसे बड़ा समर्थक साबित कर दिया है। कुछ दिन पहले उन्हें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक सड़क किनारे मकई बेचने वाले को बढ़ावा देते हुए देखा गया था।

हिरानी की संजू के पांच साल हुए पूरे

राजकुमार हिरानी वे फिल्म निर्माता हैं जिन्होंने हमेशा ही अपनी फिल्मों के साथ सही तालमेल बिठकर बेहतरीन सिनेमा अनुभव दिया है। उनकी फिल्में और कहानियां हमेशा समाज के लिए सही दर्पण साबित हुई है,और उनकी महान कलाकृति की ऐतिहासिक फिल्मों में से एक, संजू ने आज अपने पांच साल पूरे कर लिए हैं। हिरानी द्वारा निर्देशित संजू एक बेहद खूबसूरत फिल्म है जो शानदार और तालियां बजाने योग्य क्लाइमेक्स के साथ सटीक ड्रामा और खूबसूरत भावनाएं पेश करती है। यह कहना गलत नहीं होगा कि संजू हिरानी की अब तक की सबसे निपुण प्रोजेक्ट में से एक है। हिरानी की फिल्में अपनी बेहतरीन स्क्रीनप्ले के लिए जानी जाती जो हमेशा दर्शकों को कहानी में शामिल रखते हुए उनकी रुचि को जगाती हैं। फिल्म के सारे किरदार को शानदार रूप से चित्रित किया गया है। वास्तव में, संजू एक शशक्त स्क्रीनप्ले का एक उत्कृष्ट उदाहरण है जो कहानी की भावनाओं को सहजता से बुनता है। संजू एक उत्कृष्ट रूप से बनाई गई बायोपिक है जिसे हर सिनेमा प्रेमी को देखना चाहिए। संजू के रूप में रणबीर कपूर ने खुद को एक अलग श्रेणी में रखा है।